रांची
रविवार
13.11.2022
मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 05
विक्रम संवत 2079

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रश्मि प्रवाह
जिस जगह पर दूसरों को समझाना नामुमकिन हो जाये, वहां खुद को समझा लेना ही समझदारी है।

www.rastriyanaveenmail.com | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | वर्ष-23 अंक-277 पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 1.50

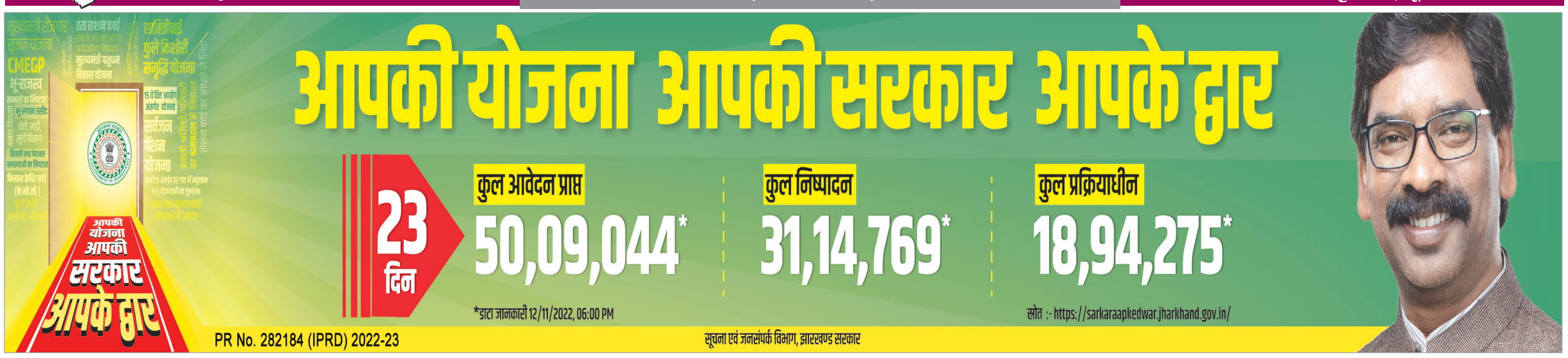

चक्रधरपुर में हिंदूवादी नेता की बम व गोली मारकर हत्या

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम के चक्रधरपुर में शनिवार देर शाम हिंदूवादी नेता कमलदेव गिरि की नृशंस तरीके से हत्या कर दी गयी। चक्रधरपुर थाना अंतर्गत भारत भवन के पास यह घटना उस वक्त हुई जब कमलदेव गिरि एक बाइक पर सवार थे। उस दौरान अज्ञात अपराधियों ने उन पर पहले बम से हमला किया फिर गोली मारी उसके बाद एक बार फिर बम मार दिया। स्थानीय लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कमलदेव बजरंग दल से भी जुड़े थे और गिरिराज सेना के नाम से संगठन चलाते थे। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गये। इधर, सूचना पाकर एसडीपीओ कपिल चौधरी और थाना प्रभारी लक्ष्मण प्रसाद घटनास्थल पहुंचे और जांच में जुट गये।

उलिहातू में राष्ट्रपति के आगमन को लेकर युद्धस्तर पर तैयारी

खूंटी। उलिहातू में राष्ट्रपति आगमन को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारी की जा रही है। साफ-सफाई के साथ साथ रंग-रोगन और सौंदर्यीकरण का काम अंतिम चरण में है। उलिहातू में भगवान बिरसा मुंडा परिसर में पेंटिंग के माध्यम से भगवान बिरसा की जीवनी को जीवंत बनाने का प्रयास किया गया है। भगवान बिरसा मुंडा की वंशावली और इतिहास को शिलापट्ट में नये लुक में स्थापित किया जा रहा है। आकर्षक विद्युत लाइट और साज-सज्जा के कार्य मे कई मजदूर लगे हैं। बिरसा ओड़ा की सौंदर्यीकरण का कार्य अंतिम चरण में है। बिरसा ओड़ा परिसर की चाहरदीवारी में सोहराई पेंटिंग के माध्यम से जनजातीय परंपरा को जीवंत बनाने की कोशिश की गयी है। साथ ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन पर खूंटी और उलिहातू में अलग-अलग अस्थायी हेलिपैड का निर्माण कराया जा रहा है। पहली बार हेलिपैड में गोबर से लिपाई पुताई का कार्य कराया जा रहा है। जनजातीय समाज मे गोबर शुभ और इको-फ्रेंडली माना जाता है। जनजातीय समाज में पर्व-त्योहारों के मौके पर पूजन स्थल की गोबर से लिपाई की जाती है। घर आंगन की साफ-सफाई में भी गोबर का इस्तेमाल किया जाता है। नवनिर्मित अस्थायी हेलिपैड में दर्जनों महिलाएं गोबर से लिपाई-पुताई का कार्य करने में जुटी हैं। गोबर से लिपाई करने से हेलीकॉप्टर के उतरने और उड़ान भरते वक्त धूल का गुब्बार नहीं उठेगा और वायु प्रदूषण रहित हेलिपैड होगा।

सरकार आपके द्वार : मुख्यमंत्री ने सरायकेला-खरसांवा को दी कई सौगात, बोले -

राज्य के लोगों को सशक्त पहचान देने लिए 1932 और सरना धर्म कोड लागू किया

नवीन मेल संवाददाता

रांची/सरायकेला। झारखंड के मूलवासियों-आदिवासियों को सशक्त पहचान देने के लिए 1932 का खतियान और सरना धर्म कोड को लागू किया गया है। सरकार ने दोनों विधेयक को विधानसभा से पारित करवा नौवीं अनुसूची में शामिल करने हेतु केंद्र सरकार को भेजा है, ताकि यहां के ओबीसी को आरक्षण, मूलवासियों-आदिवासियों को 1932 की पहचान और सरना धर्म कोड मिले। ये बातें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कही। मुख्यमंत्री शनिवार को सरायकेला में आयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के मानकी, मुंडा समेत सामाजिक अगुवा को सरकार आवास देने का कार्य भी जल्द करेगी।

सरकार को खुशी, लोगों की समस्याओं का हो रहा समाधान : मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव- गांव, पंचायत-पंचायत में शिविर लगाकर सरकार लोगों को उनका अधिकार दे रही है। आपकी सरकार शुरू किये गये कार्यों को मंजिल तक पहुंचाने की मंशा रखती है। आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार को लेकर लोगों के बीच उल्लास का माहौल है। राज्य के मूलवासी-आदिवासी की परंपरा और संस्कृति को ध्यान में रखकर योजनाएं बनायी है। अगर आप सभी इन योजनाओं का लाभ लेते हैं, तो झारखंड आगे बढ़ेगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सरकार मजबूत करना चाहती है। अबतक सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में 46 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। 20 वर्ष में आखिर क्या कार्य हुए ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

सभी को सर्वजन पेंशन योजना का मिल रहा है लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेंशन योजना से बिचौलियों को सरकार ने पेंशन के रास्ते से हटा दिया। अब सभी को सर्वजन पेंशन योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है। इसके लिये किसी बिचौलिये की जरूरत नहीं है। सरकार स्वरोजगार के लिए लोन उपलब्ध करा रही है। जिसके जरिये जरूरतमंद स्वरोजगार अपना कर अपने स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त करें।

1066.81 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सरायकेला के बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार कार्यक्रम में सरायकेला में नये अनुमंडलीय कार्यालय भवन, मॉडल डिग्री कॉलेज खरसावां और मॉडल डिग्री कॉलेज की सौगात भी दी साथ ही उन्होंने सरायकेला प्रखंड के साहेबगंज गांव में 100 बेड के अस्पताल निर्माण की घोषणा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 187 योजनाओं का शिलान्यास, 124 योजनाओं का उद्घाटन किया तथा इस मौके पर 63,856 लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का भी वितरण हुआ।

राष्ट्रपति पर विवादित टिप्पणी को केंद्रीय मंत्री ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण

ममता बनर्जी मंत्रिमंडल से अखिल गिरि को तुरंत करे बर्खास्त : अर्जुन मुंडा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार के मंत्री और टीएमसी नेता अखिल गिरि के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर दिये गये बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। शनिवार को श्री मुंडा ने दिल्ली के 25 तुगलक रोड स्थित अपने आवास में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि अखिल गिरि ने देश के राष्ट्रपति के ऊपर जिस तरीके से अभद्र टिप्पणी की है, वह घोर निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। आश्चर्य की बात यह है कि पश्चिम बंगाल की सरकार, जहां स्वंय एक महिला मुख्यमंत्री है, और उसके मंत्रिमंडल के सदस्य खुलेआम देश की महिला जनजाति राष्ट्रपति के ऊपर इस प्रकार का अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं। इस मामले में ममता बनर्जी को स्वंय स्पष्टीकरण देना चाहिए। क्योंकि, टीएमसी के मंत्री ने इस तरह का गलत बयान दिया है। यह बयान उन्होंने किसके कहने पर दिया है, यह बयान देश को अपमान करनेवाला है। ऐसे मंत्री को ममता बनर्जी को अपने मंत्रिमंडल से तुरंत बर्खास्त करना चाहिए और इस तरह के बयानों के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। टीएमसी नेता के बयानों से स्पष्ट होता है कि यह टीएमसी के चरित्र में है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की सरकार, देश के आदिवासियों और पश्चिम बंगाल के आदिवासियों का भी शोषण करती रही है। श्री मुंडा ने बयान की घोर निंदा करते हुए कहा कि करता ये बयान अशांति फैलानेवाले हैं।

- केंद्रीय मंत्री ने कहा- टीएमसी नेता के बयानों से स्पष्ट होता है कि यह उनके चरित्र में है

तुपुदाना रिंग रोड पर बस और ट्रक में भीषण टक्कर, तीन की मौत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची के तुपुदाना रिंग रोड के टुंगरी चौक के पास यात्री बस और ट्रक में जबरदस्त टक्कर हो गयी। इस घटना में तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि 35 से 40 यात्री घायल हो गये। घटना शनिवार शाम चार बजे उस समय हुई, जब बस यात्रियों को लेकर खूंटी जा रहा था। इसमें से अधिकतर यात्री खूंटी के ही थे। मृतक में सेना से सेवानिवृत जवान कोमल भुइंया, जीतू पाहन व एक अन्य शामिल है। कोमल खूंटी के रहनेवाले थे। जानकारी के अनुसार भोली बस शनिवार को कांटाटोली खादगढ़ा बस स्टैंड से खूंटी-तपकरा जा रही थी। वहीं, खूंटी की ओर से हरा मिर्चा लोड ट्रक आ रहा था। भोली बस के चालक ने डुमरी मोड़ से तेज रफ्तार में बस को मोड़ा। विपरीत दिशा से आ रही ट्रक और बस में आमने-सामने भीषण टक्कर हो गयी जिससे बस मौके पर पलट गयी। टक्कर इतनी जबरस्त थी कि बस और ट्रक के सामने का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास में मौजूद लोग दौड़े। बस से चीखने-पुकारने की आवाज आने लगी। घटना की जानकारी मिलने के बाद हटिया डीएसपी राजा मित्रा और तुपुदाना ओपी प्रभारी मीरा सिंह पुलिस बस के साथ मौके पर पहुंच गये। स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को एक-एक कर निकाला गया और ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

- घटना में 35 से 40 अन्य यात्री घायल, कई गंभीर
- सभी घायलों को विभिन्न अस्पतालों में कराया गया है भर्ती

पुलिस की छापेमारी के दौरान अधेड़ की मौत

जामताड़ा। जामताड़ा के हेठ करमाटाड़ गांव में पुलिस छापेमारी के दौरान भगदड़ में एक अधेड़ की मौत हो गयी। परिजनों ने पुलिस की पिटाई से मौत होने का आरोप लगाया है। मृतक सब्जी विक्रेता रावण मंडल के शव को लोगों ने शुक्रवार की शाम को गणपत चौक पर रखकर जामताड़ा-करमाटांड़ मार्ग को जाम कर दिया और बाजार बंद करा दिया।

मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, माफिया गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। उत्पाद विभाग की टीम लगातार शराब माफियाओं पर कार्रवाई कर रही है। इसी के तहत विभागीय टीम ने टाटीसिल्वे थाना क्षेत्र में चल रहे मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। विभाग की टीम ने टाटीसिल्वे थाना क्षेत्र के चतरा टंगराटोली स्थित एक मकान में छापेमारी कर 50 पेटी अवैध शराब के साथ एक माफिया को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी सुभाष महतो टाटीसिल्वे के टांगरा टोली का रहनेवाला है। वहीं, आरोपी बाल मुकुंद कुमार निराला उर्फ राहुल मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार सहायक उत्पाद आयुक्त रामलीला रवानी को मिनी शराब फैक्ट्री चलने की खबर मिली। उत्पाद निरीक्षक प्रेम प्रकाश उरांव, अशोक कुमार, अवर निरीक्षक ललित सोरेन, पंकज कुमार के अलावा अन्य लोगों की टीम शनिवार की सुबह टगंराटोली पहुंची। वहां एक मकान में टीम के लोगों ने धावा बोल दिया। इससे अफरा-तफरी मच गयी। मकान में रखे पांच लीटर अवैध शराब, शराब की खाली बोतल, कोर्क, स्टीकर एवं ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

सीएम हेमंत सोरेन से एससी-एसटी कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात, जताया आभार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शनिवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में 1932 खतियान आधारित स्थानीयता और नियुक्ति तथा सेवाओं में आरक्षण वृद्धि का विधेयक झारखंड विधानसभा से पारित होने को लेकर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोगों ने संयुक्त रूप से राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोगों को अपनी ओर से शुभकामनाएं दीं तथा धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष संजीव कुमार, कार्यालय सचिव संतोष कुमार राम, सदस्य सुरेश राम, विजय वेदिया, दुबराज हेम्ब्रम, रमेश उरांव एवं देवचंद मुंडा सहित अन्य उपस्थित थे।

पलामू के बाल गृह से संचालक को चकमा देकर तीन बच्चे फरार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू के प्रमंडलीय मुख्यालय मेदिनीनगर के कांदू मोहल्ला स्थित बाल गृह से संचालक को चकमा देकर तीन बच्चे फरार हो गये। घटना शुक्रवार शाम की है। इसे लेकर बाल गृह के अधीक्षक ने शहर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। मेदिनीनगर के कांदू मोहल्ला में वात्सल्य धाम नाम से एक बाल गृह का संचालन होता है। जिसका प्रबंधन स्वयंसेवी संस्था द्वारा किया जाता है। इस बाल गृह में वैसे बच्चों को रखा जाता है जो अनाथ हैं या जिनके अभिभावक बच्चों का परवरिश नहीं कर पाते। जिला बाल संरक्षण समिति इसकी मॉनिटरिंग करती है। बीते 11 नवम्बर को दोपहर के भोजन के बाद जब बच्चे खेल रहे थे तो करीब तीन से चार बजे रंजन कुमार घासी आठ वर्ष पिता हरिहर महादेव, अघन कोरवा 14 वर्ष पिता स्व. रामप्रसाद कोरवा और मिथिलेश भुइयां 10 वर्ष पिता महेंद्र भुइयां दीवार फांद कर भाग गये। रंजन कुमार घासी गढ़वा का रहनेवाला है। अघन और मिथिलेश पलामू जिले का निवासी है। ज्ञात हो की बच्चों की पहरेदारी के लिए केंद्र में गार्ड का प्रावधान है। केंद्र के मुताबिक गार्ड की ड्यूटी भी थी, ऐसे में कैसे ये बच्चे दीवार फांद कर भाग गये, यह संदेह पैदा करता है। पुलिस फिलहाल सभी पहलुओं पर अनुसंधान कर रही है। इधर, बाल गृह से बच्चे के फरार होने की खबर से बाल सुधार गृहवाले परेशान हो गये। इसकी खबर मीडिया में आते ही सीआईडी व पत्रकार सभी सक्रिय हो गये हैं। बाल सुधार गृह जेल के पास जेलहाता में है। जहां सजा प्राप्त बाल कैदियों को रखा जाता है। वहीं, बाल गृह कांदू मुहल्ला में एनजीओ द्वारा संचालित है, जहां अनाथ या असहाय बच्चों को आश्रय दिया जाता है।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा -

आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर चल रही सरकार

नयी दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर चल रही है और इस बुराई के विरूद्ध भारत की लड़ाई में उसके संकल्प से अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को अवगत करायेगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि वह यहां 18-19 नवम्बर को आतंकवाद के लिए कोई पैसा नहीं (एनएमएफटी) विषयक तीसरा मंत्रिस्तरीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है जिसमें 75 देशों एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि दो दिनों तक परिचर्चा में हिस्सा लेंगे। मंत्रालय के बयान के अनुसार, एनएमएफटी सम्मेलन की मेजबानी अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के मुद्दे, इस बुराई को बिल्कुल नहीं बर्दाश्त नहीं करने की उसकी नीति, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में इस मुद्देपर चर्चा कराने को मोदी सरकार द्वारा दी जा रही अहमियत को दर्शाती है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इस सम्मेलन में शिरकत करेंगे तथा आतंकवाद के विरूद्ध लड़ाई में सफलता हासिल करने के लिए आतंकवाद एवं उसके सहयोग तंत्र के खिलाफ संघर्ष में भारत का संकल्प सामने रखेंगे। बयान के अनुसार इस सम्मेलन का लक्ष्य, पेरिस (2018) और मेलबर्न (2019) के पिछले दो सम्मेलनों में आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने के विषय पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने जो चर्चा की थी, उसे आगे ले जाना है। उसका मकसद आतंकवाद वित्तपोषण के सभी पक्षों के तकनीकी, कानूनी एवं सहयोग पहलुओं पर चर्चा शामिल को करना है। उसमें आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने पर केंद्रित अन्य उच्च स्तरीय आधिकारिक एवं राजनीतिक चर्चा को गति प्रदान करने की कोशिश की जायेगी। दुनियाभर में कई देश वर्षों से आतंकवाद एवं उग्रवाद से पीड़ित हैं। इस हिंसा के स्वरूप भले ही भिन्न भिन्न हैं लेकिन वह काफी हद तक अस्थिर भू-राजनीतिक माहौल एवं दीर्घकालिक जातीय संघर्षों के कारण उत्पन्न होती है। भारत ने पिछले तीन दशकों से अधिक समय से आतंकवाद के विभिन्न रूपों को झेला है, इसलिए वह इस स्थिति से प्रभावित देशों की पीड़ा समझता है।

न्यूज गैलरी

उप निर्वाचन पदाधिकारी, रांची मेरी मड़की ने विभिन्न बूथों का किया निरीक्षण

रांची। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2023 अंतर्गत विशेष अभियान दिवस पर शनिवार को रांची जिला के विभिन्न बूथों पर बीएलओ उपस्थित थे। मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल ऑफिसर द्वारा दावा-आपत्ति आवेदन प्राप्त किया गया। विशेष अभियान दिवस पर उप निर्वाचन पदाधिकारी, रांची मेरी मड़की द्वारा विभिन्न बूथों का निरीक्षण किया गया। श्रीमती मेरी मड़की द्वारा मारवाड़ी भवन, हरमू रोड राँची, राजकीय हिन्दी बालक मध्य विद्यालय, गाड़ीखाना, पहाड़ीटोला, संस्कृत कॉलेज हरमू रोड, राँची, संस्कृत स्कूल हरमू रोड, राँची और परमवीर अल्बर्ट एक्का मध्य विद्यालय, नामकुम, राँची के कुल 27 मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ उपस्थित थे। उप निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती मेरी मड़की द्वारा उपस्थित बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। 13, 19 और 20 नवंबर 2022 को भी विशेष अभियान दिवस : आपको बताएं कि दिनांक 13, 19 और 20 नवंबर 2022 को सभी बीएलओ अपने-अपने मतदान केन्द्र में विशेष अभियान दिवस पर सुबह 10:00 बजे से 05:00 बजे शाम तक उपस्थित रहेंगे। बीएलओ द्वारा भरे हुए दावा-आपत्ति आवेदन पत्र प्राप्त किया जाएगा।

झाड़ी से बरामद शव की हुई शिनाख्त

रांची। राजधानी रांची के पुंदाग ओपी क्षेत्र में विगत गुरुवार को झाड़ी से बरामद शव की शिनाख्त हो गई है। महिला धुर्वा की रहने वाली थी।महिला की हत्या उसके पति ने हत्या कर शव झाड़ी में फेंक दिया था। पुलिस ने तकनीकी और मानवीय सूचना पर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। पति से पूछताछ जारी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक,मृतिका की पहचान अजमेरिया खातून 42 वर्ष के रूप में हुई है।पति इकबाल अंसारी 62 वर्ष नेअपनी तीसरी पत्नी की पत्थर से कूचकर हत्या की थी।पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।वहीं अन्य चार लोगों को हिरासत में लिया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। बताया जाता है कि घटना के बाद एसएसपी के निर्देश पर सिटी एसपी ने हटिया डीएसपी राजा कुमार मित्रा के नेतृत्व टीम गठित की थी।डीएसपी राजा कुमार मित्रा और पुंदाग ओपी प्रभारी विवेक कुमार लगातार घटना के बाद से जांच पड़ताल में जुटे थे।आज शनिवार को जैसे ही जांच में जानकारी मिली तुंरत पति को कचहरी के पास से गिफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में सम्पति विवाद को लेकर पत्नी की हत्या की बात सामने आ रही है। बता दें बीते गुरुवार को महिला का शव पुंदाग ओपी क्षेत्र के नदी के पास झाड़ी में स्थानीय लोगों ने देख पहले पीसीआर को जानकारी दी। फिर पुंदाग ओपी के प्रभारी विवेक कुमार अपनी टीम के साथ पहुंचे। घटना की सूचना पर हटिया डीएसपी राजा कुमार मित्रा भी वहां पहुंचे थे।

अबुल कलाम आजाद के जयंती के मौके पर 200 छात्रों को सम्मानित किया गया

रांची। देश के प्रथम शिक्षा मंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद के जयंती पर मौलाना अबुल कलाम आजाद अचीवमेंट अवार्ड समारोह अमन यूथ सोसाइटी एवं वार्ड पार्षद 22 की नाजिया असलम के स्वजन्य से इंटर/मैट्रिक में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लगभग 200 छात्र/छात्रों को उनके कामयाबी पर उनका हौसला और पढ़ाई में मनोबल को बढ़ाने के लिए प्रस्तति पत्र मोमेंटो दिया गया। कार्यक्रम की शुरूआत तिलावते कुरान एवं राष्ट्रगीत से किया गया। स्वागत भाषण सोसाइटी के संस्थापक मुमताज शकील ने करते हुए सोसाइटी के सामाजिक कार्यों पर रौशनी डालते हुए वार्ड पार्षद नाजिया असलम एवं संरक्षक मो० असलम सहित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का सरहाना करते हुए अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए सभी अतिथियों का अभिवादन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्यसभा सदस्य डॉ० महुआ माजी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से छात्रों में ऊर्जा बढ़ती है और प्रेरणा का स्रोत मिलता है,जिससे देश और समाज उन्नति की ओर बढ़ता है हमारे देश के भविष्य यही बच्चे है जो देश और समाज को आगे बढ़ाने में अपनी अहम भूमिका निभाते है।

जिले के विभिन्न प्रखंड के चयनित पंचायत में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

3968 शिकायतों का किया गया ऑन द स्पॉट निष्पादन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दूसरे चरण अंतर्गत रांची जिला के विभिन्न प्रखंडों के चयनित पंचायतों में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आज दिनांक 12 नवंबर 2022 को रांची जिला के विभिन्न 09 प्रखंडों के अलग-अलग पंचायतों और रांची नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नंबर 45 और 46 में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभिन्न पंचायतों में आयोजित शिविर में लोगों की शिकायतों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। साथ ही जिला स्तरीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों, जिला/प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों ने लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण भी किया। शिविर में लाभुकों के बीच झारखण्ड राज्य खाद्य योजना अंतर्गत धोती साड़ी लुंगी, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, सर्वजन पेंशन, मनरेगा

- 09 प्रखंड और रांची नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नंबर 45 और 46 में कार्यक्रम का आयोजन
- लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

योजनांतर्गत स्वीकृति पत्र, कम्बल वितरण, 15वें वित्त, केसीसी,ढटअ (ऋ), सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना मुख्यमंत्री रोजगार गारंटी योजना, ई-श्रम कार्ड योजना, बिजली तथा पेयजल विभाग तथा अन्य जनलोक कल्याणकारी योजना से संबंधित परिसंपत्ति और स्वीकृति पत्र का वितरण किया गया।

16661 आवेदन प्राप्त हुए, 3968 आवेदनों का ऑन द स्पॉट निष्पादन : शनिवार को विभिन्न प्रखंडों के पंचायत में आयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में कुल 16661 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 3968 आवेदनों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। शेष आवेदन के निष्पादन की प्रक्रिया जारी है।

रांची के लोयला ट्रेनिंग सेंटर में न्यूरो लिंग्विस्टिक-कार्यक्रम का आयोजन

रातू। रांची के लोयला ट्रेनिंग सेंटर रांची में कोटक बैंक रांची के साथ एक न्यूरो लिंग्विस्टिक प्रोग्राम का आयोजन किया गया। लोयला हॉल मे आयोजित कार्यक्रम में फादर मार्क मुकुल लकड़ा, संत जेवियर कॉलेज के शिक्षक, छात्र व कोटक बैंक के कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में साइक्लोजिकल अप्रोच के बारे में बताया गया जिससे व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एनालाइजिंग स्टेटजेरिस का इस्तेमाल किया जाता है। कार्यक्रम में विचार और भाषा व्यवहार को उत्तम करने का तरीका बताया गया। इन एनएलपी प्रोग्राम के जरूरी जानकारी और अनुभव के मदद से भविष्य को सुधारने में मदद मिलती है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास में मदद करना है । कार्यक्रम में फादर मार्क मुकुल लकड़ा और संत जेवियर कॉलेज के शिक्षक एवं कोटक बैंक के कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन अर्चना सिंह ने किया।

झारखंड इदरीसी फ्रंट का पहला स्थापना दिवस मना

नवीन मेल संवाददपाता

रांची। झारखंड इदरीसी फ्रंट का पहला स्थापना दिवस आज दिनांक 12 नवंबर 2022 को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। साथ ही साथ ही मौलाना अबुल कलाम आजाद तथा महान कवि अल्लामा इकबाल के जयंती भी मनाई गई। इसको लेकर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम इदरीशया कम्युनिटी हॉल हिंदपीढी रांची में हुआ। जिसकी अध्यक्षता फ्रंट के संयोजक मोहम्मद आफताब आलम ने किया। बतौर मुख्यातिथि राज्यसभा सांसद डॉक्टर महुआ माजी थी। उन्हों अपने भाषण से लोगों का हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम की शुरूआत तिलावते कुरान और फ्रंट के झंडा तोलन से हुआ। आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया और आए हुए सभी छात्र छात्राओं को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम झारखंड इदरीसी फ्रंट के संरक्षक मोहम्मद सईद इदरीसी के हिदायत पर मोहम्मद आफताब आलम के द्वारा किया गया।विशिष्ट अतिथि में मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी, प्रोफेसर जमशेद कमर, शायर सुहैल सईद, मो तौहीद, मो इस्लाम, मो गुलजार, हाजी गुलाम हुसैन,मो मुजाहिद, मो नौशाद, खालिद उमर, हाजी उमर, मो हसीब समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

रातू सिमलिया पंचायत सचिवालय में सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम आयोजित

रातू । रातू प्रखंड के सिमलिया पंचायत सचिवालय में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शनिवार को शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिले के वरीय पदाधिकारी, रातू बीडीओ हरिशंकर बड़ाइक, सीओ प्रदीप कुमार, आपूर्ति पदाधिकारी समेत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। शिविर में सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित ग्रामीणों की ओर से 2200 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 1600 आवेदनों का त्वरित कार्रवाई करते हुए निष्पादन कर दिया गया। वहीं, 600 आवेदन विचाराधीन हैं। पदाधिकारियों ने बताया कि विचाराधीन आवेदनों का भी जल्द ही निपटारा कर दिया जायेगा। कर्यक्रम का संचालन तैयब अंसारी ने किया।

समाचार पत्र विक्रेता बैधनाथ राय के पिताजी राजकरण राय का निधन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मोराबादी से समाचार पत्र विक्रेता बैधनाथ राय के पिताजी राजकरण राय का निधन 11/11/2022 को उनके निवास पर दिन के 10 बजे हो गया। अखबार बिक्रेता और रांची के सभी प्रेस प्रतिनिधि से अपील है कि उनके आत्मा के शांति के लिए हरमू मुक्तिधाम पहुंचकर उनके अंतिम यात्रा में शामिल होकर अपना श्रद्धा सुमन अर्पित करें। वे अपने पीछे दो पुत्र नवल राय, बैधनाथ राय, तीन पुत्रियां रानी राय, रेखा राय,रीना राय चार पौत्र पप्पू कुमार, पंकज कुमार, राहुल कुमार प्रिंस कुमार और दो पौत्रिया और नाती, नतिनी समेत पूरा परिवार अपने पीछे छोड़कर गए हैं। श्री राजकरण राय मेरे ससुर हैं। झारखंड समाचार पत्र उनके निधन पर गहरा दुःख प्रकट करते हुए अपना श्रद्धांजलि अर्पित करता है। स्वर्गीय राजकरण राय का दाह

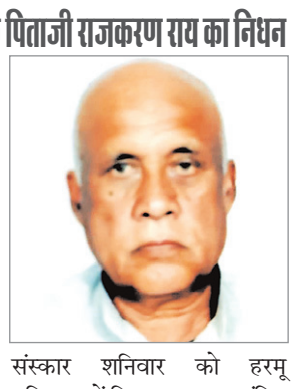

संस्कार शनिवार को हरमू मुक्तिधाम में किया गया। इस अंतिम संस्कार में उनके परिवार के अलावे सभी प्रेस प्रतिनिधि अखबार विक्रेता उपेंद्र वर्मा, अनिल कुमार साहू, गोपाल साहू, कुश पांडे के साथ अर्जुन सिंह, सतेंद्र सिंह, सुधीर कुमार, दीपक राज, रूपक राज, आलोक राय, योगेंद्र गुप्ता, ओमप्रकाश महतो, अशोक महतो, फेकन राय, रघुनाथ राय, रामसरूप राय, सिकंदर राय, रविन्द्र राय, चंदन कुमार, केशव कुमार, विनय कुमार,प्रेम कुमार, मंटू जी समेत कई लोग शामिल हुए।

राज्यपाल रमेश बैस ने 'रांची टैक्स कॉन्फ्रेंस' का किया उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड इनकम टैक्स बार एसोसिएशन और झारखंड कॉमर्शियल टैक्सेस बार एसोसिएशन द्वारा ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स की 46वीं वर्षगांठ के अवसर पर शनिवार को रांची में 'रांची टैक्स कॉन्फ्रेंस' का आयोजन किया गया। कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेश बैस ने किया। इस दौरान राज्यपाल रमेश बैस ने कहा कि उन्हें कार्यक्रम में सम्मिलित होकर बहुत ही प्रसन्नता हो रही है। आयोजक को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में देशभर से लोग शामिल हुए हैं उनको भी बधाई। राज्यपाल रमेश बैस ने कहा कि खुशी की बात है कि ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर 1973 से काम कर रहे हैं। टैक्स पेटीशनर को अपडेट रहने की जरूरत है जिससे करदाता का उनके प्रति विश्वसनीयता बनी रहे तथा करदाताओं को कोई दिक्कत ना हो।

साथ ही टैक्स अथॉरिटी को भी इससे सुविधा हो। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) हमारे देश की महत्वपूर्ण कर संरचना है। यह हमारे देश की आजादी के बाद कर प्रणाली का सबसे बड़ा सुधार है। वस्तु एवं सेवा कर देश के सबसे बड़े अप्रत्यक्ष कर सुधारों में से एक है, कई महत्वपूर्ण सिफारिशें और सुझाव जीएसटी परिषद द्वारा शामिल किये गये हैं। 'वन नेशन वन टैक्स' के नारे के साथ इसे पेश किया गया था। राज्यपाल ने कहा कि यह जानकर खुशी हो रही है कि फेडरेशन के सदस्य देश में कराधान से संबंधित कानून बनाने में सहयोग देने हेतु सक्रिय रहते हैं और अपना सहयोग प्रदान करते हैं। कर संग्रह से संबंधित न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में इस संस्था का अहम योगदान है। जनहित में कर से संबंधित बेवजह संशय को दूर करने के लिए इस प्रकार की विश्वसनीय संस्था को और गतिशील व सक्रिय होकर कार्य करने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिये आप लोगों द्वारा समय-समय पर सेमिनार, जागरूकता कार्यक्रम एवं कैंप का भी आयोजन किया जा सकता है। इन संस्थाओं को समय पर कर भुगतान के लिए करदाताओं को जागरूक करने की दिशा में भी निरंतर प्रयास कर राष्ट्रहित में अपना योगदान देना चाहिए। सभी नागरिकों के लिए अपने संबंधित करों का भुगतान बहुत जरूरी है। आप सभी जनमानस को राष्ट्र एवं राज्यहित में राजस्व के महत्व के बारे में अवगत करायें, राजस्व से योजना का आकार और विकास की रूपरेखा तय होती है।

डीपीएस में वार्षिकोत्सव बालपन के अन्तर्गत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया आयोजन

विद्यालय बच्चों में नैतिक मूल्य पर आधारित शिक्षा देने में विश्वास रखता है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। चाहत चांद को पाने की, सपनों को पंख लगाने की कुछ जुनून है बुलंदियों को पाने की, कांटों में राह बनाने की। चाहत, हौसला और जुनून की उड़ान और रफ़्तार दिल्ली पब्लिक स्कूल, राँची के विवेकानंद प्रेक्षागृह में शनिवार को वार्षिकोत्सव बालपन के अन्तर्गत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के साक्ष्य बने सभागार में उपस्थित गणमान्य अतिथिगण, अभिभावकगण, शिक्षकवृंद, छात्र- छात्राएं तथा मीडिया के लोग मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागतगान, विभिन्न वाद्य यंत्रों का सामूहिक जुगलबंदी एवं ज्ञान के प्रतीक दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि पंकज कंबोज (अंचल आई. जी. रांची, झारखंड) एवं विशिष्ट अतिथि अनिश गुप्ता (डी. आई. जी. रांची, झारखंड) इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित होकर विद्यालय को गौरवान्वित किया। अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम

सिंह ने अपने अभिभाषण में विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यालय बच्चों में नैतिक मूल्य पर आधारित शिक्षा देने में विश्वास रखता है। आजकल शिक्षा क्षेत्र में चुनौती और स्पर्धा बहुत ज्यादा होने के कारण हमारा विद्यालय बच्चों को हर तरह की सुविधा उपलब्ध करा रहा है ताकि आने वाले समय में ये बच्चे पूरी मजबूती के साथ सभी चुनौतियों का डट कर सामना कर सकें ' उन्होंने बच्चों द्वारा किए गए सफल प्रयासों की प्रशंसा की और विद्यालय के छात्रों द्वारा विभिन्न परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने और अपने पसंद का कार्यक्षेत्र निर्धारित करने की क्षमता को वर्णित किया।

भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा ने सीएम का किया पुतला दहन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के बैनर तले शनिवार को हरमू चौक पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया पुतला दहन के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा रांची महानगर के जिलाध्यक्ष राम लखन राम ने कहा कि झारखण्ड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस, राजद की ठगबंधन वाली सरकार आज राज्य के 14 प्रतिशत (लगभग 50 लाख आबादी) अनुसूचित जाति समाज के साथ अन्याय व विश्वासघात करते हुए कानुनन रूप से उनके अस्मिता और पहचान को छिनने का काम कर रही है। झारखण्ड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस, राजद वाली सरकार ने झारखंड विधानसभा में सत्र बुला कर स्थानीयता को परिभाषित करने वाले विधेयक को पारित तो कर दिया लेकिन विधेयक में अनुसूचित शब्द को ही दरकिनार कर दिया। जो

अनुसूचित जाति आरक्षित सीट से जीत कर आए वह भी अब अनुसूचित जनजाति श्रेणी में आते हैं। रकम लगन राम ने कहा कि राज्य के 50 लाख अनुसूचित जाति समाज की यह लड़ाई अपने अस्मिता और पहचान की है। जिसे आज झारखण्ड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस, राजद की सरकार ने खत्म करने का प्रयास किया है। लेकिन झारखंड सरकार को या समझना होगा कि झारखंड के अनुसूचित जाति प्रमाण अब जागरूक हो गई है और यदि विधेयक में अनुसूचित जाति वर्ग का नाम नहीं जोड़ा जाता तो आने वाले समय में मोर्चा चरणबद्ध आंदोलन करने को बाध्य होगी। आज के पुतला दहन कार्यक्रम में पूर्व सांसद ब्रजमोहन राम, जिला अध्यक्ष के के गुप्ता, रांची महानगर भाजपा के महामंत्री बलराम सिंह, मोर्चा के प्रदेश मंत्री खुदा राम, गोबिंदा बलामीकि, इदरजित यादव, टिंकु महतो, मोहन राम आदि उपस्थित थे।

सीधे तौर पर राज्य के 14% अनुसूचित जाति समाज को प्रभावित कर रहा है। इस विधेयक से अनुसूचित जाति की पहचान ही खो जायेगी। उन्होंने कहा कि यह विधेयक किसी दल का घोषणापत्र नहीं है कि किसी एक समाज को अपने राजनीतिक मुद्दे को लेकर बाहर कर दिया जाये। यह विधेयक राज्य की सभी सवा तीन करोड़ जनता के लिए है जिसमें 50 लाख दलित भी शामिल हैं। ऐसा शायद इसलिए भी हो रहा है क्योंकि वर्तमान के झारखंड मुक्ति मोर्चा कांग्रेस और राजद वाली सरकार के मंत्रिमंडल में तकनीकी रूप से कोई भी मंत्री अनुसूचित जाति समाज से नहीं आते हैं। विधायक श्री सत्यानंद भोक्ता जो

भाजपा ने निकाली जन आक्रोश रैली, रातू प्रखंड कार्यालय के समक्ष किया जोरदार प्रदर्शन

रातू। भाजपा के रातू पूर्वी व पश्चिमी मंडल के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को रातू में जनआक्रोश रैली निकाल जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हटिया विधायक नवीन जयसवाल के नेतृत्व में आक्रोश रैली में हजारो लोगो का फन कैशल पार्क स्थित मैदान में जुटान हुआ। जो जुलूस के शक्ल में काठी टांड होते हुये रातू प्रखंड मुख्यालय पहुंची। यहां सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। विधायक नवीन जयसवाल सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि राज्य में बालू , कोयला के अलावा अन्य खनिज संपदा की लूट मची है।सरकारी विभागों में लूट खसोट मचा है। बिना घुस दिये जनता का कोई काम नही हो रहा है। गठबंधन की सरकार में महिलाये अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे है।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य पर खूंटी में कई प्रतियोगिताएं आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

खूंटी। भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो, प्रादेशिक कार्यालय, रांची के तत्वावधान में धनबाद , दुमका के तकनीकि सहायक राज किशोर पासवान एवं खुर्शीद आलम द्वारा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष पर खूंटी जिला के एस एस प्लस टू हाई स्कूल एवं बालिका उच्च विद्यालय खूंटी में 'आजादी का अमृत महोत्सव', 'झारखंड के वीर स्वतंत्रता सेनानी', 'जनजातीय गौरव दिवस' विषयों पर रंगोली, चित्रांकन एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एस एस हाई स्कूल के प्राचार्या श्री मति अनिमा तिर्की, उषा देवी, सीमा लतिका टोपो, राधा कुमारी आदि उपस्थित रहे। बालिका उच्च विद्यालय,

खूंटी की सिस्टर शांति बेला लकड़ा, सिस्टर सोनामुनी अभी लोग उपस्थित रहे। अपने संबोधन में क्षेत्रीय प्रचार सहायक अधिकारी राज किशोर पासवान ने कहा कि देश की आजादी में अहम योगदान और अपने प्राणों की आहुति देकर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ने खूंटी की माटी को अमर कर दिया और पूरे देश में एक महान क्रांतिकारी के रूप में जाने गए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने भारतीय इतिहास और संस्कृति में जनजातियों के विशेष स्थान और योगदान को सम्मानित करने व पीढ़ियों को इस सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित करने का निर्णय लिया। इसी क्रम में केंद्रीय संचार ब्यूरो प्रादेशिक कार्यालय रांची द्वारा इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। प्री प्रोगाम कार्यक्रम के प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिस के तहत पहले रंगोली निबंध एवं चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिस में प्रतिभागियों ने आकर्षक कलाकृति के माध्यम से 'झारखंड के वीर स्वतंत्रता सेनानी' विषय पर संदेश दिया। इस दौरान जनजातीय संस्कृति एवं गौरव से जुड़ी शिक्षाप्रद पेंटिंग भी बनाई गईं। तत्पश्चात निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिस में भारी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया। युक्त प्रतियोगिताओं में विजई प्रतिभागियों को मुख्य एवं गणमान्य अतिथियों के हाथों पुरस्कृत किया जाएगा।

केंद्रीय संचार ब्यूरो रांची के द्वारा पांच दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का उद्घाटन 15 नवंबर को

ज्ञात हो कि भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो, प्रादेशिक कार्यालय, रांची द्वारा 15 नवंबर को पांच दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का उद्घाटन खूंटी स्थित बिरसा मुंडा कॉलेज परिसर में जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन मुंडा के कर कमलों द्वारा किया जायेगा। इस प्रदर्शनी में भगवान बिरसा मुंडा के साथ शहीद बुधु भगत, सिद्धू-कान्हू, नीलांबर-पीतांबर, शेख भिखारी, तेलंगा खड़िया, फूलो जाहनो, टिकैत उमराव सिंह जैसे विभिन्न जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को भी रेखांकित किया जाएगा। साथ ही भगवान बिरसा मुंडा के पैतृक आवास उलीहातू, खूंटी में भी केंद्रीय संचार ब्यूरो, प्रादेशिक कार्यालय रांची द्वारा उनकी जीवनी पर चित्र प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

पहली परीक्षा में ही सफल हुए कुमार हिमालय

सिल्ली। प्रखंड के बड़ा चॉगडू टेरेर गांव के कुमार हिमालय जेपीएससी द्वारा आयोजित सिविल इंजीनियरिंग परीक्षा में सामान्य वर्ग में 173रैंक हासिल कर पांच परगना का नाम रोशन किया है इसका चयन जल संसाधन विभाग में सहायक अभियंता के रूप में हुआ है। पिता मनोहर महतो सेवानिवृत्ति शिक्षक है और माता बिलासी महतो गृहणी है बड़ी बहन वर्षा रानी जसपुरिया बीएड कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है,छोटी बहन नेहा मेहता प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रही है। कुमार हिमालय की दसवीं और बारहवीं की शिक्षा श्रद्धानंद बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल कमड़े, रांची से और इंजीनियरिंग की पढ़ाई सी.वी रमन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग भुवनेश्वर,उड़ीसा से हुआ तथा पूरे कॉलेज में सिविल इंजीनियरिंग बैच(2015-19) मे ब्रांच टॉपर भी रहे।कड़ी मेहनत के बाद इन्होंने प्रथम प्रयास में जेपीएससी परीक्षा में सफल हुए।

बरगांव में जतरा मेला का आयोजन, संस्कृति, सभ्यता परम्परा को बचाये खने की जरूरत है : मनोज सिंह

नवीन मेल संवाददाता

नामकुम। बरगांवा के देउथान जतरा मेला समिति की ओर से जतरा मेला का आयोजन किया गया। मेला से पूर्व परम्परा के अनुसार रंगुआ मुर्गा की बलि गाँव के पाहन द्वारा दी गई। इसके साथ ढ़ोल नगाड़े के साथ मांदर की धुन पर नृत्य करते हुए मेला का शुरूआत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्ञानशंकर जायसवाल ने मंच से सम्बोधित करते हूए कहा कि झारखण्ड कि संस्कृति, सभ्यता, परम्परा को बचाये खने की जरूरत है। समिति के मुख्य संरक्षक मनोज कुमार सिंह ने कहा कि जतरा मेला आपसी भाईचारा प्रेम को मजबूत बनाता है। जिला परिषद विपिन टोप्पो, मुखिया अनिता तिर्की, प्रखंड कृषि पदाधिकारी मिथिलेश सिन्हा,

पंचायत समिति सदस्य सुषमा हेमरोम ने भी सम्बोधित किया। मेला मे अनेकों खोरहा टीम ने हिस्सा लिया। देर रात को समिति की ओर से स्थानीय नागपुरी आयोजन किया गया था।संचालन बिकू सिंह एवं पवन सिंह ने किया। मेला मे मुख्य रूप से सीता लकड़ा, सेवानिवृत्त डीएसपी हरिहर पाण्डेय, सी पी शर्मा, दिनेश किनू, रामानंद सुजाता खलखो, कौशल सिंह, विमल कुमार, राजेश मिंज, शंकर पाण्डेय, विवेक तिर्की, वीरेन सिंह, शंकर गोप, तुलसी मिंज, कृष्णा गोप, सहित वार्ड सदस्य एवं हजारों कि संख्या में लोग उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

खेलो इंडिया साइकिलिंग वुमन लीग में संतोषी उरांव ने जीता कांस्य पदक

रांची। लुधियाना साइकिल वैली रोड में 12 से 13 नवंबर तक आयोजित दो दिवसीय खेलो इंडिया विमेन साइकिलिंग लीग मैं झारखंड की संतोषी उरांव ने सब जूनियर बालिका वर्ग में मांस स्टार्ट स्पर्धा साइकिलिंग प्रतियोगिता में 25 की.मी की दूरी 44.24 मिनट में पूरी कर तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक अपने नाम किया। उक्त पदक हासिल कर झारखंड का नाम रोशन करने पर झारखंड साइकिलिंग संघ के अध्यक्ष मधुकांत पाठक, झारखंड साइकिल संघ के महासचिव शैलेंद्र पाठक, झारखंड साइकिलिंग संघ के उपाध्यक्ष अम्लान कुसुम सिन्हा, मुकुल टोप्पो, सुरजीत कुमार, अनिल खन्ना, पप्प, झारखंड साइकिलिंग संघ के संयुक्त सचिव विनय विभाकर, झारखंड साइकिलिंग संघ कोषाध्यक्ष रणवीर सिंह, एस.के पांडे, सुरेश कुमार, संजेश मोहन ठाकुर, विनय पांडे, रामगढ़ जिला साइकिलिंग संघ अध्यक्ष शि.डी सिंह, गोड्डा जिला साइकिलिंग संघ के सचिव रितेश झा, विनय कुमार पांडे अध्यक्ष धनबाद जिला संघ, साहिबगंज जिला साइकिलिंग संघ अध्यक्ष राजेश कुमार यादव, गढ़वा जिला सचिव अरविंद दुबे, ओम प्रकाश गुप्ता, दुमका जिला साइकिलिंग अध्यक्ष वरुण कुमार, नवनीत कुमार, अमित कुमार लोहरदगा सचिव दीपक कुमार, जामताड़ा सचिव सलिल कुमार तथा साइकिलिंग संघ के पदाधिकारियों एवं साइकिलिंग के प्रशिक्षक रामकुमार भट्ट ज़जे. एसएसपी एस ने बधाई दी।

सड़क के निर्माण कार्य का सांसद ने किया शिलान्यास

रांची । सांसद संजय सेठ ने राँची नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 50 में हुंडरू गरिया में राणा सिंह के घर से आरओ प्लांट तक 76 लाख की लागत से बनने वाले सड़क के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विधायक नवीन जायसवाल डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय, वार्ड पार्षद पुष्पा तिर्की मौजूद रहे।

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण तहत विशेष शिविर का आयोजन

रांची । मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत रांची के विभिन्न बूथों पर शनिवार को विशेष शिविर का आयोजन हुआ । रांची डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर 3, धुर्वा सहित सभी बूथों पर वोटर लिस्ट का काम हुआ । आज भी सभी बूथों पर विशेष शिविर का आयोजन होगा । मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के अनुसार वैसे युवा जो 1 अक्तूबर 2023 को 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के हो रहे हैं वे मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं।

रांची विश्वविद्यालय मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन आयोजित

रांची। झारखण्ड छात्र मोर्चा द्वारा रांची विश्वविद्यालय मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया । इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने डोरंडा कॉलेज बीए पासकोर्स/ जेनरल, सत्र: 2019-22,सेमेस्टर-6 के विद्यार्थियों के मूल्यांकन में गड़बड़ी,टी आर शीट में गड़बड़ी,एडमिट कार्ड में गड़बड़ी का आरोप लगाया तथा रांची विश्वविद्यालय प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की । इस मौके पर छात्रों ने आरोप लगाया कि कुलपति के द्वारा आश्वासन मिला था कि एक हफ्ता में जांच कर फ्रेश रिजल्ट जारी किया जाएगा पर अब तक ना तो जांच हुई है ना ही रिजल्ट जारी किया गया । इसके विरोध में सभी छात्र रांची विश्वविद्यालय का घेराव कर रहे हैं।

जिला मुख्यालयों में कार्यक्रम के लिए आठ मंत्री बनाए गए प्रभारी

रांची। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 15 नवंबर को रांची और खूंटी के साथ जिला मुख्यालयों में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के लिए सरकार के आठ मंत्रियों को विभिन्न जिलों का प्रभारी बनाया गया है। इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग की ओर से संबंधित उपायुक्त और पुलिस अधीक्षकों को पत्र भेजा गया है। इन्हें मंत्रियों से संपर्क कर जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। ज्ञात हो कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राज्य स्थापना दिवस को लेकर खूंटी और रांची में आयोजित राजकीय मुख्य कार्यक्रमों में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगी। राष्ट्रपति के 14-15 नवंबर को राज्य दौरे के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया जा चुका है। राष्ट्रपति बिरसा कॉलेज मैदान, खूंटी में महिला सम्मेलन को संबोधित करेंगी। उनका महिला स्वयं सहायता समूह से बातचीत का भी कार्यक्रम है।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन केअष्टम प्रांतीय अधिवेशन की तैयारियां पूरी

राज्यपाल रमेश बैस अधिवेशन का आज करेंगे उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अष्टम अधिवेशन रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में होगा। अधिवेशन की विस्तृत जानकारी अधिवेशन आयोजन समिति के स्वागताध्यक्ष पूर्व सांसद महेश पोद्दार एवं मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल ने प्रेस वार्ता के माध्यम से देते हुए कहा कि अधिवेशन का उद्घाटन मारवाड़ी भवन में 13 नवंबर को पूर्वाहन 10.30 बजे महामहिम राज्यपाल रमेश बैस करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास मुख्य अतिथि के बतौर शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि कोरोना काल के बाद पहली बार झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन का ऐसा कोई भव्य आयोजन हो रहा है। इसके कारण सदस्यों में काफी उत्साह है। अधिवेशन के दौरान नवनिर्वाचित

अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल अपने पद की शपथ लेंगे। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन गाड़ोदिया होंगे। समापन समारोह अपराहन 3:30 होगा समापन समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, मुख्य वक्ता कोल्हान विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ० पवन पोद्दार विशिष्ट अतिथि धनबाद के पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल होंगे। उन्होंने बताया कि अधिवेशन में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ ही विभिन्न प्रदेशों के पदाधिकारी भी शामिल हो रहे हैं। झारखंड में बड़े पैमाने पर सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। पूरे राज्य में 1001 नए सदस्य जोड़ने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि हमें 87 साल पुरानी अपनी सामाजिक संस्था पर गर्व है। वर्ष 1935 में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना कोलकाता में हुई थी। यह संस्था देश भर के मारवाड़ी समाज के सदस्यों के बीच समन्वय करती है। इसके द्वारा विभिन्न प्रकार के सामाजिक सुधार और सेवाकार्य भी चलाए जाते हैं। सम्मेलन ने देश भर में मारवाड़ी समाज के बीच पंचायत

> झारखंड में बड़े पैमाने पर सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। पूरे राज्य में 1001 नए सदस्य जोड़ने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि हमें 87 साल पुरानी अपनी सामाजिक संस्था पर गर्व है।

व्यवस्था भी लागू कर रखी है। ताकि आपसी विवादों का सामाजिक रूप से निराकरण संभव हो। उन्होंने कहा कि अधिवेशन में भागीदारी को लेकर सभी जिले में काफी उत्साह देखा जा रहा है। तथा अधिवेशन में 500 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। अधिवेशन को सफल बनाने एवं तैयारियां हेतु बनाए गए अधिवेशन स्वागत समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं व्यवस्था प्रमुख विभागों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। बैठक में 100 से भी अधिक सदस्यों ने भाग लिया।

बैठक में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, जिलाध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, स्वागत मंत्री ललित कुमार पोद्दार, बसंत कुमार मित्तल, पवन शर्मा, विनय सरावगी, मनोज बजाज, संजय सर्राफ, अनिल अग्रवाल, रवि शर्मा, कौशल राजगढ़िया, चंडी प्रसाद डालमिया, मनोज चौधरी, प्रेम कटारुका, निर्मल बुधिया, श्याम सुंदर अग्रवाल, राहुल मारू, प्रकाश बजाज, अजय बजाज, सुनील केडिया, आनंद जालान, आकाश अग्रवाल, राम बांगड़, सुभाष पटवारी, विकास अग्रवाल, शशांक भारद्वाज, श्याम सुंदर शर्मा, अमित शर्मा, रोहित पोद्दार, सौरभ सरावगी, अनु पोद्दार, नेहा पटवारी, के अलावे बड़ी संख्या में सदस्यगण उपस्थित थे। उक्त जानकारी अधिवेशन स्वागत समिति के मीडिया संयोजक संजय सर्राफ ने दी।

80 बच्चों ने लिया मौलाना आजाद पर हुए लेखन प्रतियोगिता में हिस्सा

रांची। अंजुमन इस्लामिया की ओर से मौलाना आजाद की जंयती को शिक्षा, स्वास्थ्य और सद्भावना अभियान के तहत मनाया जा रहा है। इसी के तहत शनिवार को मेन रोड अंजुमन इस्लामिया हॉल में लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें पारामाउंट पब्लिक स्कूल, राइजिंग मून एन स्कूल, आजाद हाई स्कूल, संत जीएम स्कूल, केयूजी पब्लिक स्कूल, लिटिल एंजल स्कूल, ड्रीम लैंड पब्लिक स्कूल, राइन उर्दू स्कूल समेत एक दर्जन से अधिक स्कूल के बच्चों ने हिस्सा लिया। दिन के ग्यारह बजे से प्रतियोगित शुरू हुई। करीब 80 बच्चों ने इसमें हिस्सा लिया। बच्चों को मौलाना आजाद की जीवनी का टॉपिक दिया गया। प्रतियोगिता में शामिल बच्चों ने अपने-अपने स्तर से उनके जीवन के बारे में लिखा।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल रांची में ताइक्वांडो चैंपियनशिप का उद्घाटन समारोह आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल परिसर में चौथे बी.के. बिरला ताइक्वांडो ट्रॉफी के लिए सातवें जिला स्तरीय अंतर्विद्यालय ताइक्वांडो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को रांची जिले के ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया।

इस समारोह में 16 विद्यालयों के लगभग 307 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतिस्पर्धा का उद्घाटन विद्यालय की प्राचार्या परमजीत कौर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके पश्चात स्वागत गान प्रस्तुत किया गया। आज की प्रतियोगिता में अंडर 14 कैटेगरी के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विद्यालय के कार्मिक एवं प्रशासनिक प्रमुख डॉ० प्रदीप वर्मा ने इस प्रकार की प्रतियोगिता आयोजन करने के लिए विद्यालय की सराहना की और प्रतिस्पर्धा में आए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि प्रतियोगिताएं हमें शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं जिससे हम भविष्य में हर परिस्थिति का सामना करने में सक्षम हो पाते हैं। ताइक्वांडो आत्मरक्षा की एक बेहतरीन तकनीक है इसे सभी लड़कियों को भी सीखना चाहिए।

नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2022-23 की तैयारी को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

संवेदनशील बूथों से संबंधित प्रस्ताव दो दिनों के अंदर भेंजे : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आगामी नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2022-23 की तैयारी को लेकर आज दिनांक 12 नवंबर 2022 को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त रांची श्री विशाल सागर, संबंधित निवार्ची पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, अंचल अधिकारी बुंडू, नामकुम, शहर, हेहल, अरगोड़ा, बड़गांई, प्रखंड विकास पदाधिकारी नगडी, कार्यपालक दंडाधिकारी शशिनीलिमा डुंगडुंग, साधना जयपुरियार और ब्रजलता उपस्थित थे। बैठक के दौरान उपायुक्त श्री राहुल कुमार सिन्हा द्वारा जिला अंतर्गत नगरपालिका निर्वाचन 2022-23 हेतु मतदाता सूची तैयार करने की विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त द्वारा सभी

ईआरओएवं अएफ्ष्ट सघन जांच कर मतदाता सूची यथाशीघ्र तैयार करने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रांची द्वारा मतदान केंद्रों की भौतिक सत्यापन की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि कहीं भी मतदान केंद्र परिवर्तन की आवश्यकता है तो इससे संबंधित प्रस्ताव भेजें। उपायुक्त द्वारा सभी मतदान केंद्रों की जांच कर 2 दिनों के अंदर संवेदनशील मतदान केंद्रों का प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संबंधित अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी मिलकर प्रस्ताव भेजें।

श्री श्याम मित्र मंडल के स्वर्ण जयंती वर्ष पर महाभंडारे का हुआ आयोजन

3700 भक्तों के बीच श्री श्याम भंडारे का महाप्रसाद किया गया वितरण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। ॐ नमो भगवते गोविंदाय, कृ कृष्णाय नमः, ॐ नमो भगवते नंदपुत्राय नमः, ॐ कृष्णाय गोविंदाय नमो नमः, ॐ श्री श्याम देवाय नमः, मंत्र से हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। श्री श्याम मित्र मंडल के स्वर्ण जयंती वर्ष 22:23 पर शनिवार को 36 वां श्री श्याम भंडारा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खाटू नरेश सहित सभी देवी-देवताओं को भंडारे का भोग लगाते समय उपरोक्त मंत्रों का पाठ करते हुए देवताओं की मनुहार कर रहे थे। श्री श्याम मित्र मंडल के वरिष्ठ सदस्य राजीव रंजन मित्तल, सीए वरिष्ठ सदस्य कविता मित्तल ने अपने सुपुत्र यशवर्धन मित्तल ने अपने परिवार के साथ 36 वें श्री श्याम भंडार की सेवा निवेदित

मोटी-मोटी फूलों की मालाओं से खाटू नरेश का विशेष श्रृंगार किया गया

श्री राजीव रंजन मित्तल कविता मित्तल के शादी के 35वें वर्षगांठ के अवसर पर हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज खाटू नरेश का लाल गुलाब फूल, सफेद स्टार फुल, तुलसीदल, पीला गेंदा, लाल गेंदा, के मोटी मोटी मालाओं से मनोहारी श्रृंगार किया गया। श्री हनुमान जी महाराज का विशेष श्रृंगार भी हुआ। इसके साथ सभी देवी देवताओं का गुरुजनों को भी अलौकिक श्रृंगार किया गया। श्रृंगार का दर्शन कर भक्तजन भाव विभोर हो रहे थे।

मंगलवार को सुंदरकांड : श्री श्याम मित्र मंडल के स्वर्ण जयंती वर्ष पर 15 नवंबर मंगलवार को हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 24 व श्री सुंदरकांड पाठ व श्री हनुमान चालीसा का संगीतमय पाठ संध्या 4:30 बजे से होगा । मंडल के महामंत्री श्री विश्वनाथ नारसरीया और मंत्री श्री गौरव अग्रवाल ने सभी को आमंत्रित किया।

की। मंडल के अध्यक्ष सुरेश सराओगी के मार्गदर्शन में शुक्रवार से मंदिर के श्री श्याम रसोई में भंडारे का प्रसाद निर्मित किया गया। भोग अर्पित होने के बाद सभी वस्तु को विशाल भंडारे में मिश्रित करके सर्वप्रथम मंदिर के चार अचार्य गणों को प्रसाद खिलाकर दक्षिणा भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। राजीव रंजन मित्तल सीए ने परिवार संग खाटू नरेश के दरबार में मत्था टेक अपने परिवार के साथ साथ झारखंड की सुख समृद्धि की कामना की। भंडारे के वितरण समय के पूर्व ही भक्तों की अपार भीड़ इकट्ठा होना शुरू हो गई थी। सुरेश सरावगी के मार्गदर्शन में राजीव रंजन मित्तल, कविता मित्तल ने परिवार के साथ भंडारा वितरण प्रारंभ किया। खाटू नरेश की जय जयकारों से हरमू रोड गूंज रहा था। ध्वनि विस्तारक यंत्र से मंडल के महामंत्री विश्वनाथ नर्सरिया भंडारे की वितरण व्यवस्था तथा भक्तों का निरंतर संचालन कर रहे थे। लगभग 3700 भक्तों को श्री श्याम भंडारी का महा प्रसाद वितरित किया गया। संपूर्ण मंदिर परिसर भक्तजनों से भरा हुआ था। श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेश सराओगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरीया, राजीव रंजन मित्तल, श्रवण, प्रदीप राजगढ़िया, गौरव अग्रवाल मोनू, अनिल नारनौली, स्नेह पोद्दार, पूर्व सांसद अजय मारु, कल्पना मारू, कविता मित्तल, संजय अग्रवाल सीए, अन्नपूर्णा सराओगी,मीरा अग्रवाल, विशाल पोद्दार, राजेश अग्रवाल, मनोज खेतावत सहित 100 से ज्यादा स्वयंसेवक व कार्यकर्ताओं ने भंडारे की व्यवस्था में सहयोग किया।

खेलकूद व युवाकार्य निदेशक औचक निरीक्षण करने आवासीय फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र गिरिडीह व देवघर पहुंचे

नवीन मेल संवाददाता

रांची। खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय के निदेशक महोदया सरोजनी लकड़ा ने शनिवार को औचक निरीक्षण करने आवासीय फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र गिरिडीह एवं आवासीय फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र देवघर पहुंचे। आवासीय प्रशिक्षण केंद्र गिरिडीह पहुंचने पर जिला खेल पदाधिकारी अर्जुन बारला ने स्वागत किया। निरीक्षण के क्रम में आवासन स्थल, भोजन व्यवस्था, खेल उपकरण एवं मैदान के बारे में विस्तृत जानकारी ली और जिला खेल पदाधिकारी को निर्देश भी दिया

निरीक्षण के क्रम में गिरिडीह में खेल विभाग द्वारा बनाए जा रहे हैं मल्टीपरपस बैडमिंटन हॉल भी पहुंचे वहां कार्य कर रहे हैं संवेदक से भी बात की काम से संतुष्ट नजर आए और जल्द से जल्द बनाने का आदेश भी दिया। इसी क्रम में अपराहन 3:00 बजे देवघर स्थित मेघा स्पोर्ट्स कंपलेक्स कुमैठा पहुंचे। पहुंचने के बाद जिला खेल पदाधिकारी डॉ प्राण महतो ने निदेशक महोदया का स्वागत किया ,यहां प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं फुटबॉल खिलाड़ियों से भी मुलाकात की है एवं वस्तु स्थिति से अवगत हुए जिला खेल पदाधिकारी द्वारा बताए गए समस्याओं को बहुत ही जल्द निजात दिलाने की बात कही स्पोर्ट्स कंपलेक्स कुमौठा देवघर में 200 बेड के हॉस्टल का भी निरीक्षण किया साथ ही वहां बैडमिंटन कोर्ट, मल्टी जिम स्विमिंग पुल बास्केटबॉल कोर्ट और वॉलीबॉल कोर्ट का भी निरीक्षण किया।

डॉ तोशिकी ओसादा ने झारखंडी व जापानी भाषाओं के अंत:संबंध पर चर्चा की

रांची। रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय में शनिवार को इंटर यूनिवर्सिटी रिसर्च इंस्टीट्यूट कॉपोरेशन एंड इंस्टीट्यूट फॉर दी ह्यूमिनिटी, जापान के भाषा वैज्ञानिक प्रो डॉ तोशिकी ओसादा का व्याख्यान आयोजित किया गया। इसका विषय था झारखंडी व जापानी भाषाओं का अंत:संबंध। डॉ तोशिकी ओसादा ने कहा कि हमलोगों को अपनी भाषा और संस्कृति नहीं छोड़नी चाहिए। चाहे परिस्थिति जो भी हो। अपने पारंपरिक ज्ञान से आनेवाली पीढ़ी को भी अवगत कराएं, ताकि वे अपनी परंपरा को जान सकें।

प्राकृतिक खेती में तकनीकी प्रबंधन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

कृषि वैज्ञानिकों ने प्राकृतिक खेती पर अधिक अनुसंधान की आवश्यकता जताई

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के निदेशालय प्रसार शिक्षा द्वारा 24 जिलों के कृषि विज्ञान केन्द्रों (केवीके) के वैज्ञानिकों के लिए आयोजित प्राकृतिक खेती में तकनीकी प्रबंधन विषयक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन संपन्न हुआ मौके पर निदेशक प्रसार शिक्षा की अध्यक्षता में इंटरफेस चर्चा का आयोजन किया गया। चर्चा में शामिल प्रतिभागी 45 केवीके वैज्ञानिकों एवं प्राकृतिक खेती विशेषज्ञ डॉ अरबिंद कुमार एवं डॉ सीएस सिंह ने प्राकृतिक खेती के अनुपालन में स्थानीय उपयुक्त एवं वर्त्तमान मांग आधारित तकनीकी संसोधन के समावेश पर

बल दिया। वैज्ञानिकों ने परंपरागत जैविक खेती/ आधुनिक जैविक खेती के स्थान पर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में अधिकाधिक अनुसंधान एवं फसल प्रदर्शन का डाटा बैंक तैयार करने की आवश्यकता जताई।

डीन वानिकी डॉ एमएस मल्लिक ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण झ पत्र प्रदान किया। उन्होंने नाहेप-कास्ट परियोजना के तहत प्राकृतिक खेती पर परियोजना सौपने और डाटा बैंक तैयार करने का प्रस्ताव दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद डॉ रंजय कुमार सिंह ने दी। मौके पर प्राकृतिक खेती विशेषज्ञ डॉ अरबिंद कुमार एवं डॉ सीएस सिंह ने झारखण्ड में प्राकृतिक खेती की संभावनाओं पर अपने विचारों को रखा। संचालन एवं धन्यवाद डॉ रंजय कुमार सिंह ने दी। कार्यक्रम समन्यवयक एवं केवीके चतरा के वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ रंजय कुमार सिंह ने बताया कि आईसीएआर, नई दिल्ली एवं आईसीएआर- अटारी पटना के सौजन्य से झारखण्ड राज्य के 9 जिलों में किसानों के बीच प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए परियोजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इसके तहत कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से जिलों के प्रगतिशील एवं अन्य किसानों के लिए जागरूकता अभियान, प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण का आयोजन होगा। राज्य में नामकुम स्थित हार्प पलांडू संस्थान तथा आरके मिशन स्थित केवीके में प्राकृतिक खेती पर शोध कार्य शुरू हो चुका है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

डीपीएस में इंटर स्कूल कॉमर्स फेस्टिवल आयोजित

रांची। डीपीएस रांची की ओर से फेस्टिवाइट 2022- इंटर स्कूल कॉमर्स फेस्टिवल का आयोजन शनिवार को किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों को उनकी उद्यमशीलता कौशल व प्रबंधकीय प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करना था। इसमें 8 स्कूलों के 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें ब्रिजफोर्ड स्कूल, डीएवी हेहल, डीपीएस रांची, सरला बिरला पब्लिक स्कूल, सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी स्कूल, विवेकानंद विद्या मंदिर, गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल और कोरोना यूनिवर्सल स्कूल के प्रतिभागी शामिल थे। प्रतियोगिता में डीपीएस, रांची को चैंपियन का खिताब मिला। वहीं, सरला बिरला पब्लिक स्कूल प्रथम रनर अप रही। डीपीएस के प्राचार्य डॉ राम सिंह ने कहा कि यह उत्सव छात्रों के रचनात्मकता और नवीन कौशल को विकसित करेगा साथ ही उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा और कॉपोरेट जगत में उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करेगा।

हेमंत सरकार में माफियाओं का दबदबा जारी : रघुवर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हेमंत सरकार बिचौलियों, सिंडिकेट और माफियाओं के इशारे पर चलने वाली सरकार है। इसके आने के बाद से राज्य में खनिज संपदा की हेराफेरी हुई है। इसके साथ ही झारखंड की महिला पूरी तरह से सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने ही आदिवासियों को ठग कर 2019 में सरकार बनाई थी। वह समझ चुके हैं कि अब आदिवासी उनके झांसे में नहीं आएगा। उक्त बातें झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास ने कहीं। वह आज दुमका परिसदन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा परिवारवाद और भ्रष्टाचार वाली पार्टी है। आज जब उनके कारनामों के कारण एऊ उनके द्वार तक पहुंची है, तब उन्हें आनन-फानन में 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति व पिछड़ों के आरक्षण की याद आ रही है। जबकि उन्होंने चुनाव में वादा किया था कि सरकार

बनने के तीन माह के अंदर ही 1932 खतियान लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ईडी के समन मिलने के बाद आनन फानन में एक दिन का सदन बुलाया और बिना प्रक्रिया पूरी की है 1932 का खतियान और आरक्षण नीति लागू करने का ढोंग किया। दोनों ही मामलों में नियमों का पालन नहीं किया गया। इससे मुख्यमंत्री की मंशा स्पष्ट होती है। उन्हें स्थानीय नीति लागू करना होता तो इसे केंद्र के पास भेजने की आवश्यकता नहीं थी। सातवीं अनुसूची में संविधान राज्य को स्थानीय नीति परिभाषित करने का अधिकार देता है। न्यायालय ने भी इस संबंध में अपना फैसला दिया है। जैसा कि हमने 2016 में स्थानीय नीति व नियोजन नीति परिभाषित की थी। तब इसे केंद्र सरकार के पास नहीं भेजा था। बल्कि राज्य सरकार ने अपने स्तर पर ही इसे बनाया और लागू किया था। इसके बनने के बाद एक लाख से ज्यादा सरकारी नौकरियां दी गई। इसमें 32000 शिक्षक, 8000 सिपाही, 2200 दरोगा, वनरक्षी व अन्य पदों पर नियुक्ति की गई। इसमें 95% से अधिक मूलवासियों को सरकारी नौकरियां मिली। इसी तरह बाबूलाल मरांडी जी ने भी स्थानीय नीति बनाकर केंद्र सरकार को नहीं भेजा था, स्थानीय स्तर पर ही लागू किया था। मुख्यमंत्री जी की नियत केवल राजनीति करने की है, इसे लागू करने की नहीं है। वो आदिवासी को नागरिक नहीं समझते हैं, बल्कि केवल वोट बैंक मानते हैं। 23 मार्च 2022 को मुख्यमंत्री ने स्वयं विधानसभा में इससे माना था कि खतियान के आधार पर नियोजन नीति लागू नहीं की जा सकती है।

न्यूज गैलरी

कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने कोलेबिरा विधायक का किया स्वागत

बानो । बानो प्रखण्ड मुख्यालय से कांग्रेसी कार्यकताओं ने कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाडी की स्वागत माला पहनाकर किया।। बानो आने कार्यकताओं ने नाचते गाते बिरसा चौक तक ले जा गया विधायक ने भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया ।मौके पर बताया गया कि कैश काण्ड में फंसे कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाडी 3 माह के बाद अपने विधानसभा छेत्र लौट रहे है । उन्हें कोलकाता हाई कोर्ट द्वारा तीन माह के बाद झरखण्ड आने की अनुमति दी है यह एक साजिश के तहत फंसाया गया था ।बानो प्रखंड कोलेबिरा विधानसभा मे नही पड़ता है परंतु आप लोगो ने कई मौके हमे बुलाया है। इसी को लेकर आज बानो आया हूं। झारखंड सरकार ने1932 खतियान को लेकर महत्वपूर्ण फैसला लिया। हमारे लिए यादगार दिन है । मौके पर बानो प्रखंड से भारी संख्या में कार्यकताओं ने स्वागत किया मौके पर कोंग्रेस प्रखण्ड अध्यक्ष जगदीश बागे ,जेम्स कंडुलना ,अजित कंडुलना आदि लोग उपस्थित थे।

बोलबा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

बोलबा। बोलबा प्रखण्ड मुख्यालय में भाजपा कार्यकताओं ने झरखण्ड सरकार के खिलाफ किया धरना प्रदर्शन एवं जमकर नारेबाजी किया गया । इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि अजय जायसवाल ने झरखण्ड सरकार निशाना साधते हए कहा कि झरखण्ड सरकार स्थानीय नीति पर लोगों को दिग्भ्रमित कर रही है । स्थानीय नीति सिर्फ दिखावा है । झरखण्ड कि मुख्यमंत्री आरोपों से घिरे हुए हैं । इनकी कार्यकाल में लूट, भ्रस्टाचार सहित कई तरह के आरोप है । इस मौके पर प्रखण्ड कार्यालय प्रांगण में भाजपा कार्यकताओं ने धरना प्रदर्शन एवं जमकर नारेबाजी करते हुए राज्यपाल के नाम प्रखण्ड विकास पदाधिकारी उषा मिंज को ज्ञापन दिया गया । इस मौके पर अजय जायसवाल, गौरीशंकर सिंह, फाल्गुन नायक, दिनेश्वर माँझी, माधव सेनापति, दिलीप दुबे सहित कई लोग मौजूद थे ।

सदस्यता अभियान को लेकर लोगों में दिख रहा काफी उत्साह

लोहरदगा। सेन्हा प्रखंड में प्रखंड अध्यक्ष विजय सोनी की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस आयोजित बैठक में जिले के पदाधिकारी संरक्षक अजय सोनी, जिला कार्यकारी अध्यक्ष ओम महतो, महामंत्री अजय साहू, जिला उपाध्यक्ष अनिल उरांव एवं संजय कुमार हुए शामिल। बैठक में मुख्य रूप से सदस्यता अभियान को लेकर खास चर्चा हुई जिसमें सर्वसम्मति से पंकज महतो,विकास पाठक एवं सचित महतो को सदस्यता अभियान प्रभारी बनाया गया। प्रभारी बनने पर जिले के पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं देते हुए सदस्यता अभियान को लेकर खास रणनीति बनाई। इस अभियान को लेकर लोगो में काफी उत्साह नजर आई। ओम महतो ने कहा की सदस्यता अभियान को लेकर लोगों की उत्सुकता देखने को मिल रही है समिति के प्रति विश्वास एवं भरोसा आज भी कायम है यह अभियान 31-12-2022 तक चलेगी ' जिला उपाध्यक्ष अनिल उरांव ने कहा अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का लक्ष्य लेकर चले कोई ना छूटे इसका ध्यान रहे। प्रखंड अध्यक्ष विजय सोनी ने कहा घर-घर चलेगी सदस्यता अभियान यह मौका बार-बार नहीं मिलता ' मौके पर रोहित कुमार, सत्यम कुमार, रामचंद्र महतो, सिकंदर महतो, रवि कुमार, दिलीप महतो, सिद्धार्थ कुमार, दीपक कुमार, संदीप कुमार, राहुल कुमार, मनोरंजन कुमार, राजेश, अभिषेक कुमार समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

नगरपालिका निर्वाचन को लेकर डीसी-एसपी ने वज्रगृह व मतगणना स्थल का निरीक्षण किया

लोहरदगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी नगर पालिका उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण और पुलिस अधीक्षक आर राम कुमार द्वारा कृषि उत्पादन बाजार समिति लोहरदगा में नगरपालिका निर्वाचन, 2022-23 अंतर्गत बनने वाले मतगणना हॉल व वज्रगृह स्थल का निरीक्षण किया गया। इस मौके पर उपायुक्त द्वारा भवन प्रमंडल, लोहरदगा के अभियंता को आवश्यक निर्माण कार्य को लेकर आवश्यक निदेश दिए गए। उपायुक्त द्वारा कृषि बाजार उत्पादन समिति के कार्यालय में संचालित 18 वर्ष या इससे ऊपर की उम्र के युवक-युवतियों के लिए मतदाता सूची में रजिस्ट्रेशन कार्यक्रम का भी अवलोकन किया और उम्र संबंधित अर्हता प्राप्त युवक-युवतियों का रजिस्ट्रेशन कराए जाने का निदेश उप निर्वाचन पदाधिकारी को दिया गया। मौके पर पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी अरविंद कुमार लाल, उप निर्वाचन पदाधिकारी नारायण राम, भवन प्रमंडल के अभियंता समेत उपस्थित थे।

ट्रैक्टर से धान उतारने के दौरान करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

सिमडेगा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत बेन्दोजोर में ट्रैक्टर से धान उतारने के दौरान शनिवार को 11हजार ड्श्अ करंट की चपेट में आकर 24 वर्षीय युवक की हुई मौत। मृतक की पहचान करंजटोली निवासी सुभाष केरकेट्टा के रूप में हुई। बताया गया ट्रैक्टर हाइड्रोलिक के माध्यम से धान उतार रहा था इसी दौरान 11000 तार के संपर्क में आ गया और सुभाष उसे छू लिया जिसके बाद उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी अरविंद कुमार सदर अस्पताल पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को शव सौप दिया इधर परिवार वालों का रो रो कर बुरा हाल है। पंचायत के मुखिया ने कहा कि विभाग की लापरवाही के कारण आज एक बड़ा हादसा हो गया जब यहां पर बिजली की पोल झुकाव हो गई है इसके बावजूद अभी तक उसे ठीक नहीं किया गया जिसके कारण ट्रैक्टर की ट्रॉली में बिजली की करंट संपर्क में आ गया और आज एक व्यक्ति की मौत हो गई उन्होंने कहा है कि विभाग तत्काल इस मामले में पहल करते हुए तार को पर करें एवं पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दें।

बेड़ो थाना प्रभारी मनीष कुमार गुप्ता को ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने किया सम्मानित

बेड़ो। रांची के ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने बेड़ो थाना प्रभारी मनीष कुमार गुप्ता के उत्कृष्ट कार्य को लेकर शनिवार को प्रशस्ति पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया। पूर्व में बेड़ो थाना प्रभारी मनीष कुमार गुप्ता के नेतृत्व में कई ऐसे अपराध की योजनाओं की तैयारी कर रहे अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसके अलावा चोरी समेत लूटपाट के कांडों में सम्मिलित अपराधियों को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। वही क्षेत्र में शांति व्यवस्था माहौल कायम रखने को लेकर ग्रामीण एसपी के द्वारा बेड़ो थाना प्रभारी मनीष कुमार गुप्ता को सम्मानित किया गया।

सिमडेगा में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन, बोले प्रधान न्यायधीश

आपसी समझौता कर लोक अदालत का उठाएं लाभ

पांच वादों में पीड़ितों के बीच चेक वितरित

मौके पर मोटरयान दुर्घटना से संबंधित कुल 05 वादों में कुल 22,59,129 रुपए का चेक पीड़ितों के बीच वितरण किया गया। वही राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 45533 दीवानी एवं फौजदारी मामलों का निष्पादन किया गया। वन विभाग, उत्पाद विभाग, परिवहन विभाग, माइनिंग विभाग, बीएसएनएल, बिजली विभाग, प्ले कंजूमर फ्रॉम इत्यादि बेंच का गठन किया गया था। चालन, फाइन, ऋण कुल राजस्व 11254858 की वसूली हुई ।कार्यक्रम का संचालन सचिव, सिमडेगा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा किया गया। मौके पर कार्यक्रम में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सिमडेगा आनंद मणि त्रिपाठी, निबंधक मंजित साहू, समाज कल्याण पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद सिंह, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला बार एसोसिएशन सचिव संजय महतो, सजीव कुमार चौधरी एलडीएम सिमडेगा, अधिवक्तागण, विभिन्न विभाग के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में वादीगण उपस्थित थे।

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देशन में शनिवार को जिला विधिक सेवा के प्राधिकार के तत्वधान में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रिजवान अहमद, उपायुक्त आर. रॉनीटा, आरक्षी अधीक्षक सौरभ कुमार, अपर समाहर्ता अमरेन्द्र कुमार सिन्हा एवं जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बसंत कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 5 बेचों का गठन किया गया। उन्होंने वादीगण को राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व को समझाते हुए आपसी सुलह समझौता कर इस आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाने की बात कही तथा गठित 5 बेंचों से अधिक से अधिक मामलों का निष्पादन सुनिश्चित कराने की बात कही। उन्होंने बतलाया कि सुलह समझौते के आधार पर दीवानी एवं सुलहनीय फौजदारी मामलों का निष्पादन से पक्षकार सरल, सुलभ एवं सस्ता न्याय प्राप्त कर सकते हैं। न्यायालय पर मामलों का दबाव प्रतिदिन बढ़ता जाता है ऐसी स्थिति में लोक अदालत वैकल्पिक व्यवस्था है। इसके माध्यम से विभिन्न न्यायालयों में लंबित मामलों जैसे मोटरयान दुर्घटना मुआवजा मामले, विद्युत प्रकरण, श्रम प्रकरण, चेक अनादरण के मामले, पारिवारिक विवाद, भू- अर्जन संबंधित विवाद, ट्रैफिकिंग चालान से संबंधित मामले, वन विभाग से संबंधित मामले, भूमि अधिग्रहण, बैंक ऋण से संबंधित व जिला न्यायालय में प्रस्तुत होने वाली प्री लिटिगेशन मामले आदि को आपसी सुलह समझौता के माध्यम से निराकरण करने का प्रयास किया गया।

जिले के दो प्रखंडों में सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। शनिवार को जिले के 02 प्रखण्डों के पंचायतों में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार विशेष शिविर का आयोजन किया गया। ठेठईटांगर प्रखण्ड के दुमकी पंचयात एवं बानो प्रखण्ड के साहुबेड़ा पंचायत में पुनः विशेष शिविर का आयोजन कर 1939 आवेदन प्राप्त किया गया। 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम में पेंशन, राशन कार्ड के साथ आधार जोड़ना, नया ग्रीन कार्ड रजिस्ट्रेशन, सोना सोबरन धोती साड़ी लुंगी योजना, मनरेगा नया जॉब कार्ड, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, मनरेगा से तालाब निर्माण, व अन्य योजनाओं के तहत आमजनों के समस्याओं का ऑन द स्पॉट त्वरित निष्पादन कर लाभान्वित किया गया। ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण कर योजनाओं के लाभ उन्हें सहज रूप से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वारकार्यक्रम के तहत पंचायत स्तरीय शिविर का आयोजन कर लोगों की समस्याओं का ससमय निष्पादन किया जा रहा है। साथ ही सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से आमजनों को लाभान्वित कर उन्हें योजनाओं की पूर्ण जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम में मौके पर प्रखण्ड वरीय पदाधिकारी, विधायक प्रतिनिधि, जिला परिषद् सदस्य, मुखिया, प्रमुख, बीडीओ, सीओ एवं अन्य उपस्थित रहे।

सभी प्रखंडों में विधिक सेवा सशाक्तिकरण कैंप सह विकास मेला का आयोजन आज

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नयी दिल्ली के निर्देश पर तथा झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, लोहरदगा के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लोहरदगा द्वारा दिनांक 13.11.2022 को समय 10:30 बजे पूर्वाह्न से लोहरदगा जिले के सभी प्रखंड परिसर में असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के उत्थान, आदिवासियों के अधिकार एवं गरीबी उन्मूलन विषय पर *रविधिक सेवा सशाक्तिकरण कैंप-सह-विकास मेलाह* का आयोजन किया जाना है। विधिक सेवा सशक्तिकरण कैंप-सह-विकास मेला में विभिन्न विभागों जैसे श्रम विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कौशल विकास विभाग, सामाजिक सुरक्षा विभाग, मनरेगा एवं अन्य सरकारी विभागों की लाभकारी योजनाओं की सहयता लाभुकों में वितरित की जाएगी, जिसमें सभी विभाग अपनी योजनाओं के लाभों को वितरित करने के लिए अलग-अलग स्टॉल लगायेंगे। समाज कल्याण विभाग से संबंधित मामले जैसे - कल्याण, दान, व्हील चेयर, ट्रायसाईकिल, वैशाखी आदि, श्रम विभाग से संबंधित मामले जैसे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, श्रमिक और सहायता योजना, साईकिल सह यात्रा, सिलाई मशीन सहायता योजना, मेधावी पुत्र-पुत्री सहायता योजना, झारखंड निर्माण कर्मकार सहायता योजना, अंत्योष्टि सहायता योजना, परिवार पेंशन योजना, मत्स्य विभाग से संबंधित मामले व असंगठित क्षेत्र में मजदूरों को दिये जाने वाले लाभ मिलेंगे। इस संबंध में किसी प्रकार की विस्तृत जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस को पूर्वाह्न 10:30 बजे से 5:00 बजे अपराह्न तक व्यवहार न्यायालय, लोहरदगा स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लोहरदगा के कार्यालय मोबाइल नंबर 9431318932 में संपर्क किया जा सकता है।

नेहालु कपरिया में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन, बोले बीडीओ

अधिक संख्या में योजनाओं का लाभ उठाएं ग्रामीण

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। जागरूकता ही एक ऐसी कुंजी है, जिससे विकास के सारे द्वार खुलते हैं। जागरूक ग्रामीण गांव की तकदीर बदलते हैं। उक्त बातें बेड़ो प्रखंड के नेहालु कपरिया पंचायत में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्य अतिथि बीडीओ डॉ प्रवीण कुमार ने कहीं। उन्होंने प्रखंड के विभिन्न विभागों द्वारा चलाए जा रहे जन कल्याणकारी एवं विकास संबंधी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने पंचायत में वंचित वृद्धा पेंशन और विधवा पेंशन की उपस्थिति सभी लाभुकों का पेंशन स्वीकृत करते हुए उन्हें स्वीकृति पत्र प्रदान किया। साथ ही ग्रामीण से सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की बात कही। वहीं मौके पर सीओ सुमंत तिर्की ने अंचल द्वारा चलाए जा रहे जन कल्याणकारी योजना, जिसमें प्राकृतिक आपदा के तहत मानव क्षति, पशु क्षति, फसल क्षति, मकान क्षति, मुआवजा एवं जमीन संबंधी त्रुटि के सहित अन्य योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दिया। वहीं कार्यक्रम में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी संजय तिर्की, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अवनि कुमार झा, अंचल निरीक्षक भीखम कुमार, पशुपालन पदाधिकारी डॉ संजय उरांव, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सुनील कुमार केसरी, बेड़ो पूर्वी के जिला परिषद प्रतिनिधि जगन्नाथ भगत आदि ने अपने विचार रखे। इससे पूर्व कार्यक्रम स्थल में अतिथियों के आगमन पर अंबाटोली की सुमति कुमारी, रूपम कुमारी, सुमति मींज, पूनम कुमारी, फुलमनी कुमारी एवं इनकी सहयोगियों द्वारा नृत्य एवं गान के साथ शानदार स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों ने संयुक्त रूप दीप प्रज्वलित कर किया।

लोगों ने विभिन्न योजनाओं को लेकर दिया आवेदन

कार्यक्रम में वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन,दिव्यांग पेंशन, के कई आवेदन आए। जिसका तत्काल निष्पादन कर स्वीकृति पत्र लाभार्थी को बीडीओ एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा दिया गया। माताओं के लिए संचालित कार्यक्रम गोद भराई और मुंह जुठी की रस्म अदा की गई। कार्यक्रम के दौरान मनरेगा विभाग द्वारा जॉब कार्ड का वितरण, आपूर्ति विभाग द्वारा धोती साड़ी का वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुखिया वीरेंद्र भगत, पंचायत समिति सदस्य आशारानी पन्ना, उप मुखिया जितिया उरांव, पूर्व प्रमुख महतो भगत, मालती लकड़ा, रितु बिहान, गीता देवी, राजू महतो, अनीता उरांव, संदीप मींज, सदानंद गोसाई, रजनीगंधा उरांव, दावलेन तिग्गा, उमा देवी, सुंदरी देवी, मंजू देवी आदि मौजूद थे।

लापुंग के विभिन्न मतदान केंद्रों में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम आयोजित

मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए उत्साहित दिखे युवा

नवीन मेल संवाददाता

लापुंग। लापुंग प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों में सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी अविनाश पूर्णेन्दु की देखरेख में विशेष अभियान दिवस के पहले दिन विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत प्रपत्र छह, प्रपत्र सात व प्रपत्र आठ भरा गया। युवा वोटरों ने प्रपत्र छह भरकर मतदाता सूची में नाम दर्ज कराया। वहीं मतदाता सूची में सम्मिलित, मृत, स्थानांतरित, दोबारा प्रविष्टि, योग्यता नहीं रखने वाले मतदाताओं का नाम हटाने के लिए अलग अलग प्रपत्र सात भरा गया। इस दौरान मतदाताओं से दावा आपत्ति आवेदन प्राप्त किया गया। बीएलओ ने विशेष अभियान के तहत मतदान केंद्रों में लोगों को जागरूक भी किया और बताया कि मतदाता सूची में गलत नाम, उम्र, संबधी का नाम, फोटो पता आदि सुधार की दिशा में प्रपत्र 8 भरकर अशुद्धियों को दूर किया जा सकता है। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी अविनाश पूर्णेन्दु ने बताया कि युवा मतदाताओं खासकर 17 वर्ष या उससे अधिक उम्र के युवाओं को मतदाता सूची से जोड़ने को लेकर युवाओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है। शनिवार को अभियान के पहले दिन पर्यवेक्षक खिरोद कुमार मेहता, कुलदीप साहु तथा कंप्यूटर ऑपरेटर अमित कुमार सहित कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं इस मौके पर आरसी प्राथमिक विद्यालय कुरकुरिया मतदान केंद्र में अनिता रुण्डा और कांति तिर्की, राजकीय मध्य विद्यालय ककरिया में मनीषा जयसवाल, महावीर राम, राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय पोकटा में बीएलओ शिशिर मनी होरो तथा शीला देवी, उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय सरसा में रीता कुमारी, राजकीय प्राथमिक विद्यालय देवगांव में जतरू उरांव, राजकीय मध्य विद्यालय लापुंग में बसंती बागे और सीमा देवी, राजकीय प्राथमिक विद्यालय हुलसू में जूलयानी होरो और कलिस्ता बरला, राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय महुगांव खास में रंजीता कुमारी, पंचायत भवन नावाटोली में एमी लकड़ा, लतरातु में विश्वासी बाडा. सहित दर्जनों बीएलओ ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया और जागरूकता अभियान भी चलाया।

नरकोपी में सांसद के प्रयास से लगा नया ट्रांसफॉर्मर, लोगों में हर्ष

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के नरकोपी मण्डल अंतर्गत टिरिंगटोला गांव में बिजली की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने इसकी सूचना स्थानीय सांसद सुदर्शन भगत को लिखित तौर पर दिया गया था जिसके बाद गांव में नए 25 केवीए का ट्रांसफॉर्मर शुक्रवार को गांव में लग गया। गांव में ट्रांसफार्मर के लगने से ग्रामीणों ने स्थानीय सासद, प्रतिनिधि व विधुत विभाग सतीश कुमार शाह का धन्यवाद किया। मौके पर नरकोपी मंडल के अध्यक्ष सुखदेव कच्छप एवं मुखिया प्रतिनिधि कुलदीप उरांव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान कुमोद कुमार वर्मा, सांसद प्रतिनिधि स्वास्थ्य विभाग राजेश साहू, महामंत्री महावीर साहू, महामंत्री तरुण सिंह, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष जितेंद्र शाय, अचरज उरांव सहित अन्य मौजूद थे।

शहरी जलापूर्ति के लिए 112 करोड़ 29 लाख 82 हजार रु. की मिली स्वीकृति

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा के पहल पर शहरवासियों को अब पानी के लिए इधर उधर नहीं भटकना पड़ेगा। साथ ही गर्मी के दिनों में भी पानी की समस्या उतपन्न नहीं होगी। विधायक भूषण बाड़ा के मांग पर शहरी क्षेत्र के सभी घरों तक पाइपलाइन से जलापूर्ति करने की मांग को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार ने झारखंड कैबिनेट में स्वीकृति दे दी है। जिस पर विधायक भूषण बाड़ा सीएम हेमन्त सोरेन और झारखंड सरकार के प्रति आभार जताया है। विधायक ने बताया कि झारखंड कैबिनेट में केंद्र प्रायोजित योजना अटल नवीकरण एवं शहरी परिवर्तन मिशन 2.0 अंतर्गत शहरी जलापूर्ति परियोजना हेतु 11229.82 लाख रु. यानी 112 करोड़ 29 लाख 82 हजार रु. की स्वीकृति दी गई है। विधायक ने बताया कि शहरी क्षेत्र के हर घर तक पाइपलाइन से पानी पहुंचाने के लिए वे 20 मार्च 2021 को विधानसभा सत्र के शून?यकाल में जोरदार तरीके से आवाज उठाई थी। साथ ही मुख्यमंत्री और विभाग के सचिव को भी ज्ञापन सौंपते हुए समस्या को दूर करने की मांग की थी। विधायक ने सरकार को बताया था कि सिमडेगा जिले के शहरी क्षेत्र को नगर परिषद का दर्जा प्राप्त है। लेकिन शहर के आधी से भी अधिक आबादी के लिए पाईप लाईन के माध्यम से जलापूर्ति नहीं होती है। कुछ गिने चुने वार्ड में ही पाईपलाईन के माध्यम से पानी लोगों के घरों में पहुंचाया जाता है। जिन मुहल्ले में पाईपलाईन के माध्यम से पानी की सप्लाई नहीं होती है। उन मुहल्ले के ग्रामीण चापाकल और कुंआ के पानी पर निर्भर रहते हैं।

सिमडेगा पहुंचने पर कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी का हुआ भव्य स्वागत, बोले-

जितने भी षड्यंत्र रचे गये हैं अब उन विरोधियों का होगा खुलासा

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलकाता हाई कोर्ट से 3 महीने की प्रतिबंध झेलने के बाद कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी पहुंचे कोलेबिरा कार्यकताओं और समर्थकों ने किया जोरदार स्वागत।कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कौनगाड़ी के द्वारा कैश कांड में फंसने के बाद शनिवार को कोलेबिरा पहुंचे कोलेबिरा प्रखंड के अघरमा गांव में कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र के सभी प्रखंडों से आए हुए सैकड़ों विधायक समर्थकों के द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया गया विधायक समर्थकों ने उन्हें फूल मालाओं से लाद दी उनके कोलेबिरा पहुंचने पर समर्थकों के द्वारा जमकर पटाखे भी जलाए गए. अघरमा उनके पहुंचने पर उनके महिला समर्थकों के द्वारा प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया गया। तत्पश्चात विधायक के स्वागत में कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए उनके समर्थकों का काफिला विधायक के साथ कोलेबिरा देवनदी मोड़ पहुंची जहां पर विधायक के द्वारा स्वतंत्रता सेनानी तेलंगा खड़िया के मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया इस मौके पर उनके समर्थकों के द्वारा भी देवनदी मोड में भी उनका स्वागत किया गया। तेलंगा खड़िया की मूर्ति के माल्यार्पण के बाद उनका स्वागत कोलेबिरा वन विभाग के चेक नाका के समीप भी उनके समर्थकों के द्वारा उनका स्वागत किया गया तत्पश्चात ढोल नगाड़ा के साथ नाचते हुए उनके समर्थकों के साथ कोलेबिरा मार्केट कंपलेक्स पहुंचे जहां पर उनके द्वारा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया तत्पश्चात उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें एक षड्यंत्र के तहत फसाया गया है. किंतु मेरे अनुपस्थिति में मेरे विधानसभा क्षेत्र के जनता विरोधियों का डटकर मुकाबला किया मुझ पर पूरा विश्वास रखा मेरे विरोधियों के द्वारा पूरी जोर से बदनाम करने की कोशिश की गई जो पैसा बरामद हुआ था वह हमारा पैसा था मेरे विरोधियों के द्वारा सरकार मीडिया एवं अन्य संस्थाओं को हमारे खिलाफ गलत सूचना देकर सभी को गुमराह किया हमारे ऊपर सरकार गिराने का भी आरोप लगाया गया जो सरासर गलत है यह घटना सरकार गिराने के लिए बिल्कुल नहीं थी इस घटना के कारण सरकार बची. अब हम आ चुके हैं सारी सच्चाई जनता के सामने होगी कोलकाता हाई कोर्ट ने भी कहा जो पैसा बरामद हुआ है वह सरकार गिराने के लिए नहीं थे झारखंड हाईकोर्ट ने हमारे खिलाफ चार्जशीट पर रोक लगाई हुई है. लेकिन जो भी होता है अच्छे के लिए होता है हमें एक सीख मिली. उन्होंने आगे कहा कि मेरे अनुपस्थिति में आप लोगों ने जो अपनी सहनशीलता एवं एकता का परिचय दिया है मैं उसके लिए आप सभी को तहे दिल से धन्यवाद देता हूं मेरे ऊपर जितने भी षड्यंत्र रचे गए हैं उन विरोधियों का अब खुलासा होगा. तत्पश्चात उनके द्वारा कोलेबिरा रण बहादुर सिंह चौक परिसर में रण बहादुर सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया । इसके अलावा लचरागढ़ बानो जलडेगा ठेठईटांगर सिमडेगा सहित सभी जगहों पर विधायक का भव्य तरीके से स्वागत किया गया इस मौके पर मुख्य रूप से समी आलम, रावल लकड़ा, श्यामलाल प्रसाद, भागीरथी साहू ,रोज प्रतिमा सोरेग ,लूथर सुरीन सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बेड़ो में इंटर कॉलेज स्तरीय खो-खो चयन 2022 का आयोजन

बेड़ो। रांची विवि इंटर कॉलेज स्तरिये खो-खो चयन (ट्रायल) 2022 का आयोजन शनिवार को करमचंद भगत महाविद्यालय के द्वारा बेड़ो प्रखंड के जरिया नहर टोली स्थित ग्रीन पार्क स्टेडियम में किया गया। चयन प्रतियोगिता में 13 महाविद्यालय के 48 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सर्वप्रथम सभी महाविद्यालय के प्रतिभागियों से केसीबी कॉलेज के प्राचार्य डा अजीत कुमार ने परिचय की। उन्होंने टॉस कर खेल प्रारंभ करवाया। इस अवसर पर महाविद्यालय के खेल शिक्षक विकास कुमार सिन्हा, निरंजन कुमार, शुकुल कुमार मेहता उपस्थित थे। चयन प्रतियोगिता के दौरान अलग- अलग महाविद्यालयों से 15 छात्रों और 15 छात्राओं का चयन सूची बनाया गया। जिसमें 12 छात्रों और 12 छात्राएं टूनार्मेंट में भाग लेंगे।

न्यूज गैलरी

राज्य स्थापना दिवस पर होनेवाले जिला स्तरीय कार्यक्रम के मद्देनजर डीसी ने किया टाउन हॉल का निरीक्षण

रामगढ़। झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम के मद्देनजर शनिवार को उपायुक्त रामगढ़ माधवी मिश्रा ने छत्तरमांडू स्थित टाउन हॉल का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु टाउन हॉल में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लेते हुए विभिन्न विभागों द्वारा लगाए जाने वाले स्टॉल, लाभुकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ व उनके बीच परिसंपत्तियों का वितरण एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के संबंध में उप विकास आयुक्त नागेंद्र कुमार सिन्हा सहित उपस्थित अन्य अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिया। वहीं, उपायुक्त ने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों एवं कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अन्य महत्वपूर्ण विषयों के संबंध में कई निर्देश दिए। निरीक्षण के मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी सह नजारत उप समाहर्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, डीपीएम जेएसएलपीएस, सहायक अभियंता ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सहायक जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, डीएमएफटी टीम लीड एवं सदस्यों सहित अन्य उपस्थित थे।

महिलाओं ने सुख, शांति के लिए ग्रामदेवता को किया जलाभिषेक

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव के ग्राम देवता व मंदिर में महिलाओं ने शनिवार को जलाभिषेक करके पूरे गांव एवं क्षेत्र की सुख शांति और समृद्धि हेतु मन्नतें मांगी। मुख्य रूप से डाकडीह,नया डीह, बरकट्ठाडीह, अडवार, कौनझीया टांड, बरकट्ठीडीह के अलावे अन्य टोला के ग्रामीण महिलाओं ने देवी देवताओं के परिसर में जाकर जलाभिषेक किया। पुजारी श्रीकांत पांडेय का कहना है कि सामूहिक रूप से देवी मंडप में जलाभिषेक करने से क्षेत्र में सुख शांति बनी रहती है। कहा कि प्राचीन काल से ही देवी देवताओं को जलाभिषेक कर उन्हें प्रसन्न करने की हमारी परंपरा रही है। इसी के तहत आज महिलाओं ने ग्राम देवता समेत मंदिरों में जलाभिषेक का कार्य किया है। मौके पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित थी।

विद्युत विभाग ने बकायेदारों का कनेक्शन काटा, चार पर मामला दर्ज

बरकट्ठा। गोरहर थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में बिजली विभाग के कर्मियों द्वारा बकाएदारों का कनेक्शन काट कर चार लोंगो पर गोरहर थाना में मामला दर्ज किया हैं। जिसमें उत्तम नायक पिता परमेश्वर नायक,बीरेंद्र रविदास पिता जयराम रविदास,महेश नायक पिता मोहन नायक, प्रयाग नायक पिता रूपलाल नायक शामिल हैं। कनिय अभियंता धनन्जय प्रसाद ने बताया कि अधिक बिजली बिल बकाया होने के कारण कनेक्शन काट कर थाना में मामला दर्ज कराई गई है। उन्होंने यह भी कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगी।

नीट की परीक्षा में अनुराग आनंद का झारखंड में 25वां रैंक, रिम्स में मिला दाखिला

बरही। कहते है प्रतिभा को पहचान की आवश्यकता नही है। ऐसा ही वाकया भंडारों पंचायत के बेहराबाद निवासी आरएनवाईएम के प्रो डॉ ब्रह्मदेव मोदी के पुत्र अनुराग आनंद पर फीट बैठता है। जो पहले ही प्रयास में नीट जेआरएफ में सफलता हासिल कर झारखंड में 25वाँ स्थान प्राप्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के इस युवा ने इंटर विज्ञान प्लस टू उच्च विद्यालय बरही से किया। इसके बाद नीट की तैयारी में जुट गए और अपने पहले प्रयास में सफलता प्राप्त कर अपने परिवार सहित पूरे क्षेत्र का नाम रौशन किया है। इनका नामांकन राज्य के रिम्स मेडिकल कॉलेज रांची में हो चुका है। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि ईमानदारी से लक्ष्य बनाकर किया गया प्रयास कभी भी जाया नही जाता है। इनकी सफलता पर इनके माता पिता सहित शुभेच्छुओ ने शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी है।

तिलेश्वर साहू सेना ने पदमा पंचायत कोर कमिटी का किया गठन

बरही। तिलेश्वर साहू सेना के केंद्रीय अध्यक्ष अरुण साहू की अध्यक्षता में एन एच 33 (हजारीबाग रोड) स्थित विनय लाइन होटल में सेना की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें पदमा प्रखंड से संगठन के कई वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मौके पर सर्वसम्मति से संगठन विस्तार और मजबूती हेतू पदमा प्रखंड कोर कमिटी का गठन किया गया। कोर कमेटी में त्रिवेणी महतो को प्रखंड प्रभारी, गौतम चंद्रवंशी को अध्यक्ष, कारू मेहता को उपाध्यक्ष, बंगाली मेहता, सुशील जयसवाल, उपाध्यक्ष, ब्रह्मदेव रविदास को उपाध्यक्ष, अशोक भुइयां को और महेश मेहता को सचिव तथा खुर्शीद वारसी को प्रवक्ता मनोनीत किया गया। केंद्रीय अध्यक्ष ने सभी नवनिर्वाचित कोर कमिटी के सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए पदमा के प्रत्येक पंचायत में संगठन के मूल विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का अपील किया। बैठक में बरही प्रखंड अध्यक्ष संतोष रजवार, प्रखंड प्रधान महासचिव विष्णुधारी महतो, प्रकाश विश्वकर्मा, गोविंद मेहता, करण ओझा, अनिल शर्मा, बंगाली मेहता, कारू मेहता, ननकु मेहता इत्यादि दर्जनों लोग मौजूद थे।

सवित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना को लेकर शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

सभी शिक्षकों को निर्देश, पात्रता रखनेवाले बच्चियों का आवेदन कराना सुनिश्चित करेंगे

नवीन मेल संवाददाता

कोडरमा। परियोजना बालिका उच्च विद्यालय कोडरमा के सभागार में उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सवित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना व स्कूलों में विकास बदलाव लाने हेतु शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपायुक्त आदित्य रंजन ने झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सवित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के बारे में सभी शिक्षकों को जानकारी देते हुए बच्चियों को इस योजना से आच्छादित करने को कहा। उन्होंने सभी शिक्षकों को निर्देश दिया की पात्रता रखने वाले सभी बच्चियों का आवेदन कराना सुनिश्चित करेंगे। उपायुक्त ने सभी शिक्षकों को स्कूल का संस्थागत विकास के साथ-साथ स्कूल की मूलभूत सुविधाएं बेहतर करने का निर्देश दिया ताकि स्कूल में बच्चों का बेहतर शिक्षा का वातावरण स्थापित हो। मौके पर जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी मरकच्चो गिरेंद्र टुटी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी जयनगर सारांश जैन, एडीपीओ शिव मल्लिक, ईडीएम राजदेव महतो व अन्य मौजूद रहे।

झारखंड जेनरल मजदूर यूनियन शाखा केटीपीएस की हुई बैठक

नवीन मेल संवाददाता

जयनगर। झारखंड जेनरल मजदूर यूनियन शाखा केटीपीएस बांझेडीह के नेतृत्व में डीवीसी केटीपीएस बांझेडीह में मेंटेनेंस और सिविल कार्य कर रहे मजदूरों की बैठक एडीएम बिल्डिंग के प्रांगण में किया गया। बैठक की अध्यक्षता छोटू यादव व संचालन बहादुर यादव ने किया। यूनियन सचिव विजय पासवान ने कहा कि 1अप्रैल 2021 से लेकर सितम्बर 2022 तक बढ़े हुए न्यूनतम मजदूरी का एरियर भुगतान डीवीसी और कम्पनी के द्वारा अभी तक नही किया गया है। इसे अविलंब नही किया गया तो यूनियन आंदोलन करने को बाध्य होगी साथ ही साथ सभी कम्पनी में नाइट एलावेंश अविलंब लागू किया जाए। छोटू यादव ने कहा कि डीवीसी केटीपीएस बांझेडीह के मेन गेट के बगल बने मोटरसाइकिल स्टैंड से मोटरसाइकिल चोरी हुए लगभग 10 दिन बिताने के बाद भी अभी तक कोई पता नही चल सका है। बिनोद पासवान ने कहा कि डीवीसी केटीपीएस बांझेडीह में कार्य कर रहे मजदूरों का मोटरसाइकिल गेटपास रेनुअल नही किया जा रहा है जबकि शुरू से ही प्लांट में मोटरसाइकिल गेट पास बनाया जाता रहा है। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अगर डीवीसी 28 नवंबर तक एरियर और अन्य मांगों को पूरा नहीं किया गया तो यूनियन के नेतृत्व में प्लांट को ठप किया जाएगा। बैठक में शामिल दिलीप पासवान, उमाशंकर पासवान, नरेश साव, इस्लाम अंसारी, केदार यादव, सहदेव साव, पंकज पासवान, जितेन्द्र पासवान, संतोष पासवान, महेश साव, सकलदेव पासवान, बहादुर यादव, रियासत अंसारी, मोहम्मद हनीफ सुरज यादव, भोला पासवान, कयुम अंसारी, दिलीप कुमार राणा, सुरज कुमार, सुरेश यादव उपस्थित थे।

बिहार ले जा रहे 19 पेटी शराब के साथ स्कॉर्पियो जब्त, तीन युवक पकड़े गये

नवीन मेल संवाददाता

कोडरमा। कोडरमा थाना अंतर्गत इंदरवा के पास बीती रात 11 बजे शराब लदा स्कॉर्पियो संख्या जेएच 12एम 8721 को जब्त किया गया जिसमें विभिन्न ब्रांडो के 19 पेटी शराब पाया गया। मौके पर पहुंची कोडरमा पुलिस ने उक्त वाहन में सवार तीन लोगों को पकड़ा है, जिन्हें थाना लाकर आवश्यक पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार एसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कोडरमा थाना प्रभारी के नेतृत्व में इंदरवा के पास से शराब लदे स्कॉर्पियो को जब्त किया गया। इस मामले में 3 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इनमें प्रवीण कुमार राणा, रामाशीष राणा (दोनों के पिता सीताराम राणा, आदर्श मोहल्ला गिरिडिह रोड) और मुकेश कुमार यादव (पिता रामचंद्र यादव, झरीटांड़ इंदरवा) के नाम शामिल हैं। पुलिस को मिली सूचना के अनुसार रात में इंदरवा वाइन शॉप से शराब लोड करके बिहार की तरफ जाने वाले थे। सूचना मिलने के बाद कोडरमा थाना प्रभारी इंदु भूषण प्रसाद ने पहुंचकर गाड़ी को जब्त किया और तीनों को हिरासत में लिया।

1932 खतियान लागू होने पर जेएमएम कार्यकर्ताओं ने निकाला जुलूस

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। जेएमएम और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा 1932 खतियान लागू किये जाने पर बरकट्ठा ब्लॉक परिसर से बाजार चौक तक जुलूस निकालकर एक दूसरे को बधाई दी तथा मिठाई खिलाया। इस दौरान जेएमएम नेता श्याम यादव ने कहा, झारखंड सरकार लगातार झारखंडियों के लिए अच्छे कार्य कर रही है। इनके कार्यों को देखते हुए भाजपा वाले घबरा गए हैं और अनर्गल बयान देते हैं। झारखंड को अलग करने में शिबू सोरेन का अहम योगदान है और अब उनके पुत्र हेमंत सोरेन के द्वारा 1932 के खतियान लागू कर समस्त झारखंडियों को एक तोहफा दिया है। वही इस नीति के लागू होने से थर्ड ग्रेड और फोर्थ ग्रेड में झारखंडियों का ही बहाली होगा जिससे यहां के लोग बेरोजगार नहीं रहेंगे। वही गैड़ा मुखिया प्रतिनिधि श्याम प्रसाद ने कहा जेएमएम की सरकार माटी की सरकार है और यह लगातार झारखंडियों के हित में कार्य करते आ रही है। कार्यक्रम में राज्य स्तरीय सदस्य वासुदेव यादव, जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष कुदुस अंसारी, जिला मीडिया प्रभारी प्रमोद गुप्ता, उप मुखिया चंद्रदीप पांडेय, भारत जकात मांझी परगना महाल के अध्यक्ष रामजी बेसरा, सचिव मनोज मुर्मू, मणिलाल सोरेन, सुरेश बासके, दासो मुर्मू, श्यामलाल बासके, निजाम अंसारी समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

दो दिनों से लापता युवती का शव कुएं से बरामद, हत्या की आशंका

कोडरमा। जिले के डोमचांच में एक कुएं से नाबालिग युवती का शव बरामद हुआ है। बताया जा रहा है कि 17 वर्षीया नाबालिग युवती पिछले दो दिनों से लापता थी। शुक्रवार की देर शाम जानवर चराने गये बच्चे ने कुएं में तैरता हुआ शव देखा। उसने इसकी जानकारी गांववालों को दी। गांव वाले कुएं के पास पहुंचे तो पाया कि एक लड़की का शव कुएं में तैर रहा है। गांव वालों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर डोमचांच थाना के एसआई संजय कुमार शर्मा, एएसआई सीडी सिंह घटनास्थल पहुंचे और ग्रामीणों के सहयोग से शव को कुएं से निकाला गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों ने बताया कि नाबालिग का गांव के ही एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। वहीं वह पिछले दो दिनों से लापता थी। गांव वालों ने हत्या की आशंका जतायी है। वहीं पुलिस हत्या या आत्महत्या, इसकी जांच कर रही है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए एसडीओ ने की बैठक, दिये कई आवश्यक निर्देश

13, 19 और 20 दिसंबर को मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए विशेष अभियान

नवीन मेल संवाददाता

बरही। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य प्रारंभ हो चुका है। इसे लेकर प्रखंड सभागार में एसडीओ पूनम कुजुर ने प्रखंड के सभी बीएलओ व पर्यवेक्षकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक किया। उपस्थित लोगो को जानकारी देते हुए बताया की मतदाता सूची के प्रारूप का प्रखंड कार्यालय में उपलब्ध है। जिसकी सहायता से मतदाताओं के द्वारा किसी भी प्रकार के आपत्ति जैसे नाम, उम्र, मतदान केंद्र में सुधार अथवा स्थानांतरण के कार्य आदि में सुधार किया जाना है। उन्होंने सभी बीएलओ और पर्यवेक्षक को अपने क्षेत्र के मतदाताओं की सूची को अपडेट करने हेतु आवश्यक प्रपत्र भरने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार 9 अक्तूबर को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित किया जा चुका है। किसी भी प्रकार के त्रुटि हेतु मतदाता आगामी 8 दिसंबर तक अपना आपत्ति दर्ज करवा सकते है। 12,13,19 और 20 दिसंबर को मतदाता सूची पुनरीक्षण हेतु विशेष अभियान चलाए जाएंगे। 26 दिसंबर तक सभी दावे का निष्पादन करते हुए 5 जनवरी 2023 को नई मतदाता सूची का अंतिम रूप से प्रकाशन कर दिया जाएगा। किसी भी प्रकार की त्रुटि या सुधार के लिए मतदाता बीएलओ या आयोग के पोर्टल पर निर्धारित प्रपत्र के साथ ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। इसके लिए नए मतदाता भी नामांकन के लिए प्रपत्र 6, प्रवासी मतदाता 6(क), नाम विलोपन हेतु प्रपत्र 7 और स्थानांतरण हेतु प्रपत्र 8 निर्धारित है। विशेष जानकारी के लिए प्रखंड निर्वाचन कार्यालय या बीएलओ से संपर्क कर सकते हैं। बैठक में जेपीएस सवाना मांझी सहित प्रखंड के कई पर्यवेक्षक और बीएलओ मौजूद थे।

रानीचुआं के जनता दरबार में 530 मामले में तत्काल 79 निष्पादित, 451 प्रक्रियाधीन

- विधायक ने लाखों रुपये के ऋण सहित कई योजनाओं की स्वीकृति पत्र का किया वितरण

नवीन मेल संवाददाता

बरही। शनिवार को रानीचुआ पंचायत में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में कुल 530 मामले आए, जिसमे 79 का निष्पादन और 451 मामले प्रक्रियाधीन रहे। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि विधायक उमाशंकर अकेला के द्वारा 150 असहायों के बीच कंबल, एक सखी मंडल को जेएसएलपी प्रदत डेढ़ लाख की राशि का सीसीएल ऋण और रानीचुआ कुरहरिया, कुटमा, जीतपुर के महिला ग्राम संगठन के बीच स्वरोजगार हेतु प्रति संगठन एक लाख रूपया के चेक दिए गए। शिविर में नीलांबर पीताम्बर जल समृद्धि योजना के तहत 6 योजनाओ का चयन किया गया। साथ ही फूलो झानो आशीर्वाद योजना के तहत वीणा सोरेन को 50,000 रुपए के सहयोग राशि का चेक भी दिया गया। बाल विकास परियोजना के द्वारा सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के अन्तर्गत 15 बच्चियों को स्वीकृति पत्र भी दिए गए। मनरेगा के तहत शिवराम किस्कू के जमीन पर 447421.39 रुपए की लागत से कूप निर्माण का हेतु स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। विधायक ने कार्यक्रम के उद्देश्यों को बताते हुए सरकार के विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। इस अवसर पर जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, विस विधायक प्रतिनिधि छठु गोप, प्रखंड विधायक प्रतिनिधि सुनील साहू , प्रखंड प्रमुख मनोज रजक, मुखिया मूर्ति देवी, बीडीओ क्रिस्टीना रिचा इंदवार, सीओ अरविंद देवाशीष टोप्पो, बीपीओ, बीपीएम, आदि सहित कई जनप्रतिनिधि और प्रखंड सह अंचला के कर्मी उपस्थिति थे। शिविर में दर्जनों विभागीय स्टाल लगाए गए थे । मौके पर एसडीओ पूनम कुजुर के द्वारा सभी स्टॉल का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कई आवश्यक निर्देश भी दिए।

आधी आबादी की शक्ति से संगठन होगा सशक्त : राजेश महतो

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नं 27 के पटेल डीएवी स्कूल गोबरदरहा में आजसू महिला मोर्चा कमेटी का शनिवार को गठन हुआ। कमेटी गठन में बतौर मुख्य अतिथि रामगढ़ नगर परिषद के अध्यक्ष युगेश बेदिया व विशिष्ट अतिथि नगर परिषद उपाध्यक्ष मनोज कुमार महतो, वार्ड पार्षद 27 रोशन कुमार, रामगढ़ नगर परिषद कमेटी अध्यक्ष राजेश महतो, सचिव राजेंद्र महतो, कार्यकारी अध्यक्ष हरेश राय, महासचिव छोटू पटेल, उपाध्याय डिया महतो, अल्पसंख्यक महासभा के सचिव शोले अंसारी, उपाध्यक्ष अख्तर अंसारी उपस्थित हुए। कमेटी गठन बैठक की अध्यक्षता वार्ड अध्यक्ष राजेश महतो व संचालन आजसू छात्र संघ के नगर परिषद अध्यक्ष मनोज कुमार ने किया। बैठक में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि रामगढ़ नगर परिषद अध्यक्ष युगेश बेदिया ने कहा कि महिला मोर्चा के गठन होने से पार्टी की नीति सिद्धांत जन जन तक पहुंचेगी। पार्टी को मजबूती मिलेगी। उपाध्यक्ष मनोज कुमार महतो ने कहा कि महिला मोर्चा में योग्य और सक्रिय सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन में महिलाओं की सक्रियता से सांगठनिक कार्यों को गति मिलेगी। पार्टी लोगों तक और लोग पार्टी से जुड़ेंगे, आजसू पार्टी का जनाधार बढ़ेगा। वहीं, रामगढ़ नगर परिषद कमेटी अध्यक्ष राजेश महतो ने कहा कि गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, बड़कागांव विधानसभा प्रभारी रौशनलाल चौधरी, रामगढ़ विधानसभा प्रभारी सुनीता चौधरी, मांडू विधानसभा प्रभारी तिवारी महतो के निर्देश पर रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के सभी वार्डो में महिला मोर्चा कमेटी का गठन किया जा रहा है। महिला मोर्चा कमेटी गठन होने से महिलाओं में राजनीतिक और सामाजिक विषयों को लेकर जागरूकता आएगी। आधी आबादी की शक्ति से संगठन सशक्त होगा। आजसू पार्टी अपने लक्ष्य को प्राप्त करेगी। कमेटी में अध्यक्ष जयंती देवी, सचिव हेमा कुमारी, कार्यकारी अध्यक्ष बालों देवी, कोषाध्यक्ष ललिता देवी, उपाध्यक्ष सुषमा देवी, कामनी देवी, सुषमा देवी, सह सचिव पायल देवी, बबीता कुमारी, सक्रिय सदस्य मंजू देवी, वीणा देवी, रेखा देवी, सरिता देवी, किरण कुमारी, सुनीता देवी, सोनी कुमारी, बाजू देवी, पानो देवी, रीता देवी को बनाया गया। मौके पर मुख्य रूप से वार्ड सचिव पूरण महतो, निरंजन महतो विकास कुमार, आकाश कुमार, अरुण महतो, भोला महतो, अरविंद कुमार नरेश महतो झम्मन करमाली संजू देवी, लीला देवी, हुलसी देवी, सावित्री देवी, सुलेखा देवी, मालती देवी, ललिता देवी, संगीता देवी सहित अन्य मौजूद थे।

रेन्बो ने एसडीजीएम को दो विकेट से किया पराजित, संदीप बने 'मैन ऑफ द मैच'

नवीन मेल संवाददाता

बरही। शिवपुर (गडलाही) स्थित रेनबो विद्यालय के मैदान में आयोजित फ्रेंडली क्रिकेट प्रतियोगिता में रोमांचक मुकाबले के बीच रेनबो स्कूल की टीम ने एसडीजीएम बरही की टीम को दो विकेट से पराजित कर दिया । टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी एसडीजीएम बरही की टीम ने निर्धारित 15 ओवरों में 14.4 ओवर की समाप्ति पर टोटल विकेट खोकर कुल 80 रन बनाया। जवाबी पारी खेलते हुए मेजबान टीम ने मात्र 12.4 ओवर में 8 विकेट खोकर विजय का लक्ष्य प्राप्त कर लिया। मैच में रेनबो के संदीप कुमार ने 3 ओवरो में 6 रन देकर सर्वाधिक 5 विकेट लिये। जिन्हे मैन ऑफ द मैच चुना गया। विजेता व उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि मेहमान विद्यालय के निदेशक महेश गुरनानी, प्रधानाचार्य मनोज कुमार और मेजबान विद्यालय के निदेशक सिकन्दर प्रसाद कुशवाहा ने संयुक्त रूप से ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। मौके पर सोनू सिंह, निरंजन कुशवाहा, ताहिरा प्रवीण, श्रुति शुभम, पंचम पांडेय, गौरी शंकर, राजेश यादव, प्रवीण कुमार, संकेश कुमार, नरेश यादव, रंजीत कुमार, पूजा दुबे, रिंकी कुमारी, रिफ्फत प्रवीण, सुधा कुमारी, उषा कुमारी, सरिता कुमारी, प्रीति कुमारी, खुशबू कुमारी, रौशनी कुमारी आदि उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

नगर परिषद क्षेत्र में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

लोहरदगा। नगर क्षेत्र के विज्ञान भवन के समीप में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सरकार द्वारा जारी योजनाओं से लोगों को अवगत कराया। वार्ड सात एवं आठ के लोगों की समस्याओं का निपटारा भी किया गया। शिविर में उपस्थित वार्ड 8 की पार्षद अविनाश कौर ने कहा की नगर परिषद आपकी सेवा में तत्पर है और सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का हम लोग कार्य कर रहे हैं। वही नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी देवेंद्र कुमार ने कहा कि सभी वार्डों में इस तरह का आयोजन करके जनता की समस्याओं का तत्काल निपटारा करने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर सिटी मैनेजर विजय कुमार सहित नगर परिषद के तमाम कर्मचारी उपस्थित थे। कैंप में आवास योजना सहित विभिन्न योजनाओं और पेंशन संबंधित आवेदन लिए गए और सैकड़ों लोगों के बीच कंबल का भी वितरण किया गया।

अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ बानो ने तोरपा विधायक को सौंपा ज्ञापन

बानो। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ बानो प्रखंड के प्रति मंडल के द्वारा शनिवार को तोरपा विधायक कोचे मुण्डा को अपनी 4 सूत्री मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौप अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ बानो प्रखंड के अध्यक्ष किशोर कुमार सिंह के नेतृत्व में जिला अध्यक्ष प्रेम कुमार शर्मा एवं महासचिव संजय कुमार के संरक्षण में बानो के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं के द्वारा मांग पत्र सौंपा गया। मांग उन्होंने विधायक को बताया गया की एमएसीपी हमे एमएसीपी की स्वीकृति दी जाय। उतक्रमित वेतन विसंगति में सुधार की जाय। अंतर जिला स्थानांतरण नियमावली संसोधन कर सभी को अंतर जिला स्थानांतरण किया जाय।गैर शैक्षणिक कार्य से मुक्त किया जाए। मांग पत्र सौंपने में शिक्षक प्रेम प्यारे लाल, जगतमणि वैद, दिनेश बड़ाईक, शिवसागर यादव, किशोर प्रसाद, केदारनाथ सिंह, दिलीप प्रसाद आदि शिक्षक उपस्थित थे।

जलडेगा का यह दिव्यांग, ट्राई साइकिल के लिए खा रहा है दर-दर की ठोकर

जलडेगा। प्रखंड के तुरतुरिया टोली निवासी सोमा कोनगाड़ी पिता स्व सुरेश कोनगाड़ी एक पैर से दिव्यांग है। जो पिछले 10 वर्षों से ट्राई साइकिल के लिए दर-दर की ठोकर खाने को विवश है। शनिवार को अपने 3 छोटे-छोटे बच्चों को साथ लेकर इलाज के लिए जलडेगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आए सोमा कोनगाड़ी पर जब हमारी नजर पड़ी तब हमने उससे बात चीत कर उसकी दिव्यंगता का कारण पूछा। दिव्यांग सोमा कोनगाड़ी ने बताया कि लगभग 15 वर्ष पहले वो बानो स्टेशन से दिल्ली जा रहा था लेकिन बानो स्टेशन में में लाइन पार करते वक्त उसका एक पैर कट गया था। उस समय से वो लाठी के सहारे चलता है। यही नहीं उसने कहा की लगभग 10 वर्ष पूर्व उसे एक बैसाखी मिला था लेकिन उसका कोई लाभ नहीं हुआ, काफी ऊंचा होने के कारण वो बैसाखी ऐसे ही पड़ा रह गया। उस समय सोमा ने बैसाखी के जगह ट्राई साइकिल की मांग की थी लेकिन उसे नही दिया गया। तब से लेकर आज तक सोमा ने कई बार अलग अलग आयोजित शिविरों में ट्राई साइकिल के लिए आवेदन दिया परंतु उसकी ओर आज तक किसी भी अधिकारी ने अपनी नजरें इनायत नही की। सोमा के चार छोटे-छोटे बच्चे और उसकी पत्नी किसी तरह गुजर बसर करते हैं। सोमा ने प्रखंड प्रशासन से एक ट्राई साइकिल की मांग की है।

सूरज अग्रवाल झारखंड संवेदक संघ लोहरदगा के जिलाध्यक्ष निर्वाचित

लोहरदगा। झारखंड संवेदक संघ लोहरदगा का संवेदक संघ का चुनाव लोहरदगा समाहरणालय मैदान के सामने लिप्टस बागान में मुख्य चुनाव प्रभारी निधि कांत प्रसाद एवं 7 चुनाव प्रभारियों शाहिद अंसारी, जफर इकबाल,मनोज साहू, बैजनाथ शाहदेव, खालिक हुसैन,समीम खान,ओम गुप्ता की उपस्थिति में संपन्न हुई। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए चार उम्मीदवार सूरज अग्रवाल 30 मत,जाहिद अंसारी 27 मत, राजकिशोर महतो 14 मत, एवं जहांगीर आलम को 13 मत प्राप्त हुआ जिसमें 3 मतों से सूरज अग्रवाल विजय घोषित किए गए सचिव पद के उम्मीदवार भिगुर्नदन तिवारी निर्विरोध चुने गए एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए दो उम्मीदवार भैया मनोज लाल को 57 मत एवं इस्तियाक आलम को 27 मत प्राप्त हुआ है साथ ही उपाध्यक्ष के 2 पदों के दोनों पद पर निर्विरोध अजहर इकबाल एवं प्रेमचंद साहू व सह सचिव राजू गुप्ता एवं बिहारी भगत चुने गए इसके साथ अन्य कमेटी का घोषणा बहुत ही जल्द बैठक कर कमेटी का गठन कर दिया जाएगा सभी निर्वाचित पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण किया और कहा कि संवेदक हित में हम सभी निष्ठा पूर्वक अपना कार्य करेंगे।

सिमडेगा विस क्षेत्र के पालकोट में निकली कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो पदयात्रा

भारत जोड़ो पदयात्रा से देश हो रहा है एकजुट और मजबूत : भूषण बाड़ा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। प्रखंड अध्यक्ष विकास कुमार गुप्ता के नेतृत्व में शनिवार सिमडेगा विस क्षेत्र के पालकोट में कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा में सिमडेगा के युवा विधायक भूषण बाड़ा, पूर्व सांसद प्रत्यासी काली चरण मुंडा, जिप सदस्य जोसिमा खाखा सहित हजारों कांग्रेसी और आम जनता शामिल हुए। मौके पर विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा देश को एकजुट करने, लोगों को एक साथ लाने और देश को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की है। यह पदयात्रा में माननीय श्री राहुल गांधी ने जनता की समस्या जानने और देश को एकजुट करने के लिए 150 दिन पैदल चलने का संकल्प लिया है। इस पद यात्रा में न सिर्फ कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता शामिल हो रहे हैं बल्कि देशभर के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़ी हस्तियां भी हिस्सा ले रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महंगाई पर रोक लगाने के लिए बड़े-बड़े वादे किए और आज मुकर गए हैं। देश में महंगाई चरम पर पहुंच गई है। कई लोगों की नौकरियां चली गई है। लोगों की आमदनी कम हो गई हैं और खर्च में काफी बढ़ोतरी हो गई है। बच्चों को पढ़ाने के खर्च से लेकर घर चलाने तक की सारी सामग्री के दामों में बढ़ोतरी हो गई है। पर केंद्र सरकार को इससे कोई लेना-देना नहीं है। अब वक्त आ गया है कि मोदी सरकार को देश से उखाड़ फेंकने का। इसलिए सभी एकजुट हों और कोंग्रेस के इस पदयात्रा में शामिल होकर कांग्रेस का साथ दें। विधायक ने राज्य सरकार के 1932 खतियान विधेयक पारित करने, ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी देने के फैसले को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन के शासनकाल में राज्य के हर वर्ग के लोगों के चेहरे पर मुस्कान है। सरकार लगातार कल्याणकारी फैसले ले रही है, जो भाजपा को नहीं पच रहा है। यही कारण है कि भाजपा संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर पिछले दरवाजे से सत्ता हथियाना चाहती है।

केंद्र सरकार की गलत नीति से परेशान है आम जनता : काली चरण मुंडा

पूर्व सांसद प्रत्यासी काली चरण मुंडा ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत नीति के कारण महंगाई से हर रोज जनता त्राहिमाम कर रही है। सभी प्रकार के चीजों के दामों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। मोदी की गलत नीति के कारण ही अमीर और अमीर होते जा रहे हैं तथा गरीब और गरीब होते जा रहे हैं। देश में लोगों की नौकरियां खतरे पर पड़ गई है। उन्होंने कहा कि आज देश मे भाजपा केंद्रीय एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर रही है। जहां भाजपा सत्ता से बाहर है, वहीं पर ईडी कार्रवाई कर रही है।

भाजपा के गलत नीति से तबाह है देश की आम जनता : जोसिमा खाखा

वहीं जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने कहा कि भाजपा के गलत नीति को अवगत कराने के लिए कांग्रेस ने पदयात्रा कार्यक्रम शुरू किया है। इसके माध्यम से आम जनता भाजपा के गलत नीति से अवगत होंगे। भाजपा के गलत नीति से देश की आम जनता तबाह है। समय की भी अब मांग है देश मे सत्ता परिवर्तन की। भाजपा को उखाड़ फेंकने की। आने वाले 2024 के चुनाव में देश से भाजपा को जनता भगाने का काम करेगी। आज मुख्यमंत्री माननीय श्री हेमन्त सोरेन एक से एक ऐतिहासिक और साहसिक कार्य कर रहे हैं। महागठबंधन की सरकार ने 1932 खतियान के आधार पर स्थानीयता परिभाषित हम झारखंड के आदिवासियों को के अधिकारों की रक्षा करने का काम किया है। सत्ता और संसाधनों में उनकी भागीदारी देने का काम किया है। इस ऐतिहासिक एवं बहुप्रतीक्षित निर्णय के लिए प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम बधाई के पात्र हैं। महागठबंधन सरकार के कार्य को देख हतोत्साहित हो चुकी भाजपा अब ईडी से समन जारी करवा रहा है। महागठबंधन के विधायकों के घर आयकर का छापा मरवा कर डरवाया जा रहा है। भारत जोड़ो पदयात्रा में हजारों की संख्या में कांग्रेस के नेता, कार्यकर्ता और आम जनता भी शामिल हुए थे। सभी गगनचुंबी नारों के साथ पैदल यात्रा शुरू कर भाजपा के जन विरोधी नीतियों से लोगों को बताने का प्रयास किया।मौके पर पालकोट प्रखंड में प्रखंड अध्यक्ष विकास कुमार गुप्ता, पूर्व सांसद प्रत्याशी कालीचरण मुंडा,रमेश चीनी चैतू उरांव,बसंत कुमार गुप्ता, बसंत सिंह, 20 सूत्री उपाध्यक्ष मनोज जयसवाल,जिला प्रवक्ता रणधीर रंजन,विधायक प्रतिनिधि अख्तर खान,विधायक प्रतिनिधि गुड्डू खान, पूर्ण प्रखंड अध्यक्ष अजीत लकड़ा,पूर्ण प्रखंड अध्यक्ष डेविड तिर्की, उप प्रमुख सिबेश्टर बघवार,मुखिया नेलसन सोरेंग, विधि व्यवस्था बनाए रखने में थाना प्रभारी अनिल लिंडा दल बल के साथ मुस्तैद रहे।

कैरो में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

कैरो / लोहरदगा। प्रखंड मुख्यालय परिसर में शनिवार को कैरो पंचायत का पंचायत स्तरीय आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि कैरो जिला परिषद सदस्य सुखदेव उरांव, प्रखंड प्रमुख श्रीराम उरांव, उप प्रमुख मधुलिका रानी, प्रखंड विकास पदाधिकारी पवन कुमार महतो, अंचलाधिकारी कमलेश उरांव, प्रखंड बीससूत्री अध्यक्ष अनीश अहमद खान, उवाध्यक्ष बुधवा उरांव समेत अन्य अतिथियों द्वारा दिप प्रज्ज्वलित कर किया गया वहीं जे एस एल पी एस के द्वारा बुके देकर अतिथियों का स्वागत किया गया। मौके पर जिला परिषद सदस्य सुखदेव उरांव ने कहा कि झारखंड सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया जा रहा है लोग सरकार के योजनाओं का लाभ लें विकास की रफ्तार को गति प्रदान करें। कहा कि प्रखण्ड अंचल के पदाधिकारी, कर्मी, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि जनता की सेवा करने के लिये हैं, कहीं पर कोई दिक्कत होती है तो आप मेरे साथ साथ अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों से सम्पर्क कर सकते है। उन्होंने लोगो को शिक्षा को बढ़ावा देने, हड़िया दारू जैसे नशापान, अंधविश्वास से दूर रहने की अपील की। प्रखंड विकास पदाधिकारी पवन कुमार महतो ने कहा कि हम अधिकारियों, कर्मियों को जनता की सेवा करनी है उनके साथ सम्मान पूर्वक व्यवहार करते हुए उनके समस्याओं को यथाशीघ्र

समाधान करनी चाहिये। उन्होंने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। बीससूत्री अध्यक्ष अनीश अहमद खान ने सरकार की उपलब्धियों को बतलाते हुए कहा कि गठबंधन की सरकार जनहित में कार्य कर रही है। आज सरकार आपके गांव,पंचायत, द्वार पर पहुंचकर आपके लिए कार्य करा रही है। शिविर में अतिथियों द्वारा मनरेगा, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, वृद्धा विधवा पेंशन योजना समेत अन्य योजनाओं के लाभुकों को स्वीकृति प्रमाण पत्र के साथ साथ महिला समूहों को चेक का डेमो, कम्बल आदि का वितरण किया गया। मौके पर प्रमुख श्रीराम उरांव, उपप्रमुख मधुलिका रानी, प्रखंड बीससूत्री अध्यक्ष अनीश अहमद खान, उपाध्यक्ष बुधवा उरांव, सदस्य शरत कुमार विद्यार्थी, समीद अंसारी, धनपत उरांव, प्रतिमा देवी, मुखीया वीरेंद्र महली, पंचायत समिति सदस्य सुनीता लकड़ा, अंगनु उरांव, अख्तर अंसारी, नाजिर आलम खान, समीरुदीन अंसारी, डॉक्टर राकेश प्रसाद, कैरो उपमुखिया रवि प्रजापति आदि उपस्थित थे।

झारखंडी की एक ही पहचान 1932 का खतियान के लगे नारे

भंडरा / लोहरदगा। राज्य सरकार द्वारा केबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णय 1932 का खतियान एवं 27% ओबीसी को आरक्षण दिए जाने के उपलक्ष्य में प्रखंड भंडरा झामुमो कमिटी के द्वारा आभार यात्रा 12 नवम्बर निकाला गया। यह आभार यात्रा प्रखण्ड अध्यक्ष प्रवेज अंसारी के नेतृत्व निकाली गई। यात्रा में बाजे गाजे के साथ झामुमों कार्यकताओं ने जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं द्वारा झारखंडी की एक ही पहचान 1932 का खतियान, झारखंड का मुख्यमंत्री कैसा हो हेमन्त सोरेन जैसा हो, शिबू सोरेन जिंदाबाद सहित अन्य नारे लगाए जा रहे थे। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष प्रवेज अंसारी ने कहा कि झारखंड के लिए कल का दिन ऐतिहासिक रहा है और इसके अलावा कई ऐतिहासिक निर्णय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के द्वारा लिया गया है। अब चाहकर भी विरोधी कुछ नही कर पा रहे है। प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि आनेवाले चुनाव में भाजपा सहित एनडीए में शामिल दलों के लोगों की जमानत जब्त हो जाएगी। आभार यात्रा में प्रखंड अध्यक्ष के अलावा जिला सचिव अनिल उरांव, जिला उपाध्यक्ष तिवारी उरांव, प्रखंड सचिव डेनियल लकड़ा, विनोद उरांव, खुर्शीद अंसारी ,साजिद अंसारी, साहिल मंसूर ,मगुल मिंज, सोनू, रामबीरीच उरांव, रामविलास उरांव,सुमंती उराईन, तबरेज अंसारी, कमरुद्दीन अंसारी, जलेश्वर उरांव, और जेएमएम के बहुत सारे कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए थे।

विहंगम योग समारोह 501 कुण्डीय विश्वशान्ति वैदिक महायज्ञ 16 से शुरू

- मात्र 10 मिनट के नियमित अभ्यास से साधक की चेतना ऊर्ध्वमुखी होने लगती है

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा के भक्सो, कोयल नदी तट, रेलवे स्टेशन के नजदीक 16 एवं 17 नवम्बर 2022 को विहंगम योग समारोह 501 कुण्डीय विश्वशान्ति वैदिक महायज्ञ होगा। कार्यक्रम में सद्गुरु आचार्य श्री स्वतन्त्रदेव जी महाराज व संत प्रचर श्री विज्ञानदेव जी महाराज आएंगे। बताया गया कि सद्गुरू सदाफलदेव विहंगत योग संस्थान एक आध्यात्मिक एवं सामाजिक संगठन है। विहंगम योग के प्रणेता अनन्त श्री सद्गुरु सदाफलदेव जी महाराज ने सम्पूर्ण विश्व के मानवमात्र के भौतिक एवं आध्यात्मिक कल्याण के निमित्त विहंगम योग की विमल ज्ञानधारा को प्रकाशित किया है। विहंगम योग के द्वारा मानव-जीवन के पुरुषार्थ चतुष्टय धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष की प्राप्ति होती है। धर्म अर्थ, काम एवं मोक्ष की चतु:सूत्री ही भारतीय संस्कृति का आधार है। संस्थान के द्वारा भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है । विहंगम योग की साधना-पद्धति पर विश्व के अनेक देशों में वैज्ञानिक अनुसंधान हुए हैं, जिससे अद्भुत सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुआ है। विहंगम योग की साधन पद्धति से आन्तरिक शान्मि का मार्ग प्रशस्त होता है। विहंगम योग की साधना से जुड़कर आज लाखों व्यक्ति अपने आध्यात्मिक जीवन का निर्माण कर रहे हैं और जीवन में सुख-शान्ति की प्राप्ति कर रहे हैं। विहंगम योग की साधना में मात्र 10 मिनट के नियमित अभ्यास से साधक की चेतना ऊर्ध्वमुखी होने लगती है और उसका आत्मिक विकास होने लगता है। उक्त जानकारी संयोजक बन्दे भगत, कार्यक्रम संयोजक दुबराज बर्मा, मीडिया प्रभारी कौशल मित्तल ने दी। बताया कि समारोह के सायंकालीन सत्र में सपूज्य संत प्रवर श्री विज्ञानदेव जी महाराज की दिव्यवाणी (जय स्वर्वेद कथा) के रूप में प्राप्त होगी। सुपूज्य संत प्रवर श्री विज्ञानदेव जी महाराज ने मानवमात्र के कल्याणार्थ 'स्वर्वेद' को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया है। विहंगम योग वास्तव में योग का एक सत्य मार्ग है। योग कहते हैं आत्मा एवं परमात्मा के मिलन को विहंगम योग वही सनातन वैदिक मार्ग है, जिसे ब्रह्मविद्या भी कहते हैं। प्राचीन काल से चले आ रहे इस वैदिक महायज्ञ से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष दोनों रूप से सभी हवन-यज्ञ से जलवायु की शुद्धता, पर्यावरण का संरक्षण एवं शारीरिक स्वस्थता के साथ-साथ भौतिक कामनाओं की पूर्ति भी अवश्य होती है। इस प्रकार विहंगम योग संस्थान के माध्यम से भौतिक एवं आध्यात्मिक दोनों प्रकार के कल्याणी किये जाते हैं। उक्त अवसर पर पधार कर संत प्रवर श्री विज्ञानदेव जी महाराज की दिव्यवाणी (जय स्वर्वेद कथा) तथा सद्गुरूदेव की अमृतवाणी एवं दर्शन लाभ से अपने भौतिक एवं पारमार्थिक जीवन को मंगलमय बनावें।

मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शनिवार को मनाया विश्व पक्षी दिवस

प्रकृति में संतुलन के लिए पक्षियों का संरक्षण जरूरी : अखिलेश

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शनिवार को विश्व पक्षी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में विद्या विकास समिति झारखंड के गुमला विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार ने किया। मौके पर उन्होंने कहा कि प्रकृति में संतुलन के लिए पक्षियों का संरक्षण जरूरी है। शनिवार को विविध कारणों से पक्षियों की कई प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं और कई पर विलुप्त का संकट बना है। प्राचीन काल से ही पक्षी मानव जाति के लिए बड़ी सहायक भूमिका में रहें है। इनका महत्व संदेशवाहक से लेकर युद्ध में योद्धा की तरह भी रहा है। विलुप्त होते गिद्ध जैसे पक्षी की भूमिका वातावरण को शुद्ध करने में रहती है। हम सभी का कर्तव्य है कि पक्षियों के लिए घोंसला, दाना-पानी आदि की व्यवस्था करते हुए वनों को संरक्षित एवं संवर्धित करें। मौके पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए आयोजित घोंसला निर्माण प्रतियोगिता में बनाए गए घोंसला की प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रतियोगिता में रोशनी उरांव प्रथम और राज प्रजापति द्वितीय हुए। सुहानी टोप्पो और पूर्णिमा कुमारी को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। जिन विद्यार्थियों के घोसले सराहे गए उनमें रिया कुमारी, सोनी उराव, ईशा कुमारी, सुषमाभिषेक लकड़ा, चरणजीत उरांव, रितेश मुंडा एवं अजीत उराव शामिल हैं। सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को मुख्य अतिथि एवं महाविद्यालय के प्राचार्य उत्तम मुखर्जी ने पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। संचालन और धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम प्रमुख यशोदा कुमारी ने किया। इस अवसर पर नीतू कुमारी, रश्मि साहू, रेणु कुमारी, ऋद्धि मिश्रा, कविता कुमारी, चेतना प्रिया, आरती भगत आदि भी उपस्थित थे।

चालक का आरोप कुरडेग पुलिस की मनमानी लाइसेंस रहते हुए काट दिया गया चालान

कुरडेग। कुरडेग थाना गेट के समीप शनिवार को वाहन जांच अभियान के दौरान लाइसेंस रहने के बावजूद एक व्यक्ति का चालान काटने आरोप लगाया है। बताया गया कुरडेग थाना परिसर में कुरडेग पुलिस के द्वारा वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में केरसई निवासी पवन कुमार अपने मालवाहक वाहन से आलू बीज बेचने के के लिए अपने पिता के साथ कुरडेग बाजार जा रहा था,कुरडेग थाना परिसर के समीप जांच के क्रम में इनके गाड़ी को रोका गया। जिस दौरान वाहन चालक अपनी सीट बेल्ट नहीं लगाया था। जिस समय कुरडेग थाना के एएसआई विजय कुमार सिंह ड्यूटी पर थे। इन्होंने वाहन चालक पवन कुमार से सीट बेल्ट की फाइन लगाते हुए 1000 रुपयों की मांग की। विजय कुमार सिंह को पैसा नहीं देने पर तुरंत उन्होंने बिना लाइसेंस का अलग से चालान काट दिया, पवन कुमार के द्वारा बार बार ड्राइवरी लाइसेंस दिखाने के बाद भी विजय कुमार सिंह ने उनकी एक ना सुनी ऊपर से कानूनी डर दिखाई ऐसे में पवन कुमार मजबूरन वहां से अपनी फाइन चालान रशिद ले कर चला गया। किधर पवन कुमार का कहना है कि सीट बेल्ट का चालान काटना समझ में आया लेकिन लाइसेंस रहने के बावजूद लाइसेंस का चालान काटना पुलिसकर्मी की मनमानी है। इधर इस मामले में एएसआइ विजय कुमार सिंह से बात की गई उन्होंने बताया कि चालक झूठ बोल रहा है। उसने लाइसेंस नहीं दिखाया इसी कारण उसका चालान काटा गया है।

भ्रष्टाचार को ले सरकार के खिलाफ भाजपाइयों ने बोला हमला

नवीन मेल संवाददाता

केरसई। भारतीय जनता पार्टी केरसई प्रखंड द्वारा झारखंड सरकार के खिलाफ एक दिवसीय जनाक्रोश धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। धरना प्रदर्शन कार्यक्रम हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए एवं जुलूस के रूप में केयर से इंदिरा चौक से लेकर प्रखंड मुख्यालय तक झारखंड सरकार हाय हाय हेमंत सोरेन मुदार्बाद हेमंत सोरेन होश में आओ जैसे नारे लगाए धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में स्वागत भाषण करते हुए मंडल अध्यक्ष मानकीलाल ने कहा की की झारखंड सरकार हर मोर्चे पर फेल है चारो ओर भ्रष्टाचार का बोलबाला है, जनता का कोई भी काम बिना पैसे के नही हो रहा है ऐसी सरकार की बिदाई आवयश्क है जनाक्रोश धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष सह मांडर के पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि हेमन्त सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड सरकार अब तक कि सबसे भ्रष्ट सरकार है, खनिज संपदा की लूट मची हुई है मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि खुद जेल में है नैतिकता के आधार पर ऐसे मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के आवाहन पर झारखंड के भाजपा कार्यकर्ता एवं जनता अब इस सरकार को बर्दाश्त नहीं करेगी जल्द ही इस सरकार की विदाई हो जाएगी। भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रणव कुमार ने धरना प्रदर्शन में कहा की लचर सरकार रहने की वजह से तंत्र पूरी तरह पंगु हो चुकी है जनता का एक भी काम नहीं हो रहा है चाहे वह जाति आवाज से हो या किसी संबंधित किसानों का कोई भी कार्य हो प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना का भी लाभ किसानों को नहीं मिल रहा है जिले से लेकर प्रखंड तक भ्रष्टाचार का बोलबाला है प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना मैं चयनित एवं पास हुए लाभुकों को भी सिलेंडर और चूल्हा नहीं दिया जा रहा है, लाभुकों को जल्द इनका हक नहीं दिया जाता है तो भारतीय जनता पार्टी फिर से आंदोलन करेंगे।

धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला सोशल मीडिया प्रभारी सह केरसई प्रखंड सांसद प्रतिनिधि रवि गुप्ता ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा की जल जंगल जमीन के नाम पर आई सरकार के कार्यकाल में सर्वाधिक जमीन एवं खनिज संपदा की लूट हुई है बहू बेटी सुरक्षित नहीं है इस सरकार के कार्यकाल में 5000 से अधिक बलात्कार की घटनाएं हो चुकी है 3 साल में सरकार के पास विकास के लिए गिनाने के तीन कार्य भी नहीं है सिर्फ घोषणा करने वाली है सरकार ओबीसी को 27 परसेंट आरक्षण के नाम पर इस वर्ग को चलने का काम किया है सरकार ने निकाय चुनाव में ओबीसी वर्ग को किसी प्रकार का आरक्षण नहीं दिया है जबकि रघुवर सरकार में ओबीसी वर्ग को आरक्षण दिया गया था, भाजपा कार्यकर्ता प्रण लेते हैं जब तक झारखंड सरकार को उखाड़ नहीं सकेंगे वह शांत नहीं बैठेंगे।धरना प्रदर्शन कार्यक्रम को महामंत्री प्रभु माझी ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष दिनेश कुमार किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष रामविलास राणा एसटी मोर्चा मंडल अध्यक्ष रविंद्र बड़ाईक प्रमुख तरन भोय उप प्रमुख अनीता देवी महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष धनश्री देवी ने भी संबोधित किया।

प्रखंड से जिला स्तर पर आयोजित होगा विकास मेला-सह-सांस्कृतिक कार्यक्रम

लोहरदगा। 15 को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला/प्रखंड स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जिला स्तर पर विकास मेला-सह-सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इस तिथि को सुबह 9.30 बजे भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमा एवं अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जायेगा। विकास मेला-सह-सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन 12.30 बजे अपराह्न से समाहरणालय परिसर मैदान में किया जायेगा जिसमें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से लाभुकों को लाभान्वित करने एवं परिसम्पत्ति वितरण के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। साथ ही, कार्यक्रम स्थल पर ही सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। 15 को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर समाहरणालय परिसर मैदान में आयोजित होनेवाले विकास मेला-सह-सांस्कृतिक कार्यक्रमर में झारखंड सरकार की ओर से प्रभारी मंत्री के रूप में डॉ रामेश्वर उरांव, शामिल होंगे।

न्यूज गैलरी

मांडर प्रखंड कांग्रेस कमेटी की बैठक, कई विषयों पर हुई चर्चा

मांडर। मांडर प्रखंड कांग्रेस कमेटी मांडर की बैठक प्रखंड अध्यक्ष मंगा उरांव की अध्यक्षता में आहूत की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए जमील मलिक ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के द्वारा जो भी निर्णय लिया गया है उसका अनुसरण करते हुए आगामी तिथि को अपने अपने पंचायत से प्रखंड तक भारत जोड़ो यात्रा कर लोगों को जागरूक करना अपने पंचायत में कमेटी गठित कर हरेक बुथ में 50 डीजिटल सदस्य बनाना है।इस अवसर पर तबारक खान, होसे उरांव, जुवेल तिग्गा, बेलस टोप्पो, एवं सभी पंचायत अध्यक्ष उपस्थित थे।

अभाविप ने डीईओ को ज्ञापन सौंपा

मेदिनीनगर। अभाविप के द्वारा नगर सह मंत्री नितीश दुबे की अध्यक्षता में जिला शिक्षा पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया । ज्ञापन के माध्यम सें ध्यान आकृष्ट कराते हुए बताया गया कि पलामू जिले के प्रतिष्ठित जिला स्कूल में लगातार प्राचार्य एवं छात्रों के बीच हो रहे मारपीट और गाली-गलौज प्राचार्य के बिगड़ते मानसिकता को दशार्ता है। ऐसे असंतुलित मानसिक के प्राचार्य को पद मुक्त करने की मांग अभाविप करती है। जिले के सभी प्लस टू विद्यालयों में शिक्षकों की कमी, शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करती जा रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। विद्यार्थी परिषद जिले के प्लस टू विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों को अविलंब भरने की मांग करती है। जिले के सभी विद्यालयों में नामांकन एवं परीक्षा फॉर्म भरने के समय हो रहे पैसे की अनावश्यक उगाही को संज्ञान में लेते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग करती है। जिले के निजी विद्यालयों द्वारा वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को ढ़ोया जा रहा है। ऐसे विद्यालयों को चिन्हित कर क्षमता से अधिक बच्चों को ढ़ोने पर रोक लगे एवं दोषियों के विरुद्ध प्रशासन के द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाए। मौके पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य विनीत पांडे,जिला संयोजक अभय वर्मा,जिला एस एफ डी प्रमुख गोविंद मेहता,नगर मंत्री रामा शंकर पासवान,नगर सह मंत्री अभिषेक कुमार रवि,अंकित लाल,राहुल कुमार चेरो, राकेश कुमार गुप्ता आदि कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित थे।

धनवान, बलवान नहीं गुणवान मेयर चुनिये : पंकज

मेदिनीनगर। नगर निगम में मेयर पद का चुनाव में धनवान,बलवान नहीं गुणवान चुनिये ऐसा कहना है इस बार मेयर पद के भावी प्रत्याशी पंकज श्रीवास्तव का। अपने छात्र जीवन में वह अभाविप से जुड़े रहे। बिहार आन्दोलन,संपूर्ण क्रांति आन्दोलन या जेपी आंदोलन के दौरान 19 महीने जेल में रहे। 1980में नामधारी के लिए नारे गढ़ने और पैरोडी गीत लिखा। सरकारी नौकरी भी किया। अनेक पुस्तक के लेखक,सह लेखक रहे और आज के समय भी सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। साहित्य सृजन में जुड़े हैं। उन्होंने मेयर पद के चुनाव के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से एक सर्वे के आधार पर चुनाव में अपना भाग्य आजमाने का निर्णय किया है। बातचीत के क्रम में उन्होंने बताया कि अभी तक जितने भी मेयर पद के उम्मीदवारों ने चुनाव में आने का निर्णय किया है वो सभी या तो धनवान है या बलवान है। लेकिन शहर को विकसित करने और बेहतर परिणाम के लिए गुणवान उम्मीदवार की जरूरत है। युवाओं को गुणवान के साथ जाने की जरूरत है ,ताकि समाज को एक सकारात्मक दिशा मिल सके। गौरतलब है कि पंकज श्रीवास्तव की पत्नी के द्वारा भी लगातार सामाजिक कार्य किया जाता रहा है। मिशन समृद्धि के नाम से चल रहे संस्था आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है।

शिव की शिष्यता एक नई मनुष्यता का जन्म है : अविनाश

मेदिनीनगर। शहर के स्थानीय बाईपास रोड स्थित अमोद गुरूभाई के यहां शिवगुरु चर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें शिवगुरु पर आधारित भजन कीर्तन के साथ शिव चर्चा हुआ। शिव चर्चा करते हुए अविनाश देव ने कहा कि वर्तमान समय में मनुष्य उलझेपन में जी रहा है। ज्ञान के बिना ही ज्ञान देने की कोशिश हो रहा है। गुरु बनाकर ज्ञान लेने की प्रथा बंद हो रही है, जरूरत है गुरु के ज्ञान को आचरण में उतारकर जीवन को बेहतर बनाए। आज के समय में शिव चर्चा से बौद्धिक विकास की परिकल्पना साकार हो रही है। इसका एक ही कारण है की हमारी मन की व्यथा, मन की ज्वालामुखी एकाग्र व संतुलित होकर प्रसन्नचित मुद्रा में ध्यान केंद्रित कर कार्य करता है। जिसका नतीजा एकसाथ सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित होने के कारण व्यक्ति सफलता की रह पर चल पड़ता है। शिव की शिष्यता एक नई मनुष्यता का जन्म है जो हर उलझन से हटकर अपनी चेतना को परिष्कृत करता है। वह व्यक्ति समाज के लिए पूजनीय होने लगता है। इसके लिए व्यक्ति को चाहिए वह हर पल शिवत्व में जिए। उन्होंने कहा कि गुरु के ज्ञान की चर्चा सार्थकता में परिवर्तित हो ताकि हमारा समाज रूढ़िवादिता से ऊपर उठ समाज में एक नई चेतना का संचार कर सके और ये सब गुरु के दया पर ही निर्भर है। दया मांगने से पहले दयालु होना आवश्यक है। ओंकार नाथ तिवारी ने कहा कि पूजा करने से पहले पूजा का ज्ञान लेना आवश्यक है। इस भौतिकवादी युग में कर्म ही पूजा है। गुरु चर्चा कार्यक्रम में कमलदेव सिंह, बिनोद , रोहित , अमोद, कृष्णा , आशा,अनिता , मंजू , संपूर्ण सहित कई लोग उपस्थित रहे।

लकवा मारने से युवक की मौंत

मेदिनीनगर। नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम कठौतिया निवासी अवधेश चंद्रवंशी उम्र 32 वर्ष की मौत ब्रेन में लकवा मारने की वजह से हो गयी। जानकारी के अनुसार अवधेश चंद्रवंशी शुक्रवार की शाम मजदूरी कर अपने घर वापस लौटे और खाना पीना खाने के बाद आराम करने चले गए। आराम करने के कुछ ही देर बाद उनके दोनों हाथ पैर कांपने लगे और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। परिवार के लोग इस हादसे को लेकर काफी चिंतित हुए और उन्हें इलाज के लिए छतरपुर अस्पताल लेकर गए जहां चिकित्सकों के द्वारा इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बताते चलें कि अवधेश चंद्रवंशी राजमिस्त्री का काम कर अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। मृतक अपने पीछे दो बेटा और दो बेटी छोड़ गये है। इनकी मौत के बाद पूरा परिवार अनाथ हो गया है। वही अवधेश के मौत के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल।

समृद्धि की पाठशाला में बच्चों को प्रशिक्षित करने की कोशिश जारी

मेदिनीनगर। शहर में निः शुल्क चल रहे समृद्धि की पाठशाला निरंतर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। पढ़ाई के साथ -साथ बच्चों को कला और नृत्य के क्षेत्र में भी आगे आने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। हालांकि इस क्षेत्र में जाने के लिए बच्चों को पैसों की जरूरत पड़ती है। जिनके लिए विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के परिवार सक्षम नहीं है। इसलिए विद्यालय में बच्चो को इन क्षेत्रों की जानकरी दी जा रही है। उनके अच्छे स्वास्थ्य के लिए योग का क्लास भी विधिवत चलता है। इस कार्य मे प्रो वन्दना श्रीवास्तव ,एवं रंजीता का विशेष योगदान रहता है। मौके पर बैजन्ती, वीणा गुप्ता ,अहिल्या गिरी ,प्रो सरिता कुमारी, ऋषि कुमार मौजूद रहे।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन, बोले कुलपति

देश का आधारभूत ढांचा पहले से काफी मजबूत

नवीन मेल संवाददाता

मांडर/रांची। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं वित्त विभाग द्वारा ह्यआत्मनिर्भर भारतःबिल्डिंग रेजिलीयंस,सस्टैनबिलिटी एंड ग्लोबल कम्पेटिटिवनेसह्न विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार का समापन हो गया। पिछले दो दिनों से इस सेमिनार में आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के विभिन्न आयामों पर देश के अनेक भागों से आये विषय-विशेषज्ञों एवं शोधार्थियों ने अपने विचारों और शोध-आलेखों के माध्यम से चिंतन-मंथन किया।

इस समापन समारोह के अवसर बतौर मुख्य अतिथि बिनोद बिहारी कोयलांचाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सुखदेव भोई ने कहा कि प्रत्येक नागरिक के विजन और मिशन में आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया और वोकल फोर लोकल इन तीनों तत्वों का विशेष महत्व है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के महत्व को रेखांकित करते हुए इसके कार्यन्यावन पर भी बल दिया।

झारखण्ड केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने कहा कि भारत का आधारभूत ढाँचा पहले काफी मजबूत है जिसमें इन्हेरेंट रेज़िलिएनस,हेल्पिंग इन्वायरॉन्मेंट और ईज ऑफ बिजनेस शामिल है। उन्होंने कहा कि आर्थिक नीति और उसकी पहल हमें मौजूदा समय में आत्मनिर्भर भारत निर्माण की ओर ले जा रही हैं। भारत में लाए नए आर्थिक सुधार और कानून आत्मनिर्भरता के कई रास्ते खोल दिए हैं।

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय,राँची के निर्देशक(शोध) प्रो डी एन सिंह ने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है और यहाँ पचास प्रतिशत से अधिक जीडीपी कृषि पर आधारित है। इसलिए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में कृषि से सम्बंधित मुद्दों को भी ध्यान में रखना बहुत जरूरी है। वाणिज्य और वित्त विभाग के अध्यक्ष डॉ के बी सिंह ने इस सेमिनार की सफलता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लगभग 200 शोध आलेख इस बात का प्रमाण है कि हमने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण से सम्बंधित अनेक पक्षों को एक दूसरे से साझा किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव एस एल हरि कुमार, प्रो. भगवान सिंह, प्रो सुभाष यादव, प्रो वी के श्रोत्रिय, प्रो अजय द्विवेदी, डॉ केबी सिंह, डॉ बटेश्वर सिंह,डॉ अजय प्रताप यादव, डॉ उपेन्द्र सत्यार्थी,अमित यादव एवं अनेक विद्यार्थी और शोधार्थीगण मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रणय पराशर ने किया।

बीआरपी-सीआरपी की बैठक में विभागीय कार्यो की हुई समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। प्रखंड संसाधन केन्द्र अधौरा में शनिवार को बीआरपी,सीआरपी की बैठक बीआरपी श्रीकांत चौबे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में श्री चौबे ने विभागीय कार्यो की समीक्षा किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक में उन्होंने सभी प्रधानाध्यापकों को 8वीं से 12वीं तक के छात्राओं का सावित्रीबाई फुले किशोरी समवृद्धि योजना का फार्म भरकर आगामी 14 नवम्बर तक बाल विकास परियोजना कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया। उन्होंने परियोजना पदाधिकारी के निर्देशानुसार सभी छात्र छात्राओं का खाता खोलने, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी सीआरपी अपने अपने सीआरसी में प्रधानाध्यापक से सम्पर्क कर प्रशिक्षण कराना सुनिश्चित करेंगे। विद्यालय विकास 2022-23 के तहत ऑन लाइन गूगल सीट के माध्यम से भरने का निर्देश दिया.उन्होंने कहा कि अनुश्रवण के क्रम में ऐसा देखा गया कि एमडीएम पंजी विद्यालय में नही है,अगर है तो संधारित नही किये गये है। उन्होंने ऐसी लापरवाही को शीघ्र दूर करने का सुझाव देते हुये प्रतिदिन एसएमएस करने,सभी छात्र छात्राओं की उपास्थिति ई विद्या वाहिनी में बनाने का निर्देश दिया।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

चतरा। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन एवं प्राधिकार के संयुक्त सहयोग से मेगा लीगल इम्पॉवरमेन्ट शिविर एवं राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजिन शनिवार को व्यवहार न्यायालय परिसर में किया गया। मंच का संचालन प्राधिकर की सचिव प्रज्ञा वाजपेई ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ राष्ट्रीय गान के उपरांत दीप प्रज्वल्लित कर पीडीजे श्री सिंह, उपायुक्त अबु इमरान, एसपी राकेश रंजन, जिला जज 1 एवं डीडीसी ने संयुक्त रूप से किया। पीडीजे श्री सिंह ने इस अवसर पर कहा कि आम जनता को सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ सुलभता से मिले व सस्ता एवं त्वरित न्याय मिले यही प्राधिकार का प्रयास रहता है। सुदूरवर्ती क्षेत्र के लोगों तक विधिक सेवा की जानकारी पहुंचे इस दिशा में वॉलिंटियर पीएलवी एवं अधिवक्ता पैनल द्वारा शिविर लगाकर लोगों को जानकारी दी जाती है। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन एवं प्राधिकार द्वारा निःशुल्क और त्वरित न्याय हेतु अनेक कदम उठाए जा रहे हैं। समाज के वैसे लोग जो अंतिम पायदान पर खड़े हैं और वे संसाधन के अभाव में न्यायालय नहीं आ पाते हैं। उनको ध्यान में रख न्यायालय द्वारा लोक अदालत के माध्यम से लीगल एम्पावरमेंट कैंप का आयोजन किया जाता है। ऐसे कैंप में हजारों की संख्या में लंबित मामलों का निष्पादन किया जाता है और इस कैंप के माध्यम से आमजनों को लाभ पहुंचाया जाता है।

जन आक्रोश रैली निकालकर भाजपाइयों ने किया प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

ओरमांझी । भाजपा ओरमांझी मंडल अध्यक्ष दिलीप मेहता कि अध्यक्षता में अंचल मैदान से जन आक्रोश महारैली निकल कर प्रखंड सह अंचल कार्यालय पहुंच कर प्रखंड सह अंचल कार्यालय का घेराव किया। जन आक्रोश महारैली के मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश महामंत्री सह राज्य सभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सरकार मे खनिज संपदा को लूटने मे ब्यस्त है और जनता परेशान है। हेमंत सोरेन ने बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने का घोषणा करके सत्ता में आया लेकिन बेरोजगार युवाओं को नौकरी नहीं मिला। और युवाओं को भी ठगने का काम किया है। आगे राज्य सभा सांसद आदित्य साहु ने कहा कि सरकार मे चारो ओर हर विभाग में लूट कि खेल चल रहा है। हेमंत सोरेन के 3 साल के कार्यकाल में ई डी ने कई आधिकारियों और सरकार के नजदीकी लोगों के यहां छापामारी कर करोड़ों रुपए पकड़ाए है।

आक्रोश महारैली के मुख्य वक्ता भावनाथपुर के विधायक भानु प्रताप साही ने कहा कि हेमन्त सरकार आनन फानन में 1932 खतियान लागू किया है। भारतीय जनता पार्टी संशोधन विधियक बिल पर सर्थन कर रहा था, लेकिन बिना नियोजन नीति के केंद्र सरकार पर थोप कर अपना पाला झाड़ लिया। खतीयान धारी क्या करेंगे, जब नियोजन ही नहीं है। सब बाहर के लोग नौकरी करेंगे। सरकार झारखंडी हित मे काम नहीं करना चाहता है। उसे सत्ता जाने का डर है इसीलिए आननफानन में 1932 खतियान लागू किया है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से झारखंड प्रदेश महामंत्री सह राज्य सभा सांसद आदित्य साहू, विधायक भानु प्रताप साही, प्रदेश उपाधयक्ष किसान मोर्चा अमरनाथ चौधरी, जिला उपाधयक्ष मानकी राजेंद्र साही, कृष्ण कुमार, लक्ष्मण साहू, बलाक पहान, राजकिशोर साहू, सुनील महतो, अलखनाथ महतो, शशिभूषण कुमार, कलावती देवी, रीता देवी, अशोक पाहन, दीपक बड़ाईक आदि मौजूद थे।

हमारा वार्ड पार्षद कैसा हो: वार्ड पार्षद को सभी समस्याओं की जानकारी होनी चाहिए

प्रतीमा दुबे | राजीव कुमार | रीना देवी | अचूतानन्द दुबे | दीपक कुमार | मुकेश कुमार | रूपेश कुमार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। वार्ड का सफल संचालन के लिए वार्ड पार्षद को परिसीमन का पूर्ण जानकारी होना जरुरी होता है। जन प्रतिनिधि के कंधे पर वार्ड की विकास का जिम्मेदारी होता है। हर जनता को अपने प्रतिनिधि से अपेक्षा होता है,वार्ड में सतत विकास की रुपरेखा तय करने के लिए पार्षद को हमेशा सक्रिय रहना चाहिए। ऐसा पार्षद हो जिन्हें वार्ड की तमाम समस्याओं की जानकारी हो। ताकि वह समस्या व स्थान चिन्हित कर आसानी से समाधान कर सके। साथ ही वार्ड पार्षद जुझारु होना चाहिए। जो जनता की समस्या का स्थायी निदान करें। शनिवार को रास्ट्रीय नवीन मेल के संवाददाता ने वार्ड 11 के लोगों के बीच होने वाले निकाय चुनाव को लेकर कैसा हो हमारा पार्षद विषय पर परिचर्चा किया। जिसमें वार्ड के लोगों ने वार्ड की सफल संचालन को लेकर वार्ड पार्षद में क्या क्या गुण होना चाहिए । लोगों ने राष्ट्रीय नवीन मेल के संवाददाता के साथ साझा की। कहा कि पार्षद जुझारु होना चाहिए। जो जनता के साथ सुख व दुख में हमेशा साथ रहे। इसके अलावा पार्षद मिलनसार होना चाहिए। जो हर क्षेत्रों में समान भाव से विकास करे। निगम की योजना का लाभ हर जरुरतमंदों तक पहुंचे, इस दिशा में पहल होनी चाहिए। सभी प्रत्याशियों ने अपनी अपनी बातों को संवाददाता के सामने रखी। वहीं प्रत्याशी

अचुतानंद दुबे-वार्ड 11 ने कहा कि हर जरुरतमंदों तक सरकारी योजना का लाभ अनिवार्य रुप से पहुंचे। ताकि लोगों को पार्षद कार्यालय का चक्कर लगाना न पड़े। वार्ड क्षेत्र में अधिक से अधिक पक्की सड़कों का निमार्ण हो ताकि लोगो को जर्जर व कच्ची सड़कों से मुक्ति मिले।

प्रतिमा दुबे-वार्ड 11 ने कहा कि अधिकार क्षेत्र के हर गली मोहल्ले में नाली का निर्माण हो, ताकि जल जमाव से लोगों को छुटकारा मिले। वार्ड में साफ-सफाई निरंतर होना चाहिए। ठोस कचरा उठाने का प्रबंधन होना चाहिए।

रीना देवी-वार्ड 11 ने कहा कि चुनकर आनेवाले पार्षद वादा से परे होकर विकास की दिशा तय करे। हर जरुरतमंदों को आवास व अंत्योदय योजना का समान लाभ मिले।

रूपेश कुमार-वार्ड 11 ने कहा कि पार्षद मिलनसार होना चाहिए। वार्ड पार्षद निःस्वार्थ भाव से जनता की सेवा करे। वार्ड की हर मुहल्ले की दौरा कर समस्या का जायजा लें। लोगों को जब पार्षद से कोई काम हो तो वह सुलभता से उपलब्ध हो जाये।

राजीव रंजन- वार्ड 11 ने कहा कि वार्ड की जनता को जन प्रतिनिधियों से आशा होती है। जनता की समस्याओं को हर संभव समाधान करने के लिए पार्षद को सक्रिय रहना चाहिए। सड़क, नाली, पानी जैसी मुलभूत सुविधाओं को जन जन तक पहुंचाना चाहिए।

दीपक कुमार-वार्ड 11 ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ जनता के बीच सुलभता से पहुंचे, ऐसा पार्षद का लक्ष्य होना चाहिए। साथ ही पार्षद मिलनसार हो, ताकि जनता पार्षद के समक्ष अपनी समस्या स्पष्ट रुप से रख सके।

मुकेश कुमार- वार्ड11 ने कहा वार्ड की नाली व सड़क की स्थिति सुदृढ़ हो। पार्षद अपने कार्यालय में समय से लोगों को उपलब्ध हो। अंत्योदय, आवास योजना, पेशन योजना का सरकारी लाभ हर जरुरतमंदों तक पहुंचाने वाला पार्षद होना चाहिए।

सरकारी स्कूल में पढ़ाने वाले टीचर की खुली पोल

गायब रह कर दूसरे से कराता था स्कूल में पढ़ाई

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के एक सरकारी स्कूल में हैरान करने वाला एक मामला सामने आया है। यहां एक शिक्षक ने अपनी जगह एक अन्य व्यक्ति को नौकरी पर रख रखा था। उसी से अपनी जगह पढ़ाई कराता था और खुद गायब रहता था। इसका खुलासा जांच में हुआ है। मामला पलामू के सतबरवा प्रखंड के घुटवा का है। दरअसल, पलामू डीसी ए दोड्डे से घुटवा के ग्रामीणों ने शिकायत की थी कि स्कूल के सरकारी शिक्षक कुंदन कुमार दो महीने से स्कूल नहीं आ रहे हैं। कुंदन कुमार ने अपनी जगह बच्चों को पढ़ाने के लिए भाड़े पर एक ग्रामीण को नियुक्त कर दिया है। इसी शिकायत के बाद सहायक समाहर्ता श्रीकांत विसपुते सतबरवा के घुटवा स्थित प्राइमरी स्कूल की जांच करने पहुंचे थे। सहायक समाहर्ता ने जांच में पाया कि स्कूल के सरकारी शिक्षक कुंदन कुमार काफी समय से गायब हैं और स्थानीय ग्रामीण मोहन कुमार के माध्यम से बच्चों की स्कूल में पढ़ाई कराते हैं। हालांकि सरकारी गाड़ी को स्कूल की तरफ आते देख आशंकित मोहन कुमार फरार हो गए। बता दें कि डीसी ने सहायक समाहर्ता की जांच के आलोक में जिला शिक्षा अधीक्षक को शिक्षक कुंदन कुमार को निलंबित करने का निर्देश दिया है। घुटवा प्राइमरी स्कूल में करीब 111 छात्र पढ़ाई करते हैं। सभी बच्चों की पढ़ाई एक ही शिक्षक के भरोसे है, जिस शिक्षक के भरोसे इन छात्रों की पढ़ाई होनी थी उसने भी एक भाड़े पर ग्रामीण को रख लिया था।

ऐसे हुआ खुलासा: जांच के लिए पहुंचे सहायक समाहर्ता श्रीकांत विसपुते कई घंटों तक स्कूल में रूके थे,और स्थानीय ग्रामीणों से भी बातचीत की थी। स्थानीय ग्रामीणों ने स्कूल के संबंध में आईएएस अधिकारी से कई शिकायतें की हैं।

शिक्षा मंत्री से मिला सहायक अध्यापक मोर्चा का प्रदेश प्रतिनिधि मंडल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड राज्य सहयोगी सामुदायिक सहायक अध्यापक मोर्चा का प्रदेश प्रतिनिधि मंडल शुक्रवार को स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के मंत्री जगरनाथ महतो से उनके आवास पर मिला। सहायक अध्यापकों के मामले पर प्रतिनिधिमंडल के विनोद बिहारी एवं विनोद तिवारी के साथ मंत्री जगरनाथ महतो से घंटों चली बातचीत में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। जिसमें मंत्री जगरनाथ महतो ने कहा कि सहायक अध्यापकों के लिए ईपीएफ का फाइल बढ़ा दिया गया है, इसे जल्द लागू किया जाएगा। उन्होंने चर्चा में अनुकंपा को स्थिर करने पर सहमति दिया तथा कल्याण कोष जल्द लागू करने का भरोसा दिलाया है । प्रतिनिधिमंडल में वेतनमान के मुद्दों पर चर्चा किया और कहा कि सहायक आचार्य एवं सहायक अध्यापकों के वेतन मानदेय में कोई अंतर नहीं होनी चाहिए। प्रतिनिधि मंडल के विनोद तिवारी ने मंहगाई पर चर्चा करते हुए कहा कि कम पैसे में काम करना संभव नहीं है घर परिवार चलाने की जवाबदेही , बच्चों की शिक्षा,लड़की की शादी ,बीमारी से पार पाना काफी महंगा है । चर्चा के क्रम में मंत्री ने पैसे बढ़ाने का भरोसा दिलाया है । मंत्री ने हाई स्कूल में पढ़ाने वाले स्नातकोत्तर, बीएड उच्च योग्यता वाले सहायक अध्यापकों के मामले पर विचार करने की बात कही है । साथ ही कहा कि विसंगति का मुद्दा जल्द सुलझा लिया जायेगा। मंत्री श्री महतो ने प्रतिनिधि मंडल के द्वारा सीटेट को जे टेट के समान झारखंड में मान्यता को लेकर सकारात्मक दिखे तथा लागू करने की बात भी कहा । ज्ञात हो कि जेटेट परीक्षा का आयोजन सरकार के द्वारा प्रतिवर्ष करवाया जाना है । परंतु सरकार की लापरवाही के कारण परीक्षा का आयोजन नहीं हो पा रहा है। जिसका खामियाजा सहायक अध्यापकों के साथ-साथ आम प्रतिभागी को भी भुगतना पड़ रहा है।

गढ़वा जिले के तिलदाग में आयोजित आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में पहुंचे आयुक्त

नवीन मेल संवाददाता

'मेदिनीनगर। आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत सरकार की जनउपयोगी योजनाएं लोगों तक पहुंच रही है। यह कार्यक्रम लोगों के लिए काफी उपयोगी साबित हुई है। सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लाभुकों को एक ही स्थान पर आसानी से मिल पा रहा है। इसके लिए उन्हें कार्यालय या पदाधिकारियों के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ रहा है। बल्कि सरकारी पदाधिकारी ही उन तक पहुंचे हैं। पदाधिकारी आम लोगों को लाभ देना सुनिश्चित करायें। आमजनों से प्राप्त आवेदनों का गुणात्मक निष्पादन कराना सुनिश्चित करायें। यह बातें आयुक्त जटा शंकर चौधरी ने कही। वे आज 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत पलामू प्रमंडल के गढ़वा जिले के तिलदाग पंचायत में आयोजित शिविर में बोल रहे थे। आयुक्त ने कहा कि फूलो-झानो आशीर्वाद अभियान के माध्यम से सरकार महिलाओं को सशक्त कर रही है। हड़िया-दारु बेचने जैसी कुरीतियों से जुड़े महिलाएं इस योजना का लाभ लेकर सम्मानजनक जिंदगी जीने लगी हैं।उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय ने कहा कि 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत सरकार आप तक विभिन्न योजनाओं को लेकर आई है। उन योजनाओं का लाभ से लाभान्वित करने के लिए पंचायत स्तर पर शिविर का आयोजन कर रहे हैं, ताकि अधिक- से-अधिक लोग जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आसानी से ले सकें। उन्होंने कहा कि यह विकास उत्सव है, जहां लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है और उन्हें जागरूक भी किया जा रहा है। उन्होंने सरकार की विभिन्न योजनाओं सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, सर्वजन पेंशन योजना, केसीसी, सोना सोबरन सहित अन्य योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी दी। साथ ही योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने की अपील की। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए थे, जहां सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लोगों को दिया जा रहा था। अतिथियों ने भी लाभुकों को ऑन स्पॉट योजनाओं का लाभ दिया। साथ ही परिसंपत्तियों का भी वितरण किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमुद झा ने सभी का स्वागत किया। साथ ही उन्होंने कहा कि 'आपकी योजना- आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम से आम लोगों को सीधे तौर पर लाभ मिल रहा है। उन्होंने सभी से अपील किया कि वे शिविर में आएं और सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लें।कार्यक्रम में उक्त अतिथियों के अलावा जिला समाज कल्याण पदाधिकारी पूर्णिमा कुमारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, अधिकारी, बड़ी संख्या में लाभुक एवं आमजन उपस्थित थे।

एक नजर इधर भी

सपने देखने में हर्ज क्या

जब बात बिगड़ जाती, तो वे अपने-आप को धीरज बंधा देने के लिए कह दिया करते थे। लेकिन किस बात की उम्मीद रखें वे? अच्छे दिन आने की उम्मीद रखी थी कि आंकड़ा-शास्त्रियों ने घोषणा कर दी, लो तुम्हारे अच्छे दिन तो आकर चले भी गये। शहर के चुनिंदा रईस अब रईस कहलाना पसंद नहीं करते। लेकिन जमाना बदल गया। क्या फुटपाथों पर आलीशान दरवाजे लग जायेंगे? नोटबंदी होगी तो सारा कालाधन बाहर आ जायेगा और उनकी दुनिया साफ हो जायेगी! मगर इतना अधिक काला धन जमा हुआ कि हवेलियों वालों को सफेदपोश बना गया। जो फुटपाथ पर बैठे थे, वे लोग धंसते हुए फुटपाथों के जानशीं बनते चले गये। उधर सरकारी खातों में लिखा गया कि सब फुटपाथों का नवीनीकरण हो गया। धंसते हुए फुटपाथ और टूटी-फूटी सड़कें जो मरम्मत के ठेकेदारों की कृपा से और भी टूट-फूट गईं और नाम लग गया मानसून के अप्रत्याशित तेवरों का। सावन बीत जाने पर मरम्मत होती, तो घपला, घोटाला करने वालों को मुक्ति द्वार कैसे मिलते! वे कहते रहे हम तो चमचमाती सड़कों वाले अच्छे दिन लाये थे। यह सावन ही खलनायक बन सब बहा ले गया। अब न कहना कि अच्छे दिन लाने का वादा पूरा नहीं हुआ। 'भगवान की मर्जी' के आगे किसी का कोई बस नहीं चलता। न जाने कितनी सदियां गुजर गईं, अपनी गरीबी, अभाव और भुखमरी को दुर्भाग्य के सितम या 'भगवान की मर्जी' के हवाले करते हुए। पूरा देश भाग्यशाली बना, हस्तरेखा विशारदों और नजूमियों के हवाले कर दिया गया और कर्मशीलता, चरैवेति-चरैवेति अपनी जिंदगी खुद बनाने के उपदेश केवल मंचों के हवाले कर दिये गये। उम्मीद के पहाड़ ढोते-ढोते उनके कंधे शिथिल पड़ गये, लेकिन मंजिल मिलने का सपना एक बार रूठा तो जिंदगी में लौट कर नहीं आया। उधर बड़े लोगों की जिंदगी से हवेलियां रूठीं तो बहुमंजिली इमारतों के रूप में छवि बदल कर आ गईं। मर्सिडीज, टोयोटा और आयातित गाड़ियों ने हाथियों की जगह ले ली। इन गाडियों के खड़े होने के लिए मंजिल दर मंजिल गैराज बनने लगे और सफेद हाथी का नाम तो योजना आयोग को देकर नकार दिया गया। लेकिन वह उम्मीद ही क्या जो उनके लिए कभी वफा हो जाए! अब नीति आयोग फैसला कर रहा है कि नई उम्मीदों का दायरा बिछाने की अवधि क्या रखी जाय! अब या तो उस नारों का अलाव भेंट करो, जो हथेली पर सरसों जमा दे या विकास की तारीफ इतनी लंबी कर दो कि लोगों के धीरज की परीक्षा हो जाए। धैर्यवान बहुत हैं इस देश के लोग। अच्छे दिन आगामी अतीत बन गये, उनके पास तो यादों की कोई बारात भी नहीं है सजाने को। यादों की कोई मिठास भी होती है, ऐसा उन्होंने कभी जाना नहीं। हरी घास पर ठिठक कर किन अच्छे दिनों का एहसास तक पास फटकने नहीं दिया। न्यायपालिका ने कहा कि इस देश में कोई भूख से न मरे, क्योंकि हर नागरिक को रोटी मिले, यह उसका मूलभूत अधिकार है। देश के फरिश्तों ने इसकी हामी भरी, लेकिन दुनिया का भुखमरी सूचकांक कहता है कि देश भुखमरी वाले देशों की तालिका में कई सीढ़ियां नीचे उतर गया। भूख से मरते लोगों की संख्या दुगनी होने के बावजूद देश की युवा शक्ति को रोजगार का मूलभूत अधिकार नहीं दिया गया। हां, उनमें रोटी बांटने की दरियादिली दे दी गई। इसे खैरात कहते हैं। चौराहों पर बढ़ती हुई भिखारियों की संख्या ने चेताया, लेकिन न्यायपीठ ने कह दिया, देश में भीख मांगना प्रतिबंधित नहीं की जा सकती। चौराहों से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक भीख के समझौते करते देश करते रहेंगे। प्रबंधन की असफलता अच्छे और बेहतर जीने की रखी उम्मीदें देश के फुटपाथी लोगों के कानों में फुसफुसा देती हैं, 'उम्मीद रखो, वह दिन दूर नहीं, जब भीख मांगना संवैधानिक अधिकार बन जायेगा, कानूनसम्मत तो यह हो ही गया है!' आओ एक महोत्सव मना लेने के बाद उस शतकीय महोत्सव मनाने की प्रेरणा प्राप्त करें जब बेहतर जीने की उम्मीद केवल फुसफुसाएगी नहीं, जब टूटी सडकें टूटे सपनों की गलबहियां नहीं लेंगी, जब देश विकासशील की उपाधि त्याग विकसित होगा।

■ सुरेश सेठ

सौर ऊर्जा, भारत को नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने में मदद कर सकती है

दुनिया सौर क्रांति की दहलीज पर है। सूर्य, न केवल दुनिया का सबसे प्रचुर और स्वच्छ ऊर्जा स्रोत है, बल्कि व्यापक तौर पर इसे स्वीकार किये जाने के साथ, यह अंतर्राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने के लिए सुलभ ऊर्जा के रूप में आवश्यक हो गया है। कई देशों के पास अब अच्छी तरह से स्थापित नीतियां और विनियम हैं, जो इसे वैश्विक जलवायु कार्रवाई के लिए आवश्यक पैमाना और सामर्थ्य प्रदान करते हैं। सौर ऊर्जा, न केवल विकासशील देशों में ऊर्जा पहुंच और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, बल्कि विकसित देशों में बैटरी ऊर्जा संचयन, इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग अवसंरचना और हाइड्रोजन उत्पादन के एकीकरण के माध्यम से ऊर्जा के स्रोतों में बदलाव के लिए सुविधा भी प्रदान कर रही है। लागत, सरल और आसान रख-रखाव, सहज संरचना बदलाव, विभिन्न अनुप्रयोग आदि के सन्दर्भ में अन्य ऊर्जा प्रौद्योगिकियों पर तकनीकी श्रेष्ठता के बावजूद, सौर ऊर्जा उत्पादन एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना कर रहा है, जिसके समाधान की आवश्यकता है। वैश्विक फोटोवोल्टिक (पीवी) विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखला कुछ ही देशों में केंद्रित है, जिसके परिणामस्वरुप मौजूदा सीमित आपूर्ति श्रृंखलाओं में अवरोध होने के बाद, हाल ही में कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है। इन व्यवधानों ने महत्वपूर्ण सवाल खड़े किये हैं। कोविड-19 संकट एवं बहुपक्षीय चुनौतियों के कारण वस्तुओं की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। ऊर्जा, कच्चे माल और विनिर्मित वस्तुओं के आयात- जो ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं- पर कुछ देशों की उच्च निर्भरता के कारण, इन देशों का ध्यान सौर ऊर्जा पर केन्द्रित हुआ है। अतिरिक्त चुनौती सौर पैनलों की खरीद से जुड़ी है। अनुमान है कि सौर पीवी की वैश्विक मांग, निम्नतम स्तर पर भी, को पूरा करने में 2030 तक 5,000 गीगावाट (जीडब्ल्यू) की संचयी क्षमता की आवश्यकता होगी। हालांकि, सौर पैनलों की कम होती कीमतों और दुनिया भर में की जा रही पहलों को देखते हुए, यह अनुमान लगभग 10,000 गीगावाट तक भी पहुंच सकता है। इसका मतलब है कि हर साल लगभग 800-1,000 गीगावाट तक पीवी की वार्षिक क्षमता में वृद्धि हो सकती है, जो अब तक 200 गीगावाट तक सीमित थी। भविष्य में वर्तमान क्षमता से पांच गुना अधिक की खरीद की आवश्यकता होगी, इसलिए हमें सहनीय तथा विविधतापूर्ण आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने की आवश्यकता है। देश अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाकर सहनीयता में सुधार किया जा सकता है। सौर पीवी विनिर्माण परियोजनाओं के सौर पीवी विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का संचालन किया है, जो सफल रही है। इसके तहत परियोजनाओं के लिए बोली लगाने वाले ऐसी विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना और संचालन करेंगे, जो पॉलीसिलिकॉन, इनगोट, वेफर्स, सेल और उच्च दक्षता वाले पैनल के निर्माण के साथ पूरे उत्पादन चक्र का भी विस्तार करेंगे। सौर पीवी

> **कोविड-19 संकट एवं बहुपक्षीय चुनौतियों के कारण वस्तुओं की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। ऊर्जा, कच्चे माल और विनिर्मित वस्तुओं के आयात- जो ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं- पर कुछ देशों की उच्च निर्भरता के कारण, इन देशों का ध्यान सौर ऊर्जा पर केन्द्रित हुआ है। अतिरिक्त चुनौती सौर पैनलों की खरीद से जुड़ी है। अनुमान है कि सौर पीवी की वैश्विक मांग, निम्नतम स्तर पर भी, को पूरा करने में 2030 तक 5,000 गीगावाट (जीडब्ल्यू) की संचयी क्षमता की आवश्यकता होगी। हालांकि, सौर पैनलों की कम होती कीमतों और दुनिया भर में की जा रही पहलों को देखते हुए, यह अनुमान लगभग 10,000 गीगावाट तक भी पहुंच सकता है। इसका मतलब है कि हर साल लगभग 800-1,000 गीगावाट तक पीवी की वार्षिक क्षमता में वृद्धि हो सकती है, जो अब तक 200 गीगावाट तक सीमित थी। भविष्य में वर्तमान क्षमता से पांच गुना अधिक की खरीद की आवश्यकता होगी, इसलिए हमें सहनीय तथा विविधतापूर्ण आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने की आवश्यकता है। देश अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाकर सहनीयता में सुधार किया जा सकता है। सौर पीवी विनिर्माण परियोजनाओं के विकास को समर्थन देने का सबसे अच्छा तरीका उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का संचालन किया है, जो सफल रही है। इसके तहत परियोजनाओं के लिए बोली लगाने वाले ऐसी विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना और संचालन करेंगे, जो पॉलीसिलिकॉन, इनगोट, वेफर्स, सेल और उच्च दक्षता वाले पैनल के निर्माण के साथ पूरे उत्पादन चक्र का भी विस्तार करेंगे। सौर पीवी विनिर्माण परियोजनाओं के विकास को समर्थन देने का सबसे अच्छा तरीका उत्पादन-लागत से जुड़े विभिन्न कारकों को वित्तीय प्रोत्साहन के माध्यम से प्रत्यक्ष समर्थन प्रदान करना है, जैसे टैक्स में छूट, कम लागत वाला वित्तपोषण या प्रत्यक्ष सब्सिडी (उदाहरण के लिए, भूमि या अवसंरचना में निवेश)। इसलिए, मांग में वृद्धि करना और सहायक विनिर्माण कंपनियों को प्रोत्साहित करना भी उद्योग को विकसित करने का एक कुशल तरीका है, लेकिन इसके लिए और निवेश करने की आवश्यकता होगी। भारत ने हाल ही में विनिर्माण क्षेत्र की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता, तीव्र और लागत प्रभावी स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन स्रोत को अपनाने के लिए महत्वपूर्ण है। तेजी से विकास और परियोजनाओं की शुरूआत से उत्पाद की बिक्री तक में लगने वाले लंबे समय के कारण, आपूर्ति और मांग के असंतुलन का जोखिम बढ़ जाता है, जिससे लागत में वृद्धि हो सकती है और आपूर्ति में कमी आ सकती है। सौर पीवी क्षेत्र में, सभी आपूर्ति श्रृंखला खंडों के लिए शुद्ध लाभ-प्राप्ति अनिश्चित व अस्थिर रही है। इस प्रकार, इस व्यवसाय के सभी उप-क्षेत्रों की कमजोरियों को सहायक नीतियों द्वारा नियंत्रित किये जाने की आवश्यकता है। देशों के बीच आपसी सहयोग ही ऊर्जा उत्पादन के स्रोतों में बदलाव, निवेश को बढ़ावा देने और लाखों नये हरित रोजगार पैदा करने का आधार होगा। सरकारों और हितधारकों ने सौर पीवी निर्माण पर अधिक ध्यान देना शुरू कर दिया है, लेकिन और अधिक सहयोग की आवश्यकता है। तेजी से कार्बन मुक्त हो रही दुनिया में इस क्षेत्र के रणनीतिक महत्व के लिए समान विचारधारा वाले देशों को साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। उम्मीद है कि हर जगह मॉड्यूल निर्माण हो रहा होगा। प्रारंभिक वर्षों में समर्थन की आवश्यकता है और एक वैश्विक समुदाय के रूप में, हमें विनिर्माण के लिए वातावरण को सक्षम करने में अन्य देशों को समर्थन प्रदान करने की आवश्यकता है। 110 सदस्य और हस्ताक्षरकर्ता देशों के साथ, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन इस बदलाव के लिए प्रयासरत है। नई प्रौद्योगिकियां बाजार में आयेगी, जिनमें सौर-प्लस बैटरी का प्रतिस्पर्धी होना शामिल हैं। आपूर्ति श्रृंखला के साथ नई सौर पीवी विनिर्माण सुविधाएं 2030 तक अरबों रुपये के निवेश आकर्षित कर सकती हैं। पूरी आपूर्ति श्रृंखला में वार्षिक निवेश स्तर को दोगुना करने की आवश्यकता है। पॉलीसिलिकॉन, इनगोट और वेफर्स निर्माण महत्वपूर्ण चरण हैं और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इनमें अधिक निवेश की आवश्यकता होगी। सौर ऊर्जा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है तथा सौर ऊर्जा के अलावा कोई अन्य उपयुक्त तकनीक नहीं है, जो घरों और समुदायों को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बना सकती है। ग्रिड और मिनी ग्रिड का आपसी जोड़ तथा सामुदायिक रूफटॉप सौर प्रतिष्ठान; इस बदलाव को सक्षम करेंगे। सौर ऊर्जा, नेट जीरो आधरित भारत के उस लक्ष्य को हासिल करने की आधारशिला बन सकती है, जिसे देश ने 2070 के लिए निर्धारित किया है।

■ आर के सिंह

भारत सरकार के ऊर्जा और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री हैं तथा अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के अध्यक्ष हैं। व्यक्त किये गये विचार व्यक्तिगत हैं।

जीएम सरसों पर आधी-अधूरी रिपोर्ट

देश में जीएम सरसों को पर्यावरणीय मंजूरी मिल जाने के बाद सरसों की इस किस्म को चालू रबी सीजन से ही उगाया जाय। इसके लिए जोरदार पैरवी की जा रही है। हालांकि हरित संगठनों के अलावा विभिन्न किसान संगठन भी इसका विरोध कर रहे हैं। इसके विरोध में सबसे मुखर स्वर आरएसएस से जुड़े भारतीय किसान संघ और स्वदेशी जागरण मंच का है। उनका आरोप है कि जेनेटिक इंजीनियरिंग अप्रेजल कमिटी (जीईएसी) गैर जिम्मेदाराना तरीके से काम कर रही है। जीईएसी ने डिवेलपर को एक अनुमतिपत्र में कहा कि उनके समर्थन में प्राप्त सभी जानकारी विदेश से लाई गई थी। हमारे देश में इसके बारे में अध्यन किया जाना बाकी है। इन संगठनों का सवाल है कि यदि भारत में कोई अध्ययन नहीं किया गया तो फिर जीईएसी ऐसा गैरजिम्मेदार, अवैधानिक निर्णय कैसे ले सकती है? **बीटी कॉटन के अनुभव :** इससे पूर्व जीएम बीटी कॉटन को लेकर भी इसी प्रकार के भ्रामक प्रचार किये गए थे कि इसको कीड़ों से कोई नुकसान नहीं होगा और उत्पादन ज्यादा होगा। पिछले 17 वर्षों से बीटी कपास के उत्पादन में कोई खास वृद्धि नहीं हुई है। फिर भी किसानों को दिवास्वप्न दिखाये जा रहे हैं कि कीटनाशकों का छिड़काव कम होने से लागत में कमी आयेगी और प्रति हेक्टेयर उत्पादन में वृद्धि होगी। कृषि मामलों की संसदीय समिति अपनी 37वीं रिपोर्ट में बता चुकी है कि बीटी कॉटन की व्यावसायिक खेती करने से कपास उत्पादकों की माली हालत बजाय सुधरने के और बिगड़ गई। बीटी कॉटन में कीटनाशकों का अधिक उपयोग करना पड़ा। महाराष्ट्र में पिछले दिनों कपास को कीड़े से बचाने की जुगत में किसानों ने अनजाने में मौत को गले लगा लिया। कुछ दिनों में ही महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में 20 से अधिक किसानों की मौत हो चुकी है। इन मौतों का कारण किसानों द्वारा खरीदा गया वह कीटनाशक बताया गया है, जिसे उन्होंने फसलों पर कीड़े खत्म करने के लिए छिड़का था। बीटी कपास की खेती के लिए आवश्यक कीटनाशक का प्रचार करते हुए किसानों को यह नहीं बताया गया कि इसे इस्तेमाल करते समय किन चीजों का खास ध्यान रखना चाहिए। यह भी बताना आवश्यक नहीं समझा गया कि इसको छिडकने से पहले अगर सावधानी नहीं बरती गई तो मौत तक हो सकती है। **भुखमरी दूर होने की दलील :** जीएम फसलों को बढ़ावा देने के पीछे तर्क दिया जा रहा है कि इससे देश में भुखमरी की समस्या समाप्त हो जायेगी और कृषि उत्पादकता में बढ़ोतरी होगी। इससे जुड़े कुछ तथ्यों पर एक नजर डाल ली जाए। 1951-52 के दौरान देश में मात्र 5.2 करोड़ टन अनाज का उत्पादन होता था। आज बिना जीएम तकनीक के 30 करोड़ टन से अधिक का उत्पादन हुआ है। पहले हम गेहूं, चावल, शक्कर के लिए आयात पर निर्भर करते थे। लेकिन अब कोरोना के दौर में भी हमने गेहूं, चावल, शक्कर का निर्यात किया है। आज भारत गेहूं और चावल निर्यात करने वाला दुनिया का दूसरे नंबर का देश है। पिछले 2 वर्षों से 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त 5 किलो राशन उपलब्ध कराना हमारी कृषि सफलता का प्रमाण है। करोड़ों डॉलर की लागत के बाद भी कोई ऐसा जीएम बीज नहीं है, जो स्वाभाविक रूप से उपज बढ़ाता हो। अधिकांश खाद्य और व्यापार नीति से जुड़े संगठनों एवं विशेषज्ञों का कहना है कि कमिटी का निर्णय दबाव और जल्दबाजी में लिया गया है। सरसों की जिस किस्म को मंजूरी दी गई है, वह कम पैदावार वाली है। वर्तमान में जीएम सरसों की श्रेणी डीएमएच-11 से भी ज्यादा उपज वाली चार किस्में भारत में पहले से ही मौजूद हैं। डीएमएच-1, डीएमएच-2, डीएमएच-3, डीएमएच-4 सरसों की पैदावार जीएम सरसों से ज्यादा है। डीएमएच-4 जो एक पारंपरिक किस्म है, जीएम सरसों की तुलना में 14त्न अधिक उपज प्रदान करती है। **शहद उत्पादन पर असर :** जीएम सरसों के विरोध का एक बड़ा कारण मधुमक्खी पालन में आने वाली परेशानी भी है।

> **कृषि मामलों की संसदीय समिति अपनी 37वीं रिपोर्ट में बता चुकी है कि बीटी कॉटन की व्यावसायिक खेती करने से कपास उत्पादकों की माली हालत बजाय सुधरने के और बिगड़ गई। बीटी कॉटन में कीटनाशकों का अधिक उपयोग करना पड़ा। महाराष्ट्र में पिछले दिनों कपास को कीड़े से बचाने की जुगत में किसानों ने अनजाने में मौत को गले लगा लिया। कुछ दिनों में ही महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में 20 से अधिक किसानों की मौत हो चुकी है। इन मौतों का कारण किसानों द्वारा खरीदा गया वह कीटनाशक बताया गया है।**

■ के. सी. त्यागी

ध्यान रहे, ऊपर उठ रहा है हिमालय

मंगलवार की देर रात नेपाल, चीन व भारत में आए भूकंप के झटके अस्वाभाविक नहीं थे। इसका केंद्र नेपाल का मणिपुर था और भूगोल के हिसाब से इंडियन टेक्टोनिट प्लेट पूर्व से पश्चिम तक फैला है, जिसमें हमारा पूर्वोत्तर का इलाका, हिंदुकुश, अफगानिस्तान, पाकिस्तान के कुछ भाग आदि आते हैं। यहां इंडियन प्लेट अपने से कहीं भारी यूरेशियन प्लेट के भीतर समा रही है या टकरा रही है, जिससे न सिर्फ हिमालय ऊपर की ओर उठ रहा है, बल्कि यह पूरा इलाका ही भूकंप के लिहाज से काफी संवेदनशील बन जाता है। फिलहाल 6.3 परिमाप का भूकंप आया है, पर पूर्व में इससे भी अधिक 'मैग्निट्यूड' के कंपन यहां आ चुके हैं। नेपाल का 1934 का भूकंप इसका दर्दनाक उदाहरण है। हिमालय के आस-पास भूकंप का आना बेशक चौंकाने वाली बात न हो, लेकिन ऐसी प्राकृतिक परिघटना को गंभीरता से लेना चाहिए। चूंकि हिमालय का फैलाव काफी दूर तक है, इसलिए यहां हल्की सी भी उथल-पुथल हमें बड़ी चोट दे सकती है। इसकी प्रकृति को देखते हुए ही यहां आठ या इससे भी अधिक तीव्रता के भूकंप की आशंका जाहिर की जा चुकी है। अगर ऐसा होता है, तो नेपाल या सीमावर्ती इलाकों के अलावा दिल्ली या उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी तबाही मच सकती है। अगस्त 1988 में बिहार में आए भूकंप को हम अब तक कहां भूल सके हैं? मुश्किल यह है कि भूकंप का पूवार्नुमान संभव नहीं। चंद हल्की थरथराहटों से बड़े भूकंप की आशंका भी नहीं जाहिर की जा सकती। हां, कुछ तकनीकी और व्यावहारिक उपाय जरूर किये जा सकते हैं। मसलन, एक बेहतर चेतावनी सिस्टम तैयार करना। दरअसल, भूकंप में दो तरह की लहरें पैदा होती हैं- एक 'पी' और दूसरी 'एस'। दोनों में समयांतर होता है। 'पी वेब' अपनी प्रकृति के कारण नुकसान नहीं पहुंचाती, लेकिन 'एस' तुलनात्मक रूप से ज्यादा हानि करती है। जैसे ही दो टेक्टोनिक प्लेट्स आपस में टकराती हैं, तो पहले 'पी' लहर पैदा होती है। मान लीजिये, यदि भूकंप का केंद्र नेपाल है, तो 'पी वेब' को दिल्ली तक पहुंचने में कुछ सेकंड का वक्त लगेगा। इसके बाद ही 'एस वेब' पैदा होगी, जो समान देरी से दिल्ली पहुंचेगी। अगर हमने 'पी वेब' को केंद्र पर ही नाप लिया और इसकी जानकारी तुरंत दिल्ली से साझा कर दी, तो 'एस वेब' की मारकता से बचने के लिए हमारे पास 30 से 50 सेकंड तक का वक्त होगा। इसमें मेट्रो, परमाणु केंद्र, आपात चिकित्सा जैसी अनिवार्य केंद्रों व सेवाओं के लिए बचाव-उपाय किये जा सकते हैं। मैक्सिको जैसे देश ऐसे निगरानी तंत्र से ही अपना बचाव करते हैं। वहां भूकंप से बचने के लिए एजेंसियों को एक से डेढ़ मिनट का वक्त मिल जाता है। जाहिर है, एशिया में इस तरह का तंत्र बनाने के लिए हिमालय के आस-पास बसे सभी देशों को एक मंच पर आना होगा। इसके साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी कई उपाय किये जा सकते हैं, जो कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। जैसे, घर को भूकंपरोधी बनाना। सच भी यही है कि भूकंप इंसान की जान नहीं लेता, इमारतें लेती हैं। अगर हम इमारतों को तैयार करने में आधुनिक व उन्नत तकनीक का इस्तेमाल करते हैं, तो बड़ी तीव्रता के भूकंप भी हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकेंगे। मगर दिक्कत यह है कि अपने देश में 'बिल्डिंग कोड' होने के बावजूद शायद ही घर-निर्माण में इस पर ध्यान दिया जाता है। जाहिर है, कानून लागू करने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी तय करनी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि नई इमारतें पूरी तरह से बिल्डिंग कोड का पालन करें। भूकंप के लिहाज से भारत में चार जोन- 2, 3, 4 और 5 तय किये गये हैं। इसमें जोन-5 काफी संवेदनशील है, तो जोन-2 अपेक्षाकृत कम। मकानों को तैयार करते वक्त इन पर भी गौर किया जाना चाहिए। शहरों के अनियोजित विस्तार ने भी हमारी चिंताएं बढ़ाई हैं। दिल्ली में ही न जाने कितनी अवैध कॉलोनियां बस चुकी हैं। इनमें रहने वाली सघन आबादी निश्चय ही बारूद के ढेर पर है। चूंकि दिल्ली में 6.3 से भी अधिक तीव्रता का भूकंप आ चुका है और यह जोन-4 का हिस्सा है, इसलिए यह आशंका जताई जाती रही है कि बड़ा भूकंप यहां जान-माल का भारी नुकसान पहुंचा सकता है। सौभाग्य से, ऐसी नौबत अब तक नहीं आई है, लेकिन इस आशंका से पार पाने के उपायों पर हमारे नीति-नियंताओं को जरूर सोचना चाहिए। हम चाहें, तो 'रेट्रोफिटिंग' की तरफ ध्यान दे सकते हैं। अच्छी बात है कि साल 2005 में जो आपदा प्रबंधन अधिनियम बना, उसमें आपदा आने से पहले के बचाव-उपायों पर जोर दिया गया। इसमें जन-जागरूकता बढ़ाने की बात भी कही गई, जबकि इससे पहले की नीतियों में आपदा के बाद के राहत-कार्यों पर जोर दिया जाता रहा था। भूकंप से होने वाले नुकसान को टालने के लिए 'प्री-डिजास्टर मैनेजमेंट' काफी जरूरी है। आइसलैंड जैसे देशों में तो छोटे-छोटे परिमाप वाले भूकंप भी माप लिए जाते हैं, जिस कारण वे कहीं अच्छी तैयारी कर लेते हैं। हम ऐसा तंत्र नहीं बना सकते, लेकिन बचाव के उपायों के प्रति गंभीरता दिखाकर अपना नुकसान काफी कम कर सकते हैं। यह समझना होगा कि भूकंप ऐसी प्राकृतिक आपदा है, जिसे कतई रोका नहीं जा सकता, इसलिए बचाव के उपाय ही विकल्प हैं। यहां यह भी जानना चाहिए कि एक बड़े भूकंप के बाद कुछ हल्के कंपन आते ही हैं। इसे 'ऑफ्टर-शॉक' कहते हैं। दरअसल, जमीन के अंदर जब कोई टुकड़ा टूटता है या अपना स्थान बदलता है, तो उसके 'सेटल' होने, यानी किसी नये स्थान पर जमने तक धरती कई बार हल्की-हल्की कांपती है। मगर आम धारणा यही है कि एक बड़ा भूकंप आने के कुछ समय बाद फिर से उसी तीव्रता का कंपन आ सकता है। वैज्ञानिक इस मान्यता को खारिज करते हैं। हां, अगर बड़े भूकंप से आपकी इमारत को थोड़ा-बहुत नुकसान भी पहुंचा हो, तो मुमकिन है कि आने वाले हल्के कंपन भी आपको बड़ी चोट पहुंचा जाएं। यही वजह है कि मंगलवार की देर रात के बाद अब फिर से तुरंत बड़े भूकंप आने की आशंका नहीं जाहिर की जा रही।

> **हिमालय के आस-पास भूकंप का आना बेशक चौंकाने वाली बात न हो, लेकिन ऐसी प्राकृतिक परिघटना को गंभीरता से लेना चाहिए। चूंकि हिमालय का फैलाव काफी दूर तक है, इसलिए यहां हल्की सी भी उथल-पुथल हमें बड़ी चोट दे सकती है। इसकी प्रकृति को देखते हुए ही यहां आठ या इससे भी अधिक तीव्रता के भूकंप की आशंका जाहिर की जा चुकी है। अगर ऐसा होता है, तो नेपाल या सीमावर्ती इलाकों के अलावा दिल्ली या उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी तबाही मच सकती है। अगस्त 1988 में बिहार में आए भूकंप को हम अब तक कहां भूल सके हैं? मुश्किल यह है कि भूकंप का पूवार्नुमान संभव नहीं। चंद हल्की थरथराहटों से बड़े भूकंप की आशंका भी नहीं जाहिर की जा सकती।**

■ अतींद्र के शुक्ला

है न विचित्र बात !

छोटी-छोटी बातों में

दांपत्य जीवन पहेली है। कभी चित तो कभी पट है। कब क्या हो जाए पता नहीं है। एक पति ने पत्नी को जोरदार चांटा लगाते हुए कहा कि पति-पत्नी के संबंध चार लोगों की बीच की गई शादी या फिर फोटो एल्बम में सजी तस्वीरों पर नहीं टिकती। अगर ऐसा ही होता तो पुराने जमाने में कोई शादी न करता। यह तो एक-दूसरे के विश्वास पर टिकती है। इसलिए बार-बार यह कहना बंद करो कि जब मैं तुम्हें चार लोगों के बीच बेइज्जत करूँगी तब पता चलेगा कि मैं क्या चीज हूँ। पति की इज्जत उतारने से भला तुम्हें कौनसा सुख मिलेगा? तुरंत पत्नी ने पलटवार करते हुए कहा झ हाँ सही कहते हैं आप। लेकिन यह बोलने वाले पर निर्भर करता है कि वह सच्चा है या झूठा। झूठ की नींव पर खड़ी सच की गगनचुंबी इमारत भी पल में ढह सकती है। अच्छा! तो ऐसा मैंने क्या झूठ कह दिया जो तुम मुझसे झगड़ रही हो? यही न कि मैंने वाट्सप पर रानी रंग की साड़ी भेजी थी और तुम उसे गुलाबी समझ बैठी। सोचा कि शायद मैं ही गलत हूँ। तुम सही कह रही हो। इसलिए मैं इसे गुलाबी समझ बैठा। फोन का कैमरा फोटो ही ऐसा खींचता है कि वह तुम्हें कुछ का कुछ दिख गया। इसके लिए मुझे झूठा कहना कहाँ तक सही है? वैसे भी जब आदमी को भरपेट खाने को खाना, रहने को घर और पहनने के लिए महंगे-महंगे कपड़े मिलने लगे तो उसके पास ऐसे नुस्ख निकालने के सिवाय दूसरा काम ही क्या रह जाता है। हर छोटी-छोटी बातों पर नुस्ख निकालना और उसके बारे में घंटों मायके में शिकायत करना इसी का उदाहरण है। फिर उस दिन दाल में थोड़ा सा नमक क्या ज्यादा हो गया आप तो अपनी माँ की दाल याद करने लगे। ऐसा कौनसा मैंने जहर बना दिया था। जो आप अपनी माँ को याद करने लगे? जब आदमी की सोच सो जाए तब एक बार के लिए उसे जगाया जा सकता है, लेकिन जो जानबूझकर तिल का पहाड़ में बनाने पर आमदा हो जाएँ, उनकी सोच को नहीं बदला जा सकता। मैंने माँ की दाल इसलिए याद की थी कि तुम इसी बहाने उनसे फोन पर बात कर लो। उनका भी मन करता है कि अपनी बहू से बात करे। मैं तो बात करता हूँ। लेकिन वह भी तुम्हें बहू से ज्यादा बेटी की तरह चाहती हैं। पत्नी कुछ कहती तभी पति का फोन बज उठा। भाभी ने फोन किया था। भाभी ने बताया कि मेरे किडनी देने के बावजूद मैं तुम्हारे भैया को नहीं बचा सकी। इतना कहते-कहते वह बिफर गयीं....।

■ डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
मो. नं. 73 8657 8657

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं डीबी प्रिंट सौल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लि.) प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड में मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25, निचली मंजिल, तानसेन मार्ग, (बंगाली बाजार), नयी दिल्ली-1, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com, (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

न्यूज गैलरी

आगरा में पेड़ से टकराई कार तीन युवकों की मौत

आगरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगरा जिले के थाना फतेहाबाद क्षेत्र में शुक्रवार देर रात पलिया गांव के पास एक कार पेड़ से टकरा गयी जिससे तीन युवकों की मौत हो गई और दो युवक घायल हो गए। आगरा-फतेहाबाद मार्ग पर देर रात करीब 11 बजे लखनऊ की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर पलिया गांव के समीप पेट्रोल पंप के सामने पेड़ से टकरा गई। हादसे की जानकारी मिलने पर क्षेत्राधिकारी सौरभ सिंह, प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचना दी और घायलों को अस्पताल भिजवाया। हादसे में मृतक फिरोजाबाद के जाटवपुरी के रहने वाले थे। इनकी शिनाख्त इमरान पुत्र अरशद अली, नासिर पुत्र शहाबुद्दीन, जबी पुत्र नहीम के रूप में हुई और वकार एवं औवेश गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

बलिया में 11,000 वॉट का करंट लगने से दो की मौत

बलिया (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में शनिवार को खेत में टहलते समय दो युवकों की 11,000 वॉट का करंट लगने से मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गाजीपुर जनपद निवासी अजय पांडेय (27) अपने छोटे बेटे के छठिहार समारोह में शामिल होने सहतवातर थाना क्षेत्र के खानपुर गांव आए थे और शनिवार की सुबह आपने साले संदीप तिवारी (19) के साथ खेत में गये थे। अजय और संदीप खेत में टूट कर गिरे 11,000 वॉट के तार के संपर्क में आ गए और करंट लगने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सहतवार हल्दी मार्ग को जाम कर दिया जिसमें लगभग घंटे भर मार्ग रहा। पुलिस ने दोनों शवों को अपने अधीन लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अखिल गिरि के खिलाफ थाने में लिखित शिकायत, भाजपा ने किया प्रदर्शन

कोलकाता (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले ममता कैबिनेट के सुधार गृह राज्य मंत्री अखिल गिरी के खिलाफ भाजपा ने लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी के जिला सचिव साहिब दास ने नंदीग्राम थाने में इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई है जिसमें उन्होंने दावा किया है कि गिरी के बयान की वजह से उनकी भावनाएं आहत हुई है। उन्होंने तुरंत गिरी के खिलाफ गैर जमानती धाराओं के मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। दूसरी ओर भाजपा की जिला इकाई ने गिरी के बयान को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन और हंगामा किया है। पार्टी ने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम किया और पेड़ों की शाखाएं सड़क पर डालकर यातायात रोक दिया। इसकी वजह से करीब एक घंटे तक गाड़ियों की आवाजाही बंद हो गई थी। प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और भाजपा नेताओं को समझाया गया है हालांकि अपराह्न के समय तक हंगामा जारी था जिसके बाद पार्टी कार्यकताओं ने प्रदर्शन खत्म किया है।

नवादा में छह लोगों की आत्महत्या मामले में सात सूदखोरों पर प्राथमिकी

नवादा (एजेंसी)। नवादा में कर्ज के बोझ के चलते 6 लोगों की सामूहिक आत्महत्या मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। परिवार के मुखिया मृतक केदार लाल गुप्ता के भाई शंभू लाल ने नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें सात सूदखोरों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी टुनटुन सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आत्महत्या के लिए उकसाने सहित भादवि की विभिन्न धाराओं के साथ ही मनी लांड्रिंग एक्ट 1974 के तहत यह प्राथमिकी दर्ज की गई है। मृतक के भाई ने थाना को दिए फर्द बयान में कहा है कि दिल्ली में रहने वाले भतीजा अमित गुप्ता से जानकारी मिली कि भाई केदार, भाभी अनिता देवी, भतीजा प्रिंस कुमार, भतीजी शबनम, गुड़िया व साक्षी ने मजार के पास जाकर जहर खा लिया है। जिसमें भाभी अनिता व भतीजी शबनम की मौत हो गई है। शेष लोगों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया है। जानकारी मिलने पर जब अस्पताल पहुंचे तो देखा कि साक्षी को छोड़ सभी की मौत हो चुकी है। बाद में साक्षी की भी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि 30-32 वर्षों से भाई सपरिवार नवादा में रह रहे थे। उन्होंने पुलिस को यह भी बताया कि कुछ समय पहले नवादा में भाई से मुलाकात हुई थी। भाई ने बताया था कि न्यू एरिया के मनीष सिंह, बैंक वाले विकास सिंह व विनय सिंह, टुनटुन सिंह खटाल वाला, डॉ पंकज सिन्हा व रंजीत सिंह ,सौरभ जी से कर्ज लिया हूं। कर्ज से ज्यादा पैसा उन्हें दे चुका हूं। लेकिन ज्यादा ब्याज बता कर बार बार पैसे की मांग की जा रही है। वे लोग काफी तंग तबाह कर रहे हैं। खाना पीना भी सही से नहीं हो पा रहा है।

योगी ने डेंगू व अन्य संचारी रोगों की रोकथाम के लिए की उच्चस्तरीय बैठक, कहा -

डेंगू की रोकथाम के लिए बेहतर सर्विलांस जरूरी, घर-घर करायें स्क्रीनिंग

- डेंगू से बचाव के लिए हर जिले में बनेंगे डेडिकेटेड हॉस्पिटल
- अस्पताल में आने वाले हर मरीज को बेड मिले, उसकी विधिवत चिकित्सकीय जांच हो

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में डेंगू व अन्य संचारी रोगों की स्थिति की समीक्षा करते हुए रोकथाम के लिए प्रयासों को और तेज करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विगत कुछ सप्ताह के बीच डेंगू व अन्य संचारी रोगों के दुष्प्रभाव में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इनकी बेहतर स्क्रीनिंग के लिए सर्विलांस को बेहतर करने की आवश्यकता है। आशा बहनों का सहयोग लें। घर-घर स्क्रीनिंग कराएं। लक्षणयुक्त मरीजों की पहचान कराते हुए उनके समुचित इलाज की व्यवस्था कराई जाए।

डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल की भांति डेडिकेटेड डेंगू अस्पताल एक्टिव किये जाएं। कम से कम हर जिले में एक ऐसा डेडिकेटेड अस्पताल जरूर क्रियाशील हो। यहां चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता हो, जांच की सुविधा हो, उपचार की पर्याप्त व्यवस्था हो। इसे आइसीसीसी से भी जोड़ा जाना चाहिए।

सभी मंत्री फील्ड में बने रहें। प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित किया जाए अस्पताल में आने वाले हर मरीज को बेड मिले, उसकी विधिवत चिकित्सकीय जांच हो और समय पर इलाज किया जाए। हमारे सभी मेडिकल कॉलेजों सहित जिला अस्पताल, पीएचसी, सीएचसी व अन्य उच्च स्तरीय संस्थान साधन संपन्न हैं। इसका लाभ लोगों को मिलना चाहिए। स्वास्थ्य सेवा अथवा सुरक्षा में तैनात कार्मिकों से मरीजों के तीमारदारों के साथ सहयोगपूर्ण व्यवहार बनाने की अपेक्षा है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग, नगर विकास, पंचायती राज और सूचना विभाग व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाएं। डेंगू के कारण, लक्षण, बचाव आदि के बारे में लोगों को सही जानकारी दी जाए। अखबारों में जागरूकता परक विज्ञापन, दीवार पेंटिंग, पब्लिक एड्रेस सिस्टम आदि के माध्यम से इस बीमारी के कारण प्रभाव और उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाए। डेंगू मरीजों के लिए हर शासकीय अस्पताल में आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं। स्थानीय जरूरतों के अनुसार इनकी संख्या बढ़ाई जाए। हर जिले में डेंगू टेस्टिंग और प्लेटलेट्स की जांच की सुविधा होनी चाहिए। नगर विकास व पंचायती राज विभाग द्वारा प्रदेशव्यापी साफ-सफाई व फॉगिंग का कार्य नियमित कराया जाए।

प्रयागराज में त्रिवेणी तट पर माघमेला की तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। हर श्रद्धालु-हर कल्पवासी अपने व्रत-संकल्प की पूर्ति अपनी आस्था अनुरूप कर सकें, इसके लिए हमें अच्छी व्यवस्था देनी होगी, उनकी जरूरतों का ध्यान रखना होगा। साधु-संतों और कल्पवासियों से संवाद बनाएं। मेला स्थल पर अस्थायी निर्माण का कार्य तेजी से पूर्ण कर लें। प्रयागराज माघ मेला के सुचारु आयोजन के लिए विशेष सचिव और पुलिस अधीक्षक स्तर के एक-एक अधिकारी की तैनाती तत्काल कर दी जाए। मेले की व्यवस्था के प्रति इन अधिकारियों की जवाबदेही होगी। कोविड, डेंगू व अन्य संचारी रोगों से जुड़े एहतियात को ध्यान में रखते हुए स्वच्छता-सैनिटाइजेशन का कार्य हर दिन जारी रखना होगा। मेला क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर भी लगाए जाएं। प्रयागराज माघ मेले सहित सभी मेलों, पर्वों व त्योहारों पर बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक अक्टूबर से प्रारंभ चालू सत्र में अब तक किसानों से 2.60 लाख मीट्रिक टन धान खरीद हो चुकी है। सभी क्रय केंद्र क्रियाशील रहें। धान क्रय केंद्रों पर किसानों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाए। क्रय केंद्र तक आने वाले हर पात्र किसान से धान खरीद की जाए। भुगतान में कतई विलंब न हो। खाद की कहीं कमी न हो, कालाबाजारी करने वालों के साथ सख्ती से निपटें। अतिवृष्टि के कारण जिन भी जिलों में किसानों की फसल का नुकसान हुआ है, उनकी क्षतिपूर्ति बिना विलंब कराई जाए। बुन्देलखण्ड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों सहित 50 जिलों के किसान प्रभावित हुए हैं। एक भी प्रभावित किसान क्षतिपूर्ति से वंचित न रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को निःशुल्क टैबलेट, स्मार्टफोन वितरण का कार्य सुचारु रूप से जारी रखा जाए। हमें अगले पांच वर्षों में दो करोड़ युवाओं को डिजिटल शक्ति से लैस करना है। बिना भेदभाव हर छात्र-छात्रा को टैबलेट, स्मार्टफोन उपलब्ध कराया जाए।

बेसहारा बच्चों का सहारा बनी योगी सरकार

उत्तर प्रदेश में अनाथ बच्चों के जीवन-यापन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अथक प्रयास कर रहे हैं। प्रदेश में कोरोना के दौरान ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता व उनमें से किसी एक की मौत हो गई है उनके भरण-पोषण की व्यवस्था और आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना शुरू की गई थी। इस योजना के अन्तर्गत बेसहारा बच्चों को पालन पोषण के लिए प्रतिमाह 4 हजार रुपये तक की धनराशि दी जाती है। साल 2022-23 में 13371 बच्चों के लिए प्रथम छमाही किस्त की धनराशि सभी जिलों को भेजी जा चुकी है। साथ ही 2217 बच्चों को लैपटॉप के लिए जिलों को धनराशि जारी की गई है। इसके अलावा इसी साल पांच बालिकाओं के लिए शादी अनुदान की धनराशि भी जारी की गई है। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत साल 2022-23 में लगभग 10 हजार से ज्यादा बच्चों को 2500 रुपए प्रतिमाह की दर से दो त्रैमासिक किस्तों की धनराशि दी जा चुकी है। इसके साथ ही 18 साल से कम उम्र तक के ऐसे सभी बच्चे जिनके माता-पिता या अभिभावक की मौत 1 मार्च 2020 के बाद कोविड के अतिरिक्त किसी अन्य कारण से हो गई है, उन्हें भी योजना के तहत राशि आवंटित हो चुकी है। 18 से 23 साल के ऐसे किशोर जिन्होंने अपने माता-पिता अथवा अभिभावक को कोविड या अन्य कारणों से खो दिया है और कक्षा-12 तक शिक्षा पूरी करने के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। वो भी इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। सामान्य श्रेणियों में आने वाले बच्चों को प्रति बालक या बालिका को 2500 रुपये की प्रतिमाह सहायता राशि प्रदान की जाती है।

अखिल ने दी थी शुभेंदु के हाथ पैर तोड़ने की धमकी, प्रबुद्ध जनों ने उठाये सवाल

कोलकाता (एजेंसी)। मेदनीपुर के नंदीग्राम में जनसभा के दौरान ममता कैबिनेट में कारागार राज्यमंत्री अखिल गिरी ने न केवल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी बल्कि नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के हाथ पैर तोड़ने की धमकी दी है। इसे लेकर प्रबुद्ध जनों ने सवाल खड़ा किया है। वरिष्ठ अधिवक्ता और कोलकाता के पूर्व मेयर विकास रंजन भट्टाचार्य ने हिन्दुस्थान समाचार से कहा है कि राजनीति विचारों के विरोध को कहते हैं। इसे विचारों के जरिए ही जाहिर किया जाना चाहिए लेकिन इस तरह का हिंसक बयान राजनीतिक शुचिता को न केवल खराब करता है बल्कि राज्य में हिंसा की राजनीति को भी बढ़ावा देने वाला है। एक साप्ताहिक अखबार के संपादक तथा राजनीतिज्ञ हिमांशु हालदार ने कहा कि राजनीति में कभी भी ऐसी बात तो होनी ही नहीं चाहिए जो लोगों को सुनने में भी बुरी लगे। आज के दौर में राजनीति काफी दूषित होती जा रही हैं और इस तरह की बयानबाजी माहौल को बिगाड़ रही है। वाममोर्चा केंद्रीय समिति के सदस्य रोबिन देव ने कहा कि भले ही आज अखिल गिरी और शुभेंदु अधिकारी अलग-अलग पार्टी में हैं लेकिन दोनों के परिवार के बीच संबंध बेहद मधुर रहे हैं। राजनीति में इतनी शुचिता तो होनी ही चाहिए कि शब्दों पर लगाम रहे। बोलने के बाद उसका दुष्प्रभाव पूरे देश पर ना पड़े। दूसरी तरफ तृणमूल नेता तापस रॉय ने कहा कि माकपा के अनिल बसु और विनय कोडार जैसे बड़े नेता चाकू मारने जैसे हिंसक बयान देते थे। भाजपा के दिलीप घोष, सायंतन बसु, राजू बनर्जी और शुभेंदु अधिकारी भी ऐसे बयान देते रहते हैं। यह बंगाल की संस्कृति निश्चित तौर पर नहीं रही है और हमारी पार्टी से किसी ने ऐसा बयान दिया है यह विश्वास नहीं हो रहा।

आरोपी को गिरफ्तार करने गयी पुलिस टीम पर ग्रामीणों का हमला, आधा दर्जन पुलिसकर्मी घायल, एक की स्थिति चिंताजनक

गया (एजेंसी)। डोभी थाना क्षेत्र के डोभी चतरा सड़क मार्ग पर बहेरा गांव में एक मामले के आरोपी को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इस घटना में आधा दर्जन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसमें एक की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। यह घटना शुक्रवार की रात्रि की बताई जाती है। बताया जाता है कि जैसे ही पुलिस आरोपी के घर के पास पहुंचे,तभी करीब 50 की संख्या में ग्रामीण पुलिसकर्मियों पर पर लाठी, डंडे, ईट, पत्थर से हमला कर घायल कर दिया। प्राप्त

जानकारी के अनुसार गंभीर रूप से घायल पुलिसकर्मी की पहचान कांस्टेबल दुर्गा रजक के रूप में हुई है। दुर्गा रजक को सिर में गहरी चोट है। मालूम हो कि शुक्रवार की रात्रि बहेरा गांव में एससी एसटी एक्ट मामले में आरोपी रूपेश कुमार केसरी को डोभी पुलिस गिरफ्तार करने गई थी। रूपेश कुमार केशरी पर जमीन संबंधी विवाद को लेकर एससी/एसटी एक्ट का मामला पूर्व में स्थानीय थाना डोभी में दर्ज था। इस घटना में दुर्गा रजक के अलावे पुलिस टीम में एसआई गोविंद टीऊ, रंग जी राम, मुकेश कुमार, महेश दास शामिल थे। दुर्गा रजक के साथ इन लोगों को भी चोटें आई है। स्थिति नियंत्रण में बताया जाता है। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया घायल पुलिसकर्मियों का इलाज करवाया जा रहा है। आगे की करवाई जल्द ही की जाएगी।

प्रदेश भाजपा मुख्यालय पर लगे पोस्टर सुब्रत चटर्जी को वापस लाने की मांग

कोलकाता (एजेंसी)। शनिवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय के सामने कई ऐसे पोस्टर देखने को मिले जिसमें मौजूदा भाजपा नेतृत्व पर अविश्वास जताते प्रदेश भाजपा के पूर्व संगठन मंत्री सुब्रत चटर्जी को वापस लाये जाने की मांग की गई है। पोस्टर में लिखा है "बंग बीजेपी बांचाते सुब्रत चाई" यानि बंगाल भाजपा को बचाने के लिये सुब्रत चाहिये। यह पोस्टर किसने लगाया यह अभी स्पष्ट नहीं है। वहीं शनिवार सुबह से ही इस पोस्टर को लेकर फिर से चर्चा शुरू हो गई। इससे पहले शुक्रवार को नदिया समेत कई जिलों में इस तरह के पोस्टर देखे गए थे। बंगाल भाजपा के संगठन में सुब्रत चटर्जी को वापस लाने की मांग के पीछे तर्क भी दिया गया है। पोस्टर में लिखा गया है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को मिली 18 सीटों के पीछे सुब्रत चटर्जी की अहम भूमिका थी। उस समय दिलीप घोष और सुब्रत चटर्जी की जोड़ी से बंगाल भाजपा को सफलता मिली थी। लेकिन बंगाल में दिलीप घोष

और सुब्रत चटर्जी को पार्टी की जिम्मेदारी से हटाए जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में आक्रोश और विरोध चरम पर पहुंच गया। संगठन कमजोर होता जा रहा है। पार्टी के कई सदस्यों ने वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और वर्तमान संगठन मंत्री अमिताभ चक्रवर्ती के नेतृत्व को "अक्षम" बताते हुए खुले तौर पर अपना गुस्सा व्यक्त किया है। साथ ही पार्टी के भीतर मौजूदा प्रदेश नेतृत्व को बदलने की मांग की जाने लगी है।

नीतीश के इशारे पर राजद में जगदानंद को किनारे लगाने की मुहिम : सुशील

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने आज दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह को अपमानित कर पार्टी से बाहर कराने में लग गए हैं। श्री मोदी ने शनिवार को यहां बयान जारी कर कहा कि श्री जगदानंद सिंह और उनके पुत्र पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने धान की सरकारी खरीद में गड़बड़ी को जो मामला उठाया था, उसका निदान करने के बजाय श्री सुधाकर सिंह को मंत्री पद से हटाया गया और अब उनके पिता श्री जगदानंद सिंह को किनारे लगाने की कोशिश हो रही है । उन्होंने कहा कि श्री जगदानंद सिंह से हमारे मतभेद हो सकते हैं, लेकिन ईमानदारी और अपनी पार्टी

के लिए उनकी निष्ठा सराहनीय है। भाजपा नेता ने कहा कि जब श्री सुधाकर सिंह भाजपा के टिकट पर प्रत्याशी थे, तब श्री जगदानंद सिंह ने पुत्रमोह को पार्टी निष्ठा पर हावी नहीं होने दिया था और पुत्र की हार सुनिश्चित की थी। उन्होंने कहा कि चारा घोटाला में श्री लालू प्रसाद यादव के जेल जाने और श्रीमती राबड़ी देवी के अचानक गृहिणी से सीएम बनने पर श्री जगदानंद सिंह ने ही पर्दे के पीछे से सरकार चलाया थी। श्री मोदी ने कहा कि श्री जगदानंद सिंह के सारे एहसान भुला कर अब श्री नीतीश कुमार के इशारे पर श्री तेजस्वी प्रसाद यादव अपने प्रदेश अध्यक्ष को जलील कर रहे हैं। वे डेढ़ माह से पार्टी आफिस नहीं गए और अब संगठन संबंधी सारे कागजात उनसे ले लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इससे पहले राजद ने पूर्व केंद्रीय मंत्री डा. रघुवंश प्रसाद सिंह को ₹एक लोटा पानी ₹ बता कर अपमानित किया था और उन्हें अस्पताल के बिस्तर से अपना इस्तीफा लालू प्रसाद को भेजना पड़ा था। अब श्री जगदानंद सिंह के साथ बदसुलूकी की जा रही है। भाजपा सांसद ने कहा कि राजद में एम-वाइ (मुसलिम-यादव) के अलावा सबको सिर्फ एक लोटा पानी ही समझा जाता है। वहां 'ए टू जेड' की बात केवल दिखावा है।

ट्रांसफॉर्मर में अचानक लगी आग, मची अफरा-तफरी

भागलपुर (एजेंसी)। भागलपुर के आदमपुर स्थित रिहायशी इलाके में शनिवार को एक ट्रांसफार्मर में अचानक आग लगने से पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ट्रांसफार्मर में इस कदर आग लगी कि उसकी चिंगारी कई घरों पर पड़ने लगी। जिससे लोग काफी परेशान हो गए। तभी इसकी सूचना स्थानीय आदमपुर थाना और फायर ब्रिगेड की टीम को फोन पर दी गई। तकरीबन आधे घंटे के बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने आकर ट्रांसफार्मर में लगी आग पर काबू पाया। इस घटना में किसी तरह की हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना को लेकर लेकिन स्थानीय लोग काफी आक्रोशित दिखे। उनका साफ तौर पर कहना था कि बिजली विभाग इस पर विशेष ध्यान देती तो शायद यह घटना नहीं घटित होती।

बिहार के एकलौते रामसर साइट काबर में गूंजी विदेशी पक्षियों की चहचहाहट

बेगूसराय (एजेंसी)। बिहार के इकलौते रामसर साइट बेगूसराय के काबर झील पक्षी विहार एक बार फिर से विदेशी मेहमान पक्षियों की चहचहाहट से गूंज उठा है। ठंड की दस्तक देने के साथ ही विभिन्न साइबेरियन देश से बड़ी संख्या में पक्षी आकर काबर झील में डेरा डाल चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा रामसर साइट घोषित काबर के महालय, कोचालय, रजौड़ा डोव, बहोरा डोव, जरलका, धरारी, मेशहा, धनफर, पटमारा, पइनपीवा, भरहा, दशरथरही, लरही, धनफर, भिलखरा, गुआवाड़ी, सतावय डोव, सखीया डेरा एवं बोटमारा आदि बहियार इलाकों में बड़ी संख्या में लालसर, दिधौंच, सरायर, कारण, डुमरी, अधंग्गी, बोदइन एवं कोइरा आदि के साथ अन्य प्रजाति के चिड़ियों की चहचहाहट गूंज उठी है।

झील परिक्षेत्र में साइबेरियाई

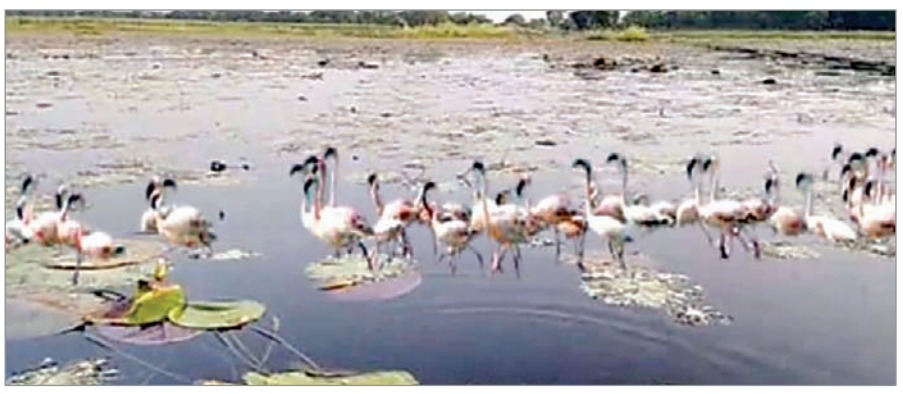

देश रुस, मंगोलिया, चीन आदि देशों से करीब 57 प्रजाति के पक्षी आते हैं तथा 108 प्रकार के देसी, विदेशी पक्षियों की पहचान की गई है। प्रवासी पक्षी ठंड शुरू होते ही नवम्बर माह से आना शुरू कर देते हैं और करीब तीन माह के प्रवास के बाद फरवरी के अंतिम सप्ताह से अपनी घर वापसी यात्रा शुरू कर देते हैं। हालांकि अपने जैव विविधता के कारण सात समुद्र पार तक के विदेशी पक्षियों को आकर्षित करने वाले काबर झील में विदेशी पक्षियों के आगमन के साथ उनका शिकार शुरू हो गया है, जो कि जैव विविधता पर खतरा उत्पन्न कर रहा है। रामसर साइट का बोर्ड लगने के साथ कुछ नया होने की आशा थी, लेकिन वन विभाग के अधिकारियों की उदासीनता के कारण वंश वृद्धि की साथ लेकर आने वाले विदेशी मेहमान पक्षियों की संख्या घटते जा रही है।

काबर नेचर क्लब के संरक्षक महेश भारती बताते हैं कि जैव विविधता से परिपूर्ण काबर वेटलैंड खासकर प्रवासी पक्षियों का स्वर्ग है। यहां 60 प्रजातियों की प्रवासी पक्षियां मध्य एशिया, चीन, मंगोलिया और साइबेरिया आदि जगहों से आती है। अपने वास स्थान में पड़ने वाले बर्फ और प्रतिकुल मौसम से बचने और अनुकूल वासस्थान की खोज के लिए यह पक्षी हजारों किलोमीटर की दूरी तय कर भारत के जलाशयों तक पहुंचते हैं। नवम्बर माह आते ही इनकी चहचहाहट गूंजने लगी है, इन्हें बुलाने में काबर पारिस्थितिकी तंत्र कारगर साबित होता है।

काबर परिक्षेत्र में चिड़ियों के शिकार पर 1986 से प्रतिबंध लागू है। लेकिन बिहार के अंतराष्ट्रीय महत्व के एकमात्र रामसर साइट काबर टाल पक्षी विहार क्षेत्र में नेट और जाल को बांस के सहारे स्थाई बांधकर बड़े पैमाने पर पक्षियों का शिकार किया जाता है। काबर टाल के अंदर जल जंगल के बीच हजारों विभिन्न प्रजातियों के पंछी रहते और विदेशों से प्रवास करने आते हैं। लेकिन, इस क्षेत्र में सैकड़ों जाल दूर देश से आने वाले प्रवासी पक्षियों के शिकार के लिए लगाकर शिकार किया जाता है। प्रतिबंधित क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर नेट का प्रयोग कर स्थाई तौर पर पक्षियों का शिकार वन पर्यावरण विभाग, प्रशासन और सभ्य समाज पर एक धब्बा जैसा है।

महेश भारती कहते हैं कि मानवीय हलचल और शिकार माही के कारण यहां से कई स्थानीय और प्रवासी पक्षी गायब होते जा रहे हैं, इससे जैव विविधता पर बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है। जैव विविधता को नष्ट करते यहां खुलेआम देखा जा सकता है। लेकिन इसपर अब तक ना तो सरकार का ध्यान है और ना ही समाज का। शासन-प्रशासन को इन प्रवासी मेहमान के सुरक्षा की व्यवस्था करनी चाहिए, मानवीय हरकत पर रोक लगानी चाहिए। सुरक्षित जोन बनाकर, सभी का प्रवेश वर्जित करके ही यहां की गतिविधि संतुलित की जा सकती है। वृक्षारोपण और प्राकृतिक सिस्टम को संतुलित रखे बिना कुछ भी नहीं हो सकता है। फिलहाल बिहार के इस रामसर साइट पर भारी संख्या में पर्यटक नाव के सहारे टूर करने के लिए आकर्षित होने लगे हैं।

महिलाओं का तो हर हाल में सम्मान करना चाहिए : जयाप्रदा

वाराणसी (एजेंसी)। फिल्म अभिनेत्री व पूर्व सांसद जयाप्रदा और प्रयागराज की भाजपा सांसद डॉ रीता बहुगुणा जोशी शनिवार को महमूरगंज स्थित शुभम लॉन में तेजस्विनी फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुई। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत के दौरान जयाप्रदा ने वाराणसी में आयोजित हो रहे काशी-तमिल संगमम के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उत्तर और दक्षिण में लगातार संवाद होना चाहिए। सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी होना चाहिए। इस कार्यक्रम से उत्तर और दक्षिण के लोग और ज्यादा करीब आएंगे। सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान की विधानसभा की सदस्यता कोर्ट द्वारा सुनाई गई सजा के कारण रद होने से जुड़े सवाल पर जयप्रदा ने कहा कि आजम खान ने जो बोया था, वहीं काट रहे हैं। आजम खान के साथ जो हो रहा है वह एक मिसाल है। राजनीति हो या कोई भी फील्ड

हो, हर इंसान को इंसान का सम्मान करना चाहिए। महिलाओं का तो हर हाल में सम्मान करना चाहिए। कभी भी किसी के लिए हमें अभद्र शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। रामपुर में किस पार्टी के जीत से जुड़े सवाल पर जयाप्रदा ने कहा कि रामपुर का चुनाव भाजपा जीत रही है। सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से जुड़े सवाल पर बोलने से मना कर दिया। इसके पहले कार्यक्रम में पहुंचने पर जयाप्रदा और रीता बहुगुणा जोशी का फाउंडेशन की कार्यकताओं ने फाउंडेशन की रश्मि रॉय और मीनू उपाध्याय के नेतृत्व में गर्मजोशी से स्वागत किया।

न्यूज गैलरी

टी-20 विश्व कप की जीत से हमारी फुटबॉल टीम को मिलेगी प्रेरणा : बटलर

मेलबर्न (एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर का कहना है कि अगर उनकी टीम रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 विश्व कप फाइनल में जीत जाती है तो यह प्रदर्शन फीफा विश्व कप में उनके देश की टीम को प्रेरित करेगा। बटलर ने कप्तान के तौर पर अपनी पहली वैश्विक प्रतियोगिता में टीम को खिताबी मुकाबले में पहुंचा दिया है। यह पूछने पर कि क्या देश की फुटबॉल टीम क्रिकेट टीम से प्रेरणा ले सकती है तो मृदुभाषी कप्तान ने कहा कि बिलकुल, मुझे निश्चित रूप से ऐसी उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड की संस्कृति में खेल इतना अहम हिस्सा है और विश्व कप में टीमों को समर्थन देना इंग्लैंड में काफी होता है। आप भी निश्चित रूप से इस समर्थन को महसूस कर सकते हो। इंग्लैंड फीफा विश्व कप में ग्रुप बी में ईरान, वेल्स और अमेरिका के साथ शामिल है।

पंजाब किंग्स को धुरंधर जोड़ी के दम पर आईपीएल जीतने की उम्मीद

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के सह मालिक नेस वाडिया को उम्मीद है कि कप्तान शिखर धवन और कोच ट्रेवर बेलिस की जोड़ी आईपीएल खिताब का उनका लंबा इंतजार खत्म करेगी। आईपीएल का 2008 में शुरुआत के बाद से पंजाब 2014 में फाइनल में पहुंचा, लेकिन पिछले चार सत्र में प्लेऑफ में भी जगह नहीं बना सका। इसके बाद धवन को मयंक अग्रवाल की जगह कप्तान बनाया गया जबकि इंग्लैंड को 2019 वनडे विश्व कप और केकेआर को दो आईपीएल खिताब दिलानेवाले कोच बेलिस को अनिल कुंबले की जगह दी गई। वाडिया ने कहा कि हम चाहते हैं कि वे हमें अंतिम चार तक ले जायें और फिर खिताब दिलाये। धवन और ट्रेवर के अपार अनुभव से हमें फायदा मिलना चाहिए। खिलाड़ियों को बरकरार रखने (रिटेंशन) की 15 नवम्बर की समय सीमा से पहले वाडिया ने कहा कि हम कोशिश करेंगे कि कोर टीम बरकरार रहे। हमें सुनिश्चित करना होगा कि विश्लेषण सटीक हो। इस पर काम चल रहा है।

न्यूजीलैंड के ग्रेग बारक्ले फिर बने आईसीसी अध्यक्ष

दुबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले को शनिवार को दूसरी बार अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का अध्यक्ष चुना गया है। जिम्बाब्वे के तवेंगवा मुकुहलानी के प्रक्रिया से हटने के बाद ग्रेग बार्कले का निर्विरोध चुनाव किया गया था और बोर्ड ने अगले दो सालों तक अध्यक्ष के रूप ग्रेग बार्कले के काम का पूर्ण समर्थन दिया। बार्कले ने अपनी पुनर्नियुक्ति पर कहा कि पिछले दो वर्षों में हमने अपनी वैश्विक विकास रणनीति के शुभारंभ के साथ महत्वपूर्ण प्रगति की है जो हमारे खेल के लिए एक सफल और टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए स्पष्ट दिशा प्रदान करती है। यह क्रिकेट में शामिल होने का एक रोमांचक समय है और मैं अपने सदस्यों के साथ मिलकर काम करना जारी रखता हूं ताकि खेल को मजबूत किया जा सके और साथ ही इसे आगे बढ़ाया जा सके, साथ में यह सुनिश्चित किया जा सके कि दुनिया के अधिक लोग क्रिकेट का आनंद ले सकें। बता दें कि ऑकलैंड स्थित एक वाणिज्यिक वकील बार्कले को मूल रूप से नवंबर 2020 में आईसीसी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था।

टीम इंडिया में बड़े बदलाव के आसार, सीनियर प्लेयर्स दो साल में हटेंगे : रिपोर्ट

बेंगलुरु (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप 2022 में भारतीय टीम की सेमीफाइनल में शर्मनाक हार के बाद बीसीसीआई बड़े फैसले लेने के मूड में आ गया है। भारतीय टीम ने विश्व कप के बाद न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है जहां तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेले जाने हैं। इसके लिये घोषित टीम से सीनियर प्लेयर्स का रेस्ट दे दी गयी है। आगामी टीम में अश्विन, विराट कोहली और रोहित शर्मा नहीं हैं। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अगले दो वर्षों में अगले टी-20 विश्व कप के लिए बड़े पैमाने पर बदलाव लाने के लिए तैयार है, जो कि 2024 में अमेरिका में होगा।

टॉप ऑर्डर फेल रहा : विश्व कप में रोहित शर्मा और लोकेश राहुल की ओपनिंग जोड़ी बुरी तरह फ्लॉप रही। छह मैचों में एक बार भी दोनों 50 रन की पार्टनरशिप नहीं बना सके। बीसीसीआई ने पूरे साल में ऋतुराज गायकवाड़, ईशान

किशन, संजू सैमसन और दीपक हुड्डा से भी ओपनिंग करवाई थी। लेकिन बाद में रोहित और राहुल पर ही भरोसा किया गया। दोनों ने इंग्लैंड के खिलाफ 9 (10), बनाम जिम्बाब्वे 27 (23), बनाम बांगलादेश 11 (21), बनाम दक्षिण अफ्रीका 23 (26), बनाम नीदरलैंड 11 (16), बनाम पाकिस्तान 7 (11) की ही पार्टनरशिप की थी।

दिनेश कार्तिक ने भी निराश किया : बीसीसीआई विकेटकीपर के लिए ईशान किशन, संजू सैमसन, दिनेश कार्तिक, ऋषभ पंत और लोकेश राहुल में विकल्प देखे। कार्तिक को आईपीएल में बढ़िया परफॉर्मेंस के कारण विश्व कप में चुना गया जबकि पंत को बैकअप कीपर रखा गया। कार्तिक चार मैच में 14 रन ही बना पाये। पंत ने दो मैचों में सिर्फ नौ रन।

केएल राहुल नॉकआऊट में हो रहे फेल : भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल का प्रदर्शन नॉकआऊट मुकाबलों में अच्छा नहीं रहा है। पाकिस्तान के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबलों में वह रन नहीं बना पाये। इस विश्व कप में उनसे काफी उम्मीदें थीं, लेकिन वह जिम्बाब्वे और बांगलादेश को छोड़कर किसी बड़ी टीम के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये। सेमीफाइनल मुकाबले में भी वह पांच रन बनाकर चलते बने।

बढ़ती उम्र भी बनी वजह : यह भी पता चला है कि कई सीनियर खिलाड़ी जिनमें रविचंद्रन अश्विन और मोहम्मद शमी शामिल हैं, अब लंबे समय तक छोटे प्रारूप की योजना का हिस्सा नहीं होंगे। ऑस्ट्रेलिया में विश्व कप के लिए चुने गये अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भी अब दीर्घकालिक योजना का हिस्सा नहीं हैं। बीसीसीआई मान रही है कि आगामी विश्व कप नये टीम इंडिया खड़ी करनी है। ऐसे में रोहित शर्मा जैसे सीनियर्स को भी विराम देने की व्यवस्था हो सकती है। इन्हें ज्यादा मौके न देने के पीछे एक वजह इनकी बढ़ती उम्र भी है।

29 खिलाड़ियों को आजमाया

2021 विश्व कप के बाद रोहित को कप्तानी मिली तो राहुल द्रविड़ नये कोच बनाये गये। टीम इंडिया ने 2022 विश्व कप से पहले 35 टी-20 मैच खेले। इनमें सात नये खिलाड़ियों समेत 29 को आजमाया गया। चार कप्तान भी बदले गये, लेकिन विश्व कप नजदीक आते ही लगभग पुरानी टीम चुनी गयी। इन्होंने सेमीफाइनल में निराश किया। सीनियर प्लेयर्स की रणनीति धरी की धरी रह गयी। ऐसे में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

हार्दिक ही होंगे अगले कप्तान

हार्दिक पांड्या ने आईपीएल में अपनी कप्तानी डेब्यू में ही खिताब जीतने में सफलता हासिल की थी। उन्हें न्यूजीलैंड दौरे पर जा रही भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है। उनके कप्तान बनने पर पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर भी खुश हैं। उन्होंने बीते दिन कप्तान के तौर पर हार्दिक की तारीफ की थी। अब सूत्र बताते हैं कि हार्दिक को ही अगले टी-20 विश्व कप में कप्तान के तौर पर देखा जा रहा है इसके लिये उसे ज्यादा से ज्यादा मौके दिये जायेंगे।

टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल आज

बारिश की 95 प्रतिशत संभावना, मैच नहीं हुआ तो इंग्लैंड-पाकिस्तान को साझा करनी पड़ेगी ट्रॉफी

मेलबर्न (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप 2022 का फाइनल मुकाबला पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच रविवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जायेगा। ताजा खबर यह है कि इस मुकाबले में बारिश की आशंका बनी हुई है। रविवार को मेलबर्न में बारिश होगी, इसके 95 फीसदी चांस बताये गये हैं। स्थानीय मौसम विभाग के मुताबिक, ला नीना के कारण बारिश हो सकती है। इसी स्थिति से निपटने के लिए आईसीसी ने रिजर्व डे रखा है। मतलब रविवार को खेल नहीं हुआ और मैच पूरा नहीं हुआ तो उसी स्थिति में अगले दिन खेला जायेगा। दोनों देशों के खेल प्रेमियों के लिए चिंता की बात यह है कि सोमवार को भी बारिश की आशंका है। कुल मिलाकर हो सकता है कि फाइनल मुकाबला पूरा ही नहीं हो सके।

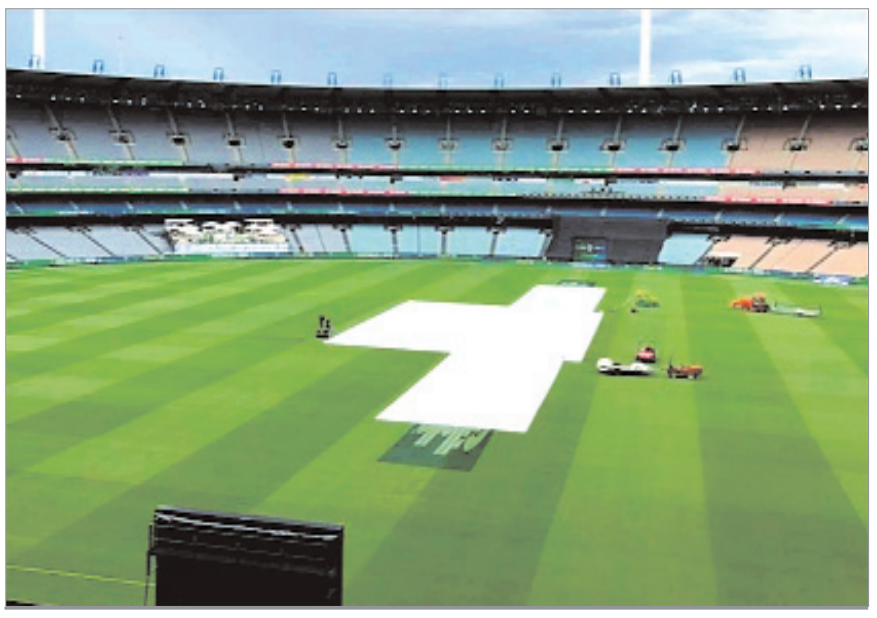

सवाल यही है कि इस स्थिति में किसे टी-20 वर्ल्ड चैम्पियन माना जायेगा?

आईसीसी के नियमों के मुताबिक, टॉस होते ही मैच लाइव माना जायेगा। इसके बाद यदि बारिश होती है तो रिजर्व डे में खेल पूरा करने की कोशिश की जायेगी। यदि दोनों टीमों को कम से कम 10-10 ओवर खेलने को मिलता है तो ही मैच पूरा माना जायेगा। मेलबर्न में रविवार को 25 मिलीमीटर बारिश की आशंका है। वहीं, सोमवार को भी 10 मिलीमीटर बारिश की आशंका है। यदि मौसम विभाग का यह अनुमान सच साबित होता है तो फाइनल मैच खेला जाना मुश्किल है। आईसीसी की कोशिश होगी कि दोनों दिन मिलाकर नतीजा निकले, लेकिन यदि मैच पूरा नहीं हो पाया तो पाकिस्तान और इंग्लैंड को ट्रॉफी साझा करना होगी। टी-20 विश्व कप विजेता टीम को 1,600,000 डॉलर यानी लगभग 13 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं, फाइनल में हारने वाली (रनर अप) टीम को 8,00,000 डॉलर (करीब 6.50 करोड़ रुपए) से संतोष करना होगा। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमों को 4,00,000 डॉलर (3 करोड़ रुपए से अधिक) मिलेंगे।

इरफान ने पाक के पीएम को दिया करारा जवाब, कहा- खुद के मुल्क को बेहतर करो

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम को आईसीसी टी-20 विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड से हार मिली तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारतीय टीम की आलोचना की थी। उन्होंने ट्वीट करते हुए तंज कसा, जिसपर भारत के दिग्गज इरफान पठान ने अब करारा जवाब दिया। भारत को सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने आसानी से 10 विकेट से हरा दिया था। हार के बाद, पाकिस्तान के पीएम ने ट्विटर पर पोस्ट किया था, तो, इस रविवार, यह है: 152/0 बनाम 170/0। पहला आंकड़ा दर्शाता है कि पाकिस्तान ने पिछले साल विश्व कप के मैच में भारत के खिलाफ जीत हासिल की थी। टी-20 विश्व कप में भारत अब तक केवल यही दो मैच 10 विकेट से हारा है। ऐसे में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने भारत को ताना मारा। शनिवार को इरफान ने ट्वीट का जवाब देते हुए कहा कि आप में और हम में फर्क यही है। हम अपनी खुशी से खुश और आप दूसरे के तकलीफ से। इसलिए खुद के मुल्क को बेहतर करने पर ध्यान नहीं है। इससे पहले दिन में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम से भी मेलबर्न में अपने प्री-मैच प्रेसर के दौरान ट्वीट के बारे में पूछा गया था कि क्या इस तरह के सोशल मीडिया पोस्ट टीम पर अधिक दबाव डालते हैं। बाबर ने इसका जवाब देते हुए कहा कि ऐसा कोई दबाव नहीं है। लेकिन क्षमा करें, मैंने यह ट्वीट नहीं देखा, इसलिए मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है। लेकिन हां हम सिर्फ विपक्ष के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं।

भारत का धुरंधर बल्लेबाज लायेगा टी-20 क्रिकेट में क्रांति : बल्लेबाजी कोच

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने सूर्यकुमार यादव की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह भारतीय टी-20 क्रिकेट में क्रांति लायेंगे। सूर्यकुमार ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए 189.68 के स्ट्राइक रेट से 239 रन बनाये थे। एक शो में चर्चा के दौरान बांगर ने कहा कि सूर्यकुमार भारतीय टी-20 क्रिकेट में क्रांति लायेंगे और प्रबंधन को उनके जैसे अधिक बहुआयामी खिलाड़ी खोजने होंगे। बांगर ने कहा कि सूर्यकुमार यादव एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो भारतीय टी-20 क्रिकेट में क्रांति लायेंगे। आपको उसके जैसे और भी बहुआयामी खिलाड़ी तलाशने होंगे, बिल्कुल इंग्लैंड की टीम की तरह, जो नौवें या दसवें नंबर तक के हरफनमौला खिलाड़ियों से भरी हुई है। भारत के पूर्व ऑलराउंडर ने कहा कि सूर्यकुमार एक प्रेरणादायक व्यक्ति हैं और आनेवाले समय में उन जैसे और भी खिलाड़ियों को और प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी जो अपने शॉट्स के साथ विकेट के दोनों किनारों को निशाना बना सकते हैं, स्विच हिट, रिवर्स स्वीप खेल सकते हैं और अपरंपरागत शॉट ढूंढ सकते हैं। मुझे लगता है कि ऐसे खिलाड़ियों को और प्रोत्साहन मिलेगा। उसके पास जितने विकल्प हैं, वह हर तरह के शॉट खेलते हैं। वह एक प्रेरणा हैं और आगे आपको ऐसे और खिलाड़ी देखने को मिलेंगे जो इस तरह खेलते हैं। बांगर ने कहा कि सूर्यकुमार ऑलराउंड बल्लेबाज बन गये हैं, जबकि पहले वह केवल फाइन लेग पर अपने शॉट्स के लिए जाने जाते थे। उन्होंने

कहा कि वह पूरी तरह से हरफनमौला बल्लेबाज बन गया है। एक समय था जब सूर्यकुमार यादव फाइन लेग पर सिर्फ शॉट खेलने के लिए जाने जाते थे। अब उनका दायरा बढ़ गया है, उनका कद बढ़ गया है। बांगर ने आगे कहा कि विशेष बात यह है कि दबाव की स्थिति में, चाहे वह ऑस्ट्रेलियाई हो या इंग्लैंड की परिस्थितियां, जिन्हें बल्लेबाजी के लिए सबसे कठिन माना जाता है, वह वहां गए हैं और अपने पहले दौरे पर ही उन्होंने अपना प्रभाव छोड़ा है।

अर्जेंटीना ने विश्व कप के लिए टीम की घोषित

■ प्रतिद्वंद्वी ब्राजील की तुलना में दो फॉरवर्ड कम

ब्यूनर्स आयर्स (एजेंसी)। अर्जेंटीना की टीम कतर में विश्व कप के लिए नौ डिफेंडर, सात मिडफील्डर और सात फॉरवर्ड लेकर जायेगी। अर्जेंटीनी कोच लियोनल स्कालोनी की टीम का लक्ष्य अपनी कोपा अमेरिका सफलता हासिल करना है। स्कालोनी ने 26 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की जिसमें प्रतिद्वंद्वी ब्राजील की तुलना में दो फॉरवर्ड कम हैं। अर्जेंटीना ने 2021 में कोपा अमेरिका में जीत दर्ज की थी जो 28 साल में उसकी पहली मेजर ट्रॉफी थी। विश्व कप की टीम में 21 खिलाड़ी कोपा अमेरिका में खेलने वाले हैं। लियोनल मेस्सी की टीम को पिछले 35 मैचों में हार का सामना नहीं करना पड़ा है। स्सी (35 साल) अपने पांचवें विश्व कप में खेलेंगे और पूरी संभावना है कि यह उनका अंतिम विश्व कप होगा। उनके साथ अन्य अनुभवी स्ट्राइकर एंजेल डि मारिया (34), डिफेंडर निकोलास ओटामेंडी (34) और गोलकीपर फ्रांको अरमानी (36) शामिल हैं। अर्जेंटीना ने फॉरवर्ड लौटारो मार्तिनेज और मिडफील्डर एंजो फर्नांडिज को भी शामिल किया है। अर्जेंटीना कतर में अपने अभियान की शुरुआत 22 नवम्बर को सऊदी अरब के खिलाफ करेगा। मेक्सिको और पोलैंड की टीमें भी ग्रुप सी में शामिल हैं।

अर्जेंटीना टीम : -

गोलकीपर : एमिलियानो मार्तिनेज, गेरोनिमो रूली, फ्रांको अरमानी।

डिफेंडर : नाहुएल मोलिना, गोंजालो मानटिएल, मार्कोस अकुना, क्रिस्टियन रोमेरो, जर्मन पेजेला, निकोलास ओटामेंडी, लिसांद्रो मार्तिनेज, निकोलास टागलियाफिको।

मिडफील्डर : रोड्रिगो डि पॉल, लियांद्रो पारेडेस, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, गुइडो रोड्रिगुएज, पापु गोमेज, एंजो फर्नांडिज, एक्सेक्विल पालासियोस।

फॉरवर्ड : एंजेल डि मारिया, लौटारो मार्तिनेज, जोक्विन कोरिया, जुलियन अल्वारेज, पाउलो डिबाला, निकोलास गोंजालेज, लियोनल मेस्सी।

नेशन्स कप से प्रो लीग के लिए क्वालीफाई करना लक्ष्य : सविता

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया ने शुक्रवार को कहा कि एफआईएच नेशन्स कप 2022 जीतकर एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 में जगह बनाना टीम का लक्ष्य है। एफआईएच महिला नेशन्स कप अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण आयोजन है, क्योंकि इसे जीतनेवाली टीम को एफआईएच हॉकी महिला प्रो लीग के 2023-2024 सीजन में पदोन्नत किया जायेगा। कप्तान सविता ने कहा कि हमारी टीम एफआईएच महिला नेशन्स कप 2022 के लिए कैंप में कड़ी मेहनत कर रही है। हम टूर्नामेंट जीतने के लिए दृढ़ हैं, क्योंकि यह हमें एफआईएच हॉकी महिला प्रो लीग 2023-2024 के अगले सत्र में भी भाग लेने की इजाजत देगा। एफआईएच हॉकी महिला प्रो लीग के पिछले संस्करण में खेलना हमारे लिए एक अच्छा अनुभव था और हम अगले संस्करण में भी खेलना चाहते हैं। यह एशियाई खेलों और 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए एक अच्छी

तैयारी के रूप में काम करेगा। भारतीय महिलाओं को नेशन्स कप में कनाडा, जापान और दक्षिण अफ्रीका के साथ पूल बी में रखा गया है, जबकि पूल-ए में आयरलैंड, इटली, कोरिया और स्पेन हैं। सविता ने कहा कि भारतीय टीम प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ देगी। उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ियों को एफआईएच महिला नेशंस कप 2022 में अच्छे प्रदर्शन का भरोसा है। हम अपनी सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलेंगे और योजनाओं पर ठीक तरह अमल करेंगे। सविता ने कहा कि हमारी नजर अगले साल होने वाले एशियाई खेलों पर भी है। एशियाई खेलों तक हर टूर्नामेंट उसकी तैयारी के रूप में काम करेगा और मुझे यकीन है कि नेशन्स कप में अच्छे प्रदर्शन के साथ सभी खिलाड़ियों को बहुत जरूरी आत्मविश्वास मिलेगा।

विश्व टीम शतरंज चैम्पियनशिप : विदित के नेतृत्व में उतरेगी भारतीय टीम

येरूसलम/इजराइल (एजेंसी)। इस माह 19 से 26 नवम्बर के दौरान भारतीय शतरंज टीम एक बार फिर विश्व टीम चैम्पियनशिप में देश को पदक दिलाने के इरादे से खेलती नजर आएगी और इस बार एक फिर ग्रांडमास्टर विदित गुजराती टीम के प्रमुख खिलाड़ी होंगे। टीम में विदित के अलावा एसएल नारायनन, निहाल सरीन, कृष्णन शशिकिरण, एसपी सेथुरमन और अभिजीत गुप्ता भी शामिल किए गए हैं। भारत को प्रतियोगिता में अजरबैजान, चीन, फ्रांस, इजराइल, नीदरलैंड, पोलैंड, साउथ अफ्रीका, स्पेन, उक्रेन, यूएसए और उज्बेकिस्तान से चुनौती मिलेगी। प्रतियोगिता में मौजूदा विश्व रैंकिंग के आधार पर चारों महाद्वीप एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका से टीमों का चयन किया गया है। प्रतियोगिता में पहले स्टेज में सभी टीमों को दो पूल में बांट दिया जायेगा जिसमें राउंड रॉबिन आधार पर उन्हें पांच राउंड खेलने को मिलेंगे। दूसरे स्टेज में दोनों पूल की शीर्ष चार टीम प्ले ऑफ में पहुंच जायेंगी, जहां क्वार्टर फाइनल, सेमी फाइनल और फाइनल के मुकाबले खेले जायेंगे।

न्यूज गैलरी

घरेलू एयरलाइन उद्योग को चालू वित्त वर्ष में 17,000 करोड़ रुपए तक घाटे का अनुमान

मुंबई। घरेलू एयरलाइन उद्योग को चालू वित्त वर्ष में 15,000–17,000 करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। एक रिपोर्ट में शुक्रवार को कहा गया कि निकट भविष्य में उनका वित्तीय प्रदर्शन दबाव में रहेगा। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा कि घरेलू यात्री यातायात में अच्छा सुधार है लेकिन विमान ईंधन (एटीएफ) की ऊंची कीमतों के कारण निकट से मध्यम अवधि में एयरलाइंस की कमाई और नकदी के लिए जोखिम बना रहेगा। घरेलू विमान यात्रियों की संख्या अक्टूबर में सालाना आधार पर लगभग 26 प्रतिशत बढ़कर 114 लाख हो गई थी। एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 90 लाख था। रेटिंग एजेंसी ने रिपोर्ट में कहा कि अक्टूबर का आंकड़ा हालांकि महामारी से पहले के स्तर के मुकाबले आठ प्रतिशत कम है। इक्रा का घरेलू विमानन उद्योग पर नकारात्मक दृष्टिकोण है। रिपोर्ट के अनुसार, डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट के कारण भी एयरलाइंस की लागत बढ़ेगी। पट्टा देनदारियों सहित ऋण का स्तर चालू वित्त वर्ष में लगभग एक लाख करोड़ रुपए होने की उम्मीद है।

हिंदुजा परिवार के बीच ब्रिटेन की अदालत में चल रहे मुकदमे में समझौता

लंदन। ब्रिटेन के हिंदुजा बंधु, जो अपनी अरबों डॉलर की पारिवारिक संपत्ति को लेकर ब्रिटेन के उच्च न्यायालय में कानूनी विवाद से जूझ रहे थे, उन्होंने आपस में एक गोपनीय समझौता किया है। लंदन की एक अपीलीय अदालत ने अपने फैसले में यह जानकारी दी। यह मामला 86 वर्षीय श्रीचंद हिंदुजा द्वारा अपने भाइयों जी पी हिंदुजा, पी पी हिंदुजा और ए पी हिंदुजा के खिलाफ अदालत में लाया गया था। यह दो जुलाई 2014 के एक पत्र की वैधता और प्रभाव से संबंधित था। यह मामला इस बात से जुड़ा हुआ था कि परिवार का सबकुछ प्रत्येक व्यक्ति से संबंधित है और कुछ भी किसी से भी संबंधित नहीं है।" इस पर कानूनी विवाद नवंबर, 2019 से चल रहा था। न्यायाधीश ने कहा कि 30 जून, 2022 को परिवार ने एक गोपनीय समझौता किया।

एलन मस्क के आठ डॉलर के चक्कर में दवा कंपनी ने गंवाए 15 अरब डॉलर

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ट्विटर पर ब्लू टिक वेरिफिकेशन बेचकर कमाई करने की सोच रहे थे। लेकिन यह दांव उनके लिए उल्टा पड़ता दिख रहा है। आठ डॉलर देकर कई यूजर्स ने फर्जी अकाउंट्स बना लिए और फिर उल्टे–सीधे ट्वीट करने शुरू कर दिया। अमेरिका की दिग्गज फार्मा कंपनी एली लिलि को इसके चक्कर में 15 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। किसी ने आठ डॉलर देकर इंसुलिन बनाने वाली इस कंपनी के नाम पर ब्लू टिक ले ली और फिर इस फर्जी अकाउंट से ट्वीट कर दिया कि अब इंसुलिन फ्री में मिलेगी। फिर क्या था शुक्रवार को कंपनी के शेयर औंधे मुंह गिर गए और उसका मार्केट कैप 15 अरब डॉलर गिर गया। ट्विटर ने दो दिन पहले ही ब्लू टिक सब्सक्रिप्शन शुरू किया था। इसमें कोई भी यूजर आठ डॉलर देकर ब्लू टिक ले सकता है। लेकिन कई यूजर्स ने इसका गलत फायदा उठाया। उन्होंने कई हस्तियों और जाने–माने ब्रांड्स के नाम पर ब्लू टिक ले ली। इसके बाद ट्विटर को मजबूरन यह सर्विस फिलहाल बंद करनी पड़ी। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। कम से कम एली लिलि के लिए तो इससे भारी नुकसान हुआ है। कंपनी के फेक ट्विटर अकाउंट से गुरुवार को ट्वीट किया गया था कि अब इंसुलिन फ्री मिलेगी। इससे कंपनी के निवेशकों में हड़कंप मच गया और विगत शुक्रवार को बाजार खुलते ही कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट आई।

दिवालिया हो चुके क्रिप्टो एक्सचेंज के अकाउंट से ग्राहकों के 8000 करोड़ हुए गायब

दिल्ली (एजेंसी)। दिवालिया हो चुके क्रिप्टो एक्सचेंज प्लेटफॉर्म एफटीएक्स से ग्राहकों के 1 अरब डॉलर यानि लगभग 8054 करोड़ रुपये गायब हो गए हैं। एक्सचेंज के संस्थापक सैम बैंकमैन फ्रायड ने ग्राहकों के करीब 10 अरब डॉलर अपनी ट्रेडिंग कंपनी अलामेडा रिसर्च में ट्रांसफर किए थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तब ही से इस अमाउंट के एक बड़े हिस्से का कुछ पता नहीं चला है। मामले से जुड़े लोगों के अनुसार ये रकम 1।7 अरब डॉलर है। वहीं कई लोग इसे 1 अरब से 2 अरब डॉलर के बीच मान रहे हैं। एक्सचेंज के संस्थापक बैंकमैन फ्रायड ने अन्य अधिकारियों के साथ पिछले रविवार को कंपनी के वित्तीय आंकड़े साझा किए थे, जिसमें यह गड़बड़ सामने आई है। एफटीएक्स में ऊंचे पदों पर बैठे 2 लोगों के हवाले से ये जानकारी दी गई है। उन लोगों का कहना है कि फ्रायड ने कंपनी की मौजूदा स्थिति के बारे में वित्तीय जानकारी मुहैया कराने के दौरान ये आंकड़े दिए थे। इस हफ्ते एफटीएक्स से भारी संख्या में निकासी हुई थी, जिसके बाद कंपनी ने शुक्रवार को बैंक्रप्सी के लिए दस्तावेज जमा कर दिए। एक दूसरे क्रिप्टो एक्सचेंज बिनांस के साथ कंपनी की रेस्क्यू डील भी पूरी नहीं हो पाई। वहीं 10 अरब डॉलर ट्रांसफर किए जाने के सवाल पर बैंकमैन फ्रायड ने कहा कि ये कोई गुप्च ट्रांसफर नहीं था। उन्होंने कहा कि गलत लेबलिंग होने के कारण ये असमंजमस की स्थिति पैदा हुई थी। उन्होंने शुक्रवार को एक ट्वीट में कहा कि इस हफ्ते जिस तरह से घटनाक्रम सामने आए उन्हें देखकर हैरान हूं। बकौल बैंकमैन, वह जल्द ही इस मामले पर पूरी विवरण लिखेंगे। वहीं एफटीक्स को बिनांस द्वारा खरीदे जाने की घोषणा के बाद मंगलवार को उनकी संपत्ति में जबरदस्त गिरावट आई। वह एक दिन में 15।2 अरब डॉलर से लुढ़कर 99 करोड़ डॉलर पर पहुंच गए। यह किसी भी अरबपति की संपत्ति में एक दिन में आई सबसे बड़ी गिरावट थी।

बेटियों के जन्म से शादी तक उप्र राज्य की सरकार उठाएगी जिम्मा, बस 10 रुपये होंगे खर्च

नई दिल्ली। बेटियों को लक्ष्मी का रूप माना जाता है। लेकिन आज भी देश के कई हिस्सों में लड़कियों की स्थिति दयनीय है। उनकी स्थिति को बेहतर बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें कई योजनाएं लाती रहती हैं। इन्हीं योजनाओं में से एक है उत्तर प्रदेश कन्या सुमंगला योजना। इस योजना के तहत यूपी सरकार लड़की के पैदा होने से लेकर पढ़ाई और शादी तक में मदद देती रहती है ताकि लड़कियां अपने पैरों पर खड़ी हो सकें। इस योजना के जरिए कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों को खत्म करने में भी मदद मिलेगी। इस योजना में सिर्फ उन बच्चियों को शामिल किया जाता है, जिनकी पैदाइश 1 अप्रैल 2019 के बाद की है। लड़की का यूपी का निवासी होना जरूरी है। सरकार लड़की के 21 साल की होने पर उसके विवाह के लिए भी आर्थिक सहायता देती है।

छोटे चाय उत्पादकों की मदद के लिए सरकार कदम उठा रही है : पीयूष गोयल

कोलकाता (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार छोटे चाय उत्पादकों (एसटीजी) की मदद के लिए कदम उठा रही है, जो देश के कुल चाय उत्पादन में 50 प्रतिशत से भी अधिक का योगदान करते हैं। एक वीडियो क्लिप के माध्यम से टिकाऊ चाय उत्पादन पर सॉलिडेरिडाड एशिया और भारतीय चाय संघ (आईटीए) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में गोयल ने कहा कि छोटे चाय उत्पादकों (एसटीजी) को मजबूत करने और उन्हें चाय उत्पादन के लिए कारखानों को आपूर्ति का एक सुरक्षित स्त्रोत सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा, सरकार एसटीजी की मदद करने के लिए कदम उठा रही है, जो कुल चाय उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक का योगदान करते हैं। यह सुनिश्चित करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं कि एसटीजी चाय बनाने वाले कारखानों को आपूर्ति का एक सुरक्षित स्त्रोत बन जाए।" गोयल ने कहा कि निर्यात, चाय अपशिष्ट और भंडारण के लिए उनके लाइसेंस के स्वतः नवीनीकरण के लिए कदम उठाए गए हैं। मंत्री ने कहा कि भारतीय चाय उत्पादक दुनियाभर में सुगंध फैला रहे हैं। उन्होंने कहा, यह, चाय निर्माण को लाभप्रद, व्यावहारिक और एक टिकाऊ प्रक्रिया के रूप में स्थापित करने का समय है। चाय निर्यातकों को यूरोपीय संघ, कनाडा और अमेरिका जैसे महंगे बाजारों के साथ-साथ ब्रांड प्रचार और विपणन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

निवेशकों के लिए एक आकर्षक प्रवेश बिंदु के रूप में उभर रहा गिफ्ट-आईएफएससी : चेयरमैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) स्थित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) के चेयरमैन इंजेती श्रीनिवास ने कहा है कि भारत का यह विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) विदेशी वित्तीय और संस्थागत कंपनियों के निवेशकों के लिए एक आकर्षक प्रवेश बिंदु के रूप में उभर रहा है। अमेरिका के दौरे पर आए श्रीनिवास ने यहां पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा कि अगले पांच वर्षों में यह क्षेत्र देश के शीर्ष दस अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्रों में से एक होगा। श्रीनिवास अमेरिकी और वैश्विक निवेशकों के साथ बैठकों और गोलमेज चर्चाओं के लिए आए वरिष्ठ अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। इस दौरान बैंकिंग और शैक्षणिक संस्थानों के लिए संभानाएं तलाशने का भी प्रयास किया गया। अहमदाबाद से सटी गिफ्ट सिटी स्थित आईएफएससी के चेयरमैन श्रीनिवास ने इस पांच दिवसीय यात्रा के समापन पर कहा, मुझे लगता है कि अगले पांच वर्षों में आईएफएससी स्पष्ट रूप से खुद को भारत के लिए एक बहुत ही आकर्षक प्रवेश बिंदु के रूप में स्थापित करेगा। उन्होंने कहा, यह गैर-भारतीय व्यवसायों के लिए भी एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र के रूप में उभरना शुरू कर देगा। अगले पांच वर्षों में यह मात्रा के लिहाज से निस्संदेह शीर्ष दस अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्रों में शामिल हो जाएगा। श्रीनिवास ने कहा, ₹हर कोई भारत में बहुत रुचि रखता है और गिफ्ट सिटी के बारे में अधिक जानना चाहता है। गिफ्ट सिटी स्थित आईएफएससी एक बहु-सेवा विशेष आर्थिक क्षेत्र है। इसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवाओं की जरूरतें पूरी करने के इरादे से विकसित किया जा रहा है।

पीएनबी दे रहा 600 दिन में तगड़ा मुनाफा कमाने का मौका

नई दिल्ली। अगर आप पंजाब नेशनल बैंक के ग्राहक हैं और फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी कराने की सोच रहे हैं तो आपके लिए एक शानदार मौका है। दरअसल, पंजाब नेशनल बैंक ने विगत शुक्रवार को कहा कि वह 600 दिन की एक स्पेशल फिक्स्ड डिपॉजिट योजना पर सालाना 7.85 प्रतिशत ब्याज देगा। यह स्पेशल ब्याज दर योजना 19 अक्टूबर, 2022 से लागू हो गई है। एक बयान में कहा गया, बैंक 7.85 प्रतिशत सालाना तक हाई ब्याज दरों की पेशकश कर रहा है। यह योजना वरिष्ठ नागरिकों (60-80 वर्ष) और अति वरिष्ठ नागरिकों (80 वर्ष और अधिक) के लिए है। इसके तहत एकमुश्त दो करोड़ रुपये से कम की राशि जमा कराई जा सकती है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने होम लोन की ब्याज दरों को 0.25 प्रतिशत घटाकर 8.25 प्रतिशत कर दिया।

फेसबुक और ट्विटर के बाद अब अमेजन में भी छंटनी की तैयारी, हायरिंग स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्विटर और मेटा में छंटनी के बाद अब दुनिया की सबसे बड़ी ऑनलाइन रिटेल स्टोर कंपनी अमेजन के कर्मचारियों पर भी नौकरी जाने का खतरा मंडरा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अमेजन भी अपने कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रहा है। कंपनी ने नए कर्मचारियों की भर्ती पहले से बंद कर रखी है। कंपनी की आर्थिक चुनौतियों को देखते हुए हायरिंग की प्रक्रिया फिलहाल स्थगित है। बता दें कि इससे पहले फेसबुक की पैतृक कंपनी मेटा अपने 11000 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा चुकी है। खबरों के अनुसार अमेरिकी प्राद्योगिकी और ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने बढ़ती आर्थिक मंदी की आशंका के बीच गैरलाभकारी खर्चों को कम करना शुरू कर दिया है। अमेजन के एक शीर्ष कार्यकारी की तरफ से भेजे गए इंटरनल मेमो के अनुसार कंपनी ने पिछले हफ्ते ही हायरिंग रोकने की घोषणा की थी। इसके बाद कयास लगने शुरू हो गए हैं कि कंपनी अपने कर्मचारियों की संख्या में भी कटौती कर सकती है। अमेजन में करने वाले एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर जेमी झांग ने लिंक्डइन पर अपने कनेक्शन की सूचना देते हुए बताया कि उन्हें कंपनी से निकाल दिया गया है। एक अन्य पूर्व कर्मचारी के एक में भी यह बात कही गई कि कंपनी की पूरी रोबोटिक्स टीम को पिंक चिट दी गई थी। बता दें कि लिंक्डइन के आंकड़ों के मुताबिक, कंपनी के रोबोटिक्स डिवीजन में कम से कम 3,766 लोग कार्यरत हैं। उनमें से कितने लोगों को हटाया गया है यह अब तक स्पष्ट नहीं है।

क्रूड पर नरम पड़े अमेरिका के तेवर, जेनेट येलेन बोलीं

भारत रूस से जितना चाहे उतना कच्चा तेल खरीदे, कोई आपत्ति नहीं

नई दिल्ली। भारत के स्पष्ट रवैये के बाद अब अमेरिका ने कहा है कि वह खुश है कि नई दिल्ली जितना चाहे उतना रूस से तेल खरीदना जारी रखे। वह चाहे तो G 7 द्वारा लगाए गए प्राइस कैप सिस्टम से ऊपर की कीमतों पर भी तेल खरीदे। यूएस ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने शुक्रवार को यह बात कही। पहले अमेरिका समेत यूरोपीय देश रूसी तेल पर प्राइस कैप लगाने के लिए भारत पर दवाब भी बना रहे थे। दरअसल रूस के क्रूड ऑयल पर प्राइस कैप लगने से मॉस्को को कच्चा तेल बेचने पर जो मुनाफा हो रहा है उसमें कमी आएगी।येलन ने अमेरिका और भारत के आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए आयोजित एक सम्मेलन में न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि, रूस के रेवेन्यू पर अंकुश लगाते हुए यह कैप अभी भी वैश्विक तेल की कीमतों को कम करेगा। येलेन के मुताबिक, रूस उतना तेल नहीं बेच पाएगा, जितना अब यूरोपीय संघ द्वारा आयात बंद कर दिया गया है, वो भी बिना कैप्ड कीमत या मौजूदा कीमतों से महत्वपूर्ण छूट का सहारा लिए हुए। येलेन ने कहा कि तेल की कीमतों में कैप के अस्तित्व में आने से भारत-चीन और रूसी कच्चे तेल के अन्य प्रमुख खरीदारों को मॉस्को को भुगतान की जाने वाली कीमत को कम करने में मदद मिलेगी। येलन ने कहा, रूसी तेल सस्ते दामों पर बिक रहा है और हम खुश हैं कि भारत को बेहतर सौदा मिल गया है।

अमेरिका ने करेंसी मॉनिटरिंग लिस्ट से हटाया भारत का नाम, चीन अभी भी सूची में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के वित्त विभाग ने इटली, मेक्सिको, थाईलैंड, वियतनाम के साथ भारत को प्रमुख व्यापारिक भागीदारों की मुद्रा निगरानी सूची से हटा दिया है। भारत पिछले दो साल से इस सूची में था। इस व्यवस्था के तहत प्रमुख व्यापार भागीदारों के मुद्रा को लेकर गतिविधियों तथा वृहत आर्थिक नीतियों पर करीबी नजर रखी जाती है। अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने अपनी भारत यात्रा के साथ शुक्रवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बैठक की। इसी दिन अमेरिका के वित्त विभाग ने यह कदम उठाया है।

मुद्रा निगरानी सूची में हैं ये देश
वित्त विभाग ने संसद को अपनी छमाही रिपोर्ट में कहा कि चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, मलेशिया, सिंगापुर और ताइवान सात देश हैं, जो मौजूदा निगरानी सूची में हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन देशों को सूची से हटाया गया है, उन्होंने लगातार दो रिपोर्ट में तीन में से सिर्फ एक मानदंड पूरा किया है।

मुद्रा निगरानी सूची क्या है : भारत पिछले दो साल से अमेरिका की मुद्रा निगरानी सूची में था। अमेरिका अपने प्रमुख भागीदारों की मुद्रा पर निगरानी के लिए यह लिस्ट तैयार करता है। इस व्यवस्था के तहत प्रमुख व्यापार भागीदारों की मुद्रा को लेकर गतिविधियों तथा वृहत आर्थिक नीतियों पर करीबी नजर रखी जाती है। उन देशों को निगरानी सूची में रखा जाता है, जिनकी फॉरेन एक्सचेंज रेट पर उसे शक होता है।

चीन को बड़ा झटका

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन अपने विदेशी विनिमय हस्तक्षेप को प्रकाशित करने में विफल रहने और अपनी विनिमय दर तंत्र में पारदर्शिता की कमी के चलते वित्त विभाग की नजदीकी निगरानी में है। गौरतलब है कि अमेरिका उन देशों को निगरानी सूची में रखता है, जिनकी फॉरेन एक्सचेंज रेट पर उसे शक होता है।

देश के स्वर्ण भंडार में आयी भारी गिरावट विदेशी मुद्रा भंडार भी 1.09 अरब डॉलर घटा

दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार देश का विदेशी मुद्रा भंडार चार नवंबर को खत्म हुए हफ्ते में 1.09 अरब डॉलर घटकर 529.99 अरब डॉलर रह गया. इसकी प्रमुख वजह देश के स्वर्ण भंडार में आई भारी गिरावट है. गौरतलब है कि पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 6.56 अरब डॉलर बढ़कर 531.08 अरब डॉलर हो गया था, जो वर्ष के दौरान किसी एक सप्ताह में आई सबसे अधिक तेजी थी. एक साल पहले अक्टूबर, 2021 में देश का विदेश मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था. देश के मुद्रा भंडार में गिरावट आने का मुख्य कारण यह है कि वैश्विक घटनाक्रमों की वजह से रुपये की गिरावट को थामने के लिए केन्द्रीय बैंक मुद्रा भंडार से मदद ले रहा है. रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार चार नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान मुद्रा भंडार का महत्वपूर्ण घटक मानी जाने वाली, विदेशी मुद्रा आस्तियां 12 करोड़ डॉलर घटकर 470.73 अरब डॉलर रह गयीं. डॉलर में दर्शाए जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों यानि फॉरेन करंसी एसेट्स में रखे यूरो, पौंड और जापानी येन जैसे गैर डॉलर मुद्रा के मूल्य में आई कमी या बढ़त के प्रभावों को दर्शाया जाता है. आंकड़ों के अनुसार मूल्य के संदर्भ में देश का स्वर्ण भंडार 70.5 करोड़ डॉलर घटकर 37.057 अरब डॉलर रह गया. केंद्रीय बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार 23.5 करोड़ डॉलर घटकर 17.39 अरब डॉलर रह गया है.

रिलायंस बनायेगी देश का पहला मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क, करीब 1424 करोड़ रुपए खर्च करने का है लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के दूसरे सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज तमिलनाडु में तिरुवल्लूर जिले के माप्पेडु में देश में पहला मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क (एमएमएलपी) बनाएगी। इस अत्याधुनिक फ्रेट हैंडलिंग फैसिलिटी में कई तरह के ट्रांसपोर्ट के एक्सेस होंगे और इसे तीन चरणों में विकसित किया जाएगा। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप यानी पीपीपी मोड में बनाए जा रहे इस प्रोजेक्ट में करीब 1424 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसमें करीब 783 करोड़ रुपए का निवेश रिलायंस करेगी। रोड्स, ट्रांसपोर्ट और हाइवे मिनिस्ट्री का कहना है कि इसके पहले चरण का काम 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है, इसके साथ ही इसका कमर्शियल ऑपरेशन भी शुरू हो जाएगा। 184.25 एकड़ में बन रहे इस पार्क को 45 साल के कंसेशन पीरियड के लिए दिया जाएगा। यह 71.7 लाख मीट्रिक टन कार्गो हैंडल कर सकता है। ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री की पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत पूरे देश में इस तरह के 35 पार्क बनाने की योजना है। इससे विभिन्न इकनॉमिक जोंस को मल्टीमोडल कनेक्टिविटी से जोड़ा जाएगा। इनमें से अगले तीन वर्षों में 15 एमएमएलपी को प्राथमिकता दी जाएगी। नेशनल हाइवेज लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट (NHLML) के चीफ एग्जीक्यूटिव प्रकाश गौड़ ने बताया कि अगला नंबर बैंगलूरु एमएमएलपी का है। इसके लिए दिसबंर तक बोली लगाई जानी है। इसका ठेका दिसंबर में ही दे दिया जाएगा। नागपुर एमएमएलपी के लिए दिसंबर में बोली मंगाई जाएगी और इसका ठेका जनवरी 2023 में दिया जाएगा। इंदौर एमएमएलपी के लिए जनवरी में बोली मंगाई जाएगी और मार्च में ठेका दे दिया जाएगा। एनएचएलएचएल एक स्पेशल पर्पज वीकल (SPV) है जिसे नेशनल हाइवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ठलअक) ने लॉजिस्टिक्स पार्क्स विकसित करने के लिए बनाया है।

> चीफ एग्जीक्यूटिव प्रकाश गौड़ ने बताया कि अगला नंबर बैंगलूरु एमएमएलपी का है। इसके लिए दिसबंर तक बोली लगाई जानी है। इसका ठेका दिसंबर में ही दे दिया जाएगा।

आरबीआई ने महिला सहकारी बैंक का लाइंसस किया कैंसिल

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक ने बाबाजी दाते महिला सहकारी बैंक लिमिटेड, यवतमाल, महाराष्ट्र का लाइसेंस रद्द कर दिया है। रिजर्व बैंक ने विगत शुक्रवार को कहा कि इस ऋणदाता के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं, जिसके मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। बैंक द्वारा दिए गए आंकड़ों के हवाले से रिजर्व बैंक ने कहा कि लगभग 79 प्रतिशत जमाकर्ता, जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से अपनी जमा राशि की पूरी राशि प्राप्त करने के हकदार हैं। डीआईसीजीसी ने 16 अक्टूबर, 2022 तक पहले ही कुल बीमित जमा राशि का 294.64 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया है। अपने लाइसेंस को रद्द करने के परिणामस्वरूप, बाबाजी दाते महिला सहकारी बैंक लिमिटेड को बैंकिंग का व्यवसाय करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है, जिसमें अन्य बातों के अलावा, उसे जमा राशि लेने और भुगतान करने से तत्काल प्रभाव से रोका जाना शामिल है। विगत शुक्रवार को कारोबार बंद होने के बाद से बाबाजी दाते महिला सहकारी बैंक का लाइसेंस रद्द करने की घोषणा करते हुए रिजर्व बैंक ने कहा कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं। रिजर्व बैंक ने कहा कि बैंक अपनी वर्तमान वित्तीय स्थिति के साथ अपने वर्तमान जमाकर्ताओं को पूर्ण भुगतान करने में असमर्थ होगा और अगर बैंक को अपने बैंकिंग कारोबार को आगे बढ़ाने की अनुमति दी जाती है तो जनहित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

पेज एक के शेष

राज्य के लोगों...

जो इतने आवेदन आ रहे हैं। सरकार खुश है कि लोगों की समस्याओं का अब समाधान हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यवासी एक हाथ बढ़ायें, आपके दोनों हाथ को सरकार थाम आपको आगे बढ़ायेगी।

देश-विदेश में देंगे शिक्षा : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए सरकार मदद करेगी। सरकार उन्हें योजनाओं से जोड़कर विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी हेतु सहयोग करेगी। साथ ही अगर कोई प्रतिभाशाली स्टूडेंट विदेश में पढ़ाई करना चाहता है तो उसे भी सरकार मदद करेगी। निजी क्षेत्र के उपक्रमों में 75 प्रतिशत आरक्षण मूलवासी-आदिवासी प्राप्त हो इसके लिये अलग से शिविर आयोजित किया जायेगा, ताकि उनको उनका अधिकार मिल सके।

तुपुदाना रिंग रोड...

आनन-फानन में घायल यात्रियों को रिम्स, सदर अस्पताल और अन्य अस्पताल में भेजा गया। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गयी। जानकारी के अनुसार, घायल यात्रियों में प्रीति उरांव, सीमा उरांव और जोहान टोपोन को बेहतर इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। रिम्स के ट्रामा सेंटर में चिकित्सकों की निगरानी में घायलों का इलाज हो रहा है। इस दुर्घटना में बस यात्री इतने गंभीर रूप से घायल हुए हैं कि उन्हें पीसीआर वैन से ही रिम्स अस्पताल भेज दिया गया।

मिनी शराब फैक्ट्री...

कार्टून बरामद किया। वहीं, टीम ने आरोपी सुभाष को भी दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथियों के नामों का भी खुलासा किया है।

बिहार भेजी जाती है शराब : आरोपी सुभाष ने टीम के समक्ष कई खुलासे किये हैं। आरोपी ने बताया कि बाजार से वे लोग सस्ती शराब खरीदते हैं। इसके बाद उसे महंगी बोलत में भरकर उंची कीतमों में बेच देते हैं। रांची के अलावा अधिकतर शराब की खेप बिहार भेजी जाती है। बस और छोटी गाड़ियों से अवैध शराब की सप्लाई होती है। विभागीय टीम आरोपी से लगातार पूछताछ कर रही है।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi

Contact No. : 9199533383, 7903835453

Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm

Sunday : 9 am to 2 pm

E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

न्यूज गैलरी

बाइडन की बहन और भाइयों की रूस में नो एंट्री

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति ब्लादीमीर पुतिन जैसे को तैसा के फॉर्मूले पर चलने लगे हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के परिवार को लेकर एक ऐसा फैसला लिया है, जिसमें इस फॉर्मूले की झलक मिल रही है। असल में रूस ने 200 अमेरिकी नागरिकों के रूस में घुसने पर बैन लगा दिया है। इन 200 नागरिकों में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की बहन और दो भाई भी शामिल हैं। माना जा रहा है कि पुतिन ने यह फैसला अमेरिका द्वारा खुद पर लगाए गए प्रतिबंधों के बदले में लिया गया है। खबरों के मुताबिक वेलेरी बाइडेन ओवेन्स, जेम्स ब्रायन बाइडेन और फ्रांसिस विलियम बाइडेन को रूस की यात्रा करने से प्रतिबंधित किया गया है। सिर्फ इतना ही नहीं, इस लिस्ट में व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव कैरीन जीन पियरे भी शामिल हैं।

कश्मीर को लेकर हमारे रुख में कोई बदलाव नहीं : अमेरिका

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका ने एक बार फिर जोर देकर कहा है कि कश्मीर के मुद्दे पर उसकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है और उसका मानना है कि बाहरी हस्तक्षेप के बगैर ही यह मुद्दा भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत से सुलझाया जाना चाहिए। अमरीकी विदेश मंत्रालय में दक्षिण और सेंट्रल एशिया मामलों के लिए जिम्मेदार अधिकारी असिस्टेंट सेक्रेटरी ऑफ स्टेट डॉनल्ड लू ने कहा कि मैं यह साफ कर देना चाहता हूं कि कश्मीर मुद्दे पर हमारी नीति में कतई कोई तब्दीली नहीं आयी है। हम अब भी यही मानते हैं कि अगर कश्मीर मुद्दे पर कोई सीधी बातचीत होनी है तो वह भारत और पाकिस्तान के बीच ही होनी है। और कश्मीर मुद्दे पर बातचीत का दायरा, उसका विषय और उस बातचीत की गति भी भारत और पाकिस्तान को आपस में ही तय करना होगी। हाल ही में पाकिस्तान में मौजूद अमरीकी राजदूत डॉनल्ड ब्लोम ने पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर इलाके का दौरा करने के बाद सोशल मीडिया वेबसाइट ट्विटर पर लिखा कि उन्होंने आजाद जम्मू एंड कश्मीर का दौरा किया। भारत मानता है कि इस इलाके पर पाकिस्तान ने कब्जा किया हुआ है। इस सिलसिले में भारत ने अपनी नाराजगी भी जतायी थी।

भारत-चीन के बीच हिंद महासागर तनाव का बनता जा रहा है बड़ा केंद्र

बीजिंग/नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच हिंद महासागर तनाव का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। भारत के लंबी दूरी के मिसाइल के परीक्षण के ठीक पहले चीन ने पिछले दिनों अपने जासूसी जहाज यूआन वांग 6 को हिंद महासागर में भेज दिया था। इसके बाद भारत ने अपने मिसाइल परीक्षण को टाल दिया था। वहीं, अब ताजा खुलासा हुआ है कि चीन का एक और जासूसी जहाज अब हिंद महासागर में पहुंच गया है। इस जहाज का नाम यूआन वांग-5 है जो अभी इंडोनेशिया के लोमबोक स्ट्रेट से हिंद महासागर में दाखिल हुआ है। यह वही जासूसी जहाज है जिसने भारत के विरोध के बाद भी पिछले दिनों श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर डेरा डाला था। इस बीच भारत ने भी

- चीन ने दो जासूसी जहाजों को हिंद महासागर में भेजा
- भारत अटल, मिसाइल टेस्ट से देगा करारा जवाब

मिसाइल परीक्षण का ताजा ऐलान करके अपने सख्त इरादे जाहिर कर दिये हैं।

ओपन सोर्स इंटेलिजेंस अनैलिस्ट ने बताया कि भारत ने एक और नोटिफिकेशन जारी किया है और बंगाल की खाड़ी में नो फ्लाई जोन को फिर से लागू करने का ऐलान किया है। भारत ने इस नोटिस को अपने आगामी मिसाइल परीक्षण को ध्यान में रखते हुए जारी किया है। नोटिस को देखकर माना जा रहा है कि इसकी मारक क्षमता दो हजार किमी के आसपास होगी। भारत की इस मिसाइल को 23-24 नवम्बर के बीच में ओडिसा से टेस्ट किया जाना है। भारत के इस ऐलान के बीच चीन ने पहले एक और अब दूसरा स्पेस और मिसाइल ट्रैकिंग जहाज हिंद महासागर में भेज दिया है।

भारत के अंडमान निकोबार द्वीप समूह के पास चीनी जहाज

चीन का पहला जासूसी जहाज यूआन वांग 6 अभी हिंद महासागर में मौजूद है और भारत के अंडमान निकोबार द्वीप समूह के पास समुद्र में डेरा डाले हुए है। वहीं, दूसरा जहाज युआन वांग-5 इंडोनेशिया के लोमबोक स्ट्रेट के रास्ते हिंद महासागर में घुसा है। भारत इससे पहले 10 और 11 नवम्बर को इस मिसाइल का परीक्षण करनेवाला था, लेकिन चीनी जासूसी जहाज के आने के बाद उसे टाल दिया था। भारत की ओर से जारी ताजा नोटिस के मुताबिक यह मिसाइल 2200 किमी तक मार करने में सक्षम है। वहीं, कुछ रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि यह मिसाइल भारत की सबमरीन से लॉन्च की जाने वाली के-4 मिसाइल है, वहीं अन्य खबरों में कहा गया है कि यह अग्नि सीरिज की मिसाइल है। भारत की पनडुब्बी से दागे जाने वाली मिसाइल के-4 की मारक क्षमता 3500 किमी है। चीन का दूसरा जासूसी जहाज यूआन वांग 5 अभी इंडोनेशिया के बाली के पास स्थित है।

जलवायु की चिंता छोड़ अफ्रीकी गैस के पीछे पड़े हैं यूरोपीय नेता

टिम शाउएनबेर्ग (एजेंसी)। ऊर्जा संकट और रूसी गैस के विकल्प की भूख में फंसे यूरोपीय नेता बीते कुछ महीनों से अफ्रीका में जीवाश्म ईंधनों की परियोजनाओं पर नजर गड़ाये हुए हैं। उनके अफ्रीकी समकक्ष भी इन्हें बेचने में दिलचस्पी ले रहे हैं। सेनेगल और मौरितानिया लिक्विफाइड नेचुरल गैस यानी एलएनजी जर्मनी भेजने की योजना बना रहे हैं। सेनेगल की सरकार को उम्मीद है कि यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को 2023 से 25 लाख टन गैस भेजना शुरू कर 2030 में इसे एक करोड़ टन तक पहुंचा देंगे। अफ्रीकी संघ और ज्यादा ऊर्जा के बुनियादी ढांचे के लिए दबाव बना रहा है इसमें जीवाश्म गैस भी शामिल है। दक्षिण अफ्रीका और तंजानिया जैसे देश अछूते भंडारों का गढ़ हैं और इससे उन्हें अरबों डॉलर की कमाई हो सकती है। अफ्रीकी संघ के कार्यकारी निदेशक राशिद अली अब्दल्लाह ने कहा कि वास्तव में यह अफ्रीका के एक बड़ा अवसर है। ना सिर्फ यूरोप बल्कि वैश्विक संकट के दौर में अफ्रीका मांग पूरी करने में मदद कर सकता है। अब तक दुनिया में जीवाश्म गैस के कुल उत्पादन का महज छह फीसदी ही अफ्रीका में होता था।

गुजरात चुनाव से पहले एटीएस की बड़ी कार्रवाई

100 से ज्यादा ठिकानों पर रेड, 65 लोग गिरफ्तार

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच एटीएस ने बड़ी कार्रवाई की है। राज्य के 13 जिलों के 100 से भी ज्यादा ठिकानों पर एटीएस ने रेड मारी है। ये कार्रवाई 11 से 12 नवम्बर की रात को हुई है। सूत्रों के मुताबिक, गुजरात एटीएस ने जीएसटी विभाग के साथ साझा ऑपरेशन को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई में 65 लोगों को गुजरात एटीएस की तरफ से गिरफ्तार भी किया गया है एटीएस ने सूरत, अहमदाबाद, जामनगर, भरूच और भावनगर जैसे जिलों में सौ से ज्यादा ठिकानों पर छापे मारें हैं। ये छापामारी अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर टैक्स चोरी और धन के लेन-देन को लेकर की गयी है। मिली जानकारी के मुताबिक, साजिद अजमल शेख और शहजाद नाम के शख्स एटीएस के रडार पर थे। एटीएस ने शुक्रवार रात सबसे पहले इन्हीं दो लोगों को गिरफ्तार किया। जांच में पाया गया कि साजिद और शहजाद कथित तौर पर पूरे राज्य में जीएसटी चोरी का बड़ा रैकेट चलाते हैं। मामले में करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी बतायी जा रही है। आशंका है कि गिरफ्तार किये गये लोगों के तार पीएफआई और हवाला रैकेट से जुड़े हुए हैं।

नीदरलैंड में क्राइम रेट कम, जेलों को किया जा रहा बंद

कोटा (एजेंसी)। पिछले कुछ सालों में नीदरलैंड में अपराध की दर सालाना गिरती जा रही है। इस वजह से इस देश की जेलों का हाल ये है कि यहां कैदी नहीं हैं। यहां की जेलों को बंद किया जा रहा है और होटल में तब्दील किया जा रहा है। यह सिलसिला 2013 में शुरू हुआ था। आखिर ऐसा क्या है कि इस देश में जेलों को बंद किया जा रहा है और यहां अपराध की दर गिरने की क्या वजह है? यह देश दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहां की जेलों की यह स्थिति है। किस तरह से वहां की सरकार ने क्राइम रेट को कम किया। यह भारत के लिए अन्य देशों के लिए भी एक उदाहरण है। हमारे देश में आये दिन आपराधिक घटनाएं घटित होती रहती है। क्राइम रेट कम होने की

बजाये बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में यह जानना बहुत आवश्यक है नीदरलैंड में ऐसा क्या सिस्टम अपनाया गया कि वहां सलाखों के पीछे डालने के लिए अपराधी लगभग खत्म हो चुके है। वहां एक लाख आबादी पर बस 50 कैदी हैं। डच जस्टिस डिपार्टमेंट की तरफ से अनुमान लगाया गया है कि साल 2023 तक जेल की कुल आबादी बस 9,810 तक आ जायेगी। जेलों में अब अपराधी ही नहीं बचे हैं। हालत यह है कि नीदरलैंड में उसके पड़ोसी देश नॉर्वे से कैदी भेजे जा रहे हैं। क्योंकि, नॉर्वे में अपराध का स्तर काफी ज्यादा है।

क्या है डच जस्टिस सिस्टम

- डच जस्टिस सिस्टम को ऐसा बनाया गया है जहां कैदियों की सजा पर जोर देने की बजाय उनकी अपराध करने की भावना को समझने और अपराध की रोकथाम पर ज्यादा जोर दिया जाता है।
- इस सिस्टम में किसी अपराधी के जुर्म करने पर भारी जुर्माना अदा करना पड़ता है। इसके अलावा जिन कैदियों ने कई सालों की सजा काट ली होती है उनकी सजा को भी कम कर दिया जाता है।
- डच जस्टिस सिस्टम में कैदियों के लिए एक प्रोग्राम चलाया जाता है। जिसे हर कैदी को अटेंड करना होता है। इस प्रोग्राम में कैदियों की मदद के लिए मनोवैज्ञानिकों को जिम्मेदारी दी जाती है।
- मानसिक बीमारी से ग्रसित कैदियों पर विशेष ध्यान दिया गया। इस सिस्टम को सजा की बजाय समझ और रोकथाम पर आधारित करके बनाया गया।
- वर्ष 2016 में सरकार की तरफ से हुई एक स्टडी में कम अवधि की सजा के नियम और समाज पर इसके प्रभाव का अध्ययन किया गया था। इसकी वजह से जेल की आबादी को कम करने में काफी मदद मिली।

हिमालय क्षेत्र में मंडराता बड़े भूकंप का खतरा

काठमांडू (एजेंसी)। इस सप्ताह भारत और नेपाल के कुछ हिस्सों में लगे भूकंप के झटकों के कारण नेपाल में कम से कम छह लोगों की मौत हो गयी। बुधवार रात को अरुणाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में भी भूकंप के झटके महसूस किये गये। इस बीच, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि हिमालय क्षेत्र में एक भूकंप आने का खतरा मंडरा रहा है बड़े इलाके पर असर डाल सकता है। वैसी स्थिति में जान-माल का नुकसान न्यूनतम करने के लिए पहले से बेहतर तैयारी जरूरी है। आईआईटी कानपुर के पृथ्वी विज्ञान विभाग के प्रोफेसरों ने भी भविष्य में एक बड़े भूकंप के आने की आशंका जतायी है। उनका कहना है कि धरती के नीचे भारतीय प्लेट व यूरेशियन प्लेट के बीच टकराव बढ़ रहा है।

सिडनी में क्रूज शिप पर 800 टूरिस्ट पाये गये कोरोना पॉजिटिव

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में कोरोना विस्फोट हुआ है। यहां पहली बार एक दिन में आठ हजार से ज्यादा नये मामले आये हैं। सबसे ज्यादा न्यू साउथ वेल्स में 5715 केस आये हैं। राज्य के स्वास्थ मंत्री ब्रैड हैजार्ड के मुताबिक इनमें से 80 प्रतिशत मरीजों में ओमिक्रॉन वेरिएंट मिला है। एक हॉलिडे क्रूज में 800 यात्री कोरोना पॉजिटिव पाये गये हैं। जहाज को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में डॉक कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री ने शनिवार को जनता से कहा कि सिडनी में सैकड़ों यात्रियों के साथ एक क्रूज पर

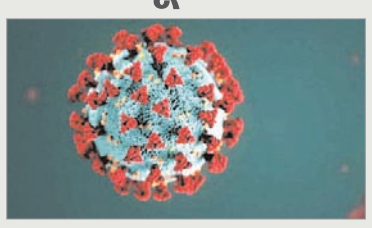

कोविड-19 पॉजिटिव पाये जाने के बाद प्रोटोकॉल का सावधानी से पालन किया जाये। वहीं, कार्निवल ऑस्ट्रेलिया के मैजेस्टिक प्रिंसेस क्रूज जहाज को सबसे अधिक आबादी वाले राज्य, न्यू साउथ वेल्स की राजधानी सिडनी में डॉक किया गया है। जहाज में 800 यात्रियों को कोरोना संक्रमित पाया गया है। राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों ने इसे टियर तीन ट्रांसमिशन बताया। गृह मामलों के मंत्री क्लेयर ओ नील ने कहा कि अधिकारियों ने शिप पर कोविड आउटब्रेक को ध्यान में रखते हुए प्रोटोकॉल बनाए हैं और न्यू साउथ वेल्स हेल्थ यह निर्धारित करने का बीड़ा उठाएगा कि यात्रियों को शिप से कैसे निकाला जाए। डेरेक ओ नील ने मेलबर्न में संवाददाताओं से कहा कि संघीय सीमा बल अधिकारी राज्य के अधिकारियों की मदद करेंगे।

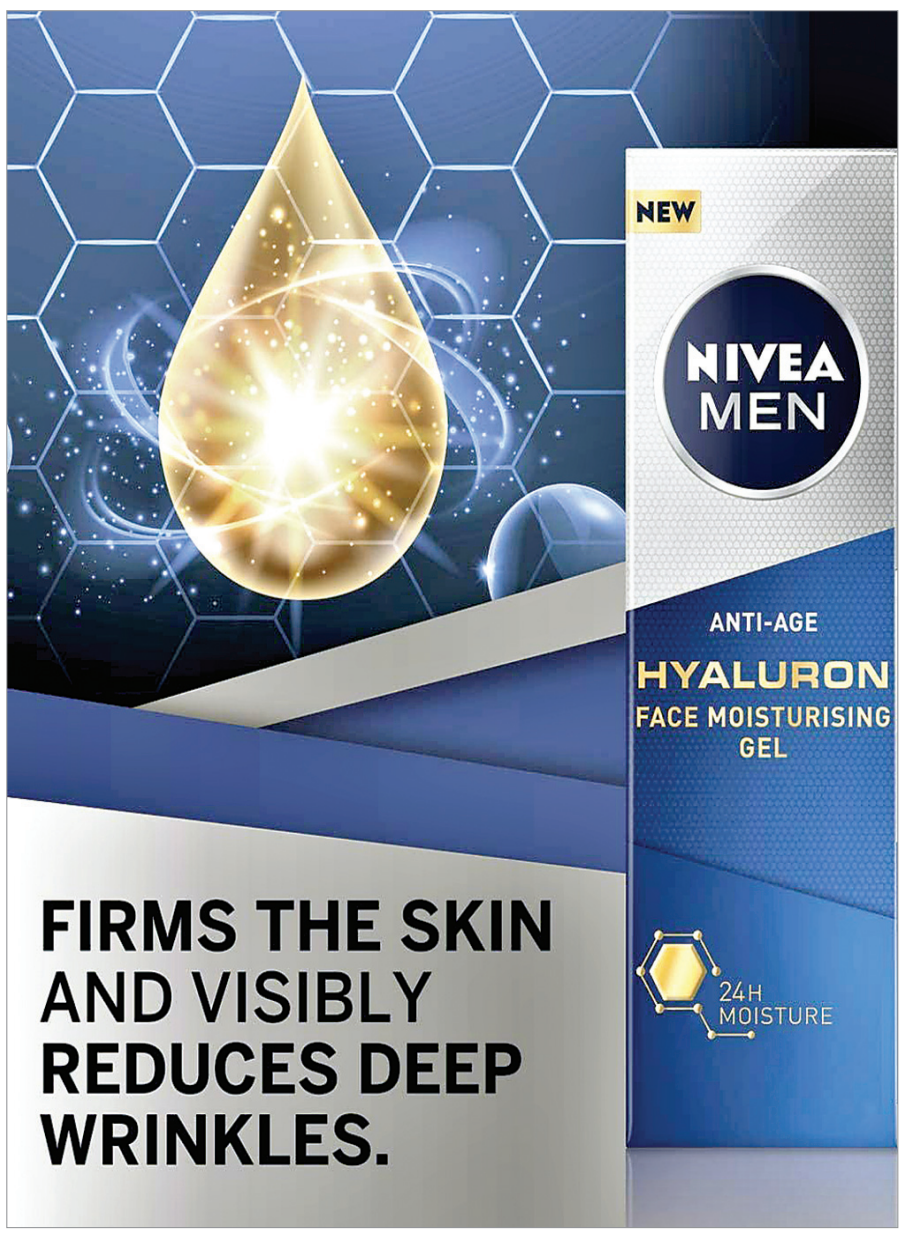

महाकाल का चमत्कार : पांच महीने से लापता बेटे की मन्नत लिये उज्जैन पहुंचा पिता, देखा- सामने खड़ा था अपना लाल

उज्जैन (एजेंसी)। वर्षों से लोग एक कहते-सुनते आ रहे हैं कि कुंभ में बिछुड़े कभी-कभार मिल भी जाते हैं। यह चमत्कारिक कहानी भी कुंभ स्थल महाकाल की नगरी उज्जैन से जुड़ी है। बेशक अभी यहां कुंभ नहीं चल रहा है और न किसी के यहां से बिछुड़ने का मामला है, लेकिन महाकाल की कृपा से एक पिता को यहां अपना खोया बेटा अवश्य मिल गया। यह कहानी एकदम फिल्मी दिखती है, लेकिन है रियल। यह कहानी उत्तर प्रदेश के कासगंज के रहनेवाले श्रीकृष्ण कुमार की है। उनके मुताबिक, करीब पांच महीने पहले मानसिक रूप से कमजोर उनका बेटा अचानक लापता हो गया था। पिता ने उसे सब जगह खोजा, पुलिस में भी मिसिंग रिपोर्ट दर्ज करायी, मगर वो नहीं मिला। पिता ने लगभग उम्मीद छोड़ ही दी थी कि कभी बेटा मिलेगा। श्रीकृष्ण के अनुसार, हर जगह से निराश उन्हें सिर्फ भगवान पर ही भरोसा रह गया था। तभी किसी ने उनसे कहा कि उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में जाकर मन्नत मांगो, शायद बेटा मिल जाये।

महाकाल परिसर में ही मिल गया बेटा

श्रीकृष्ण 800 किमी दूर उज्जैन आये और महाकाल से अपने बेटे के लिए मन्नत मांगी।

तभी एक चमत्कार सा हुआ। उन्हें मंदिर परिसर के पास ही एक आश्रम में खोया बेटा बैठा मिला। यह देखकर पहले तो श्रीकृष्ण को विश्वास ही नहीं हुआ। फिर वे बेटे के गले लगकर फूट-फूटकर रोने लगा। उन्होंने कहा कि वाकई ये महाकाल का चमत्कार है कि जिसकी उम्मीद से वे यहां तक आये थे, वो मंदिर में पैर रखते ही पूरी हो गयी। श्रीकृष्ण ने मीडिया को बताया कि वे उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले के रामसिंहपुरा सोरो के रहनेवाले हैं। पांच भाइयों और एक बहन में मानसिक रूप से कमजोर पंकज 17 साल का है। श्रीकृष्ण मजदूरी करते हैं। बावजूद उन्होंने बेटे के इलाज पर कोई कसर नहीं छोड़ी। श्रीकृष्ण कुमार के अनुसार, पंकज छत पर सो रहा था। लेकिन अगली सुबह वो गायब था। उसे ढूंढ़ने अलीगढ़, बरेली और दिल्ली सहित तमाम शहरों के चक्कर लगाये, लेकिन वो मिला, तो महाकाल के दरबार में। श्रीकृष्ण कुमार के परिचित पवन समाधिया महाकाल के दर्शन के लिए आ रहे थे। जब श्रीकृष्ण ने अपने बेटे के लिए भी उनसे प्रार्थना करने की बात कही, तो पवन ने उन्हें भी अपने साथ चलने को तैयार कर लिया।